www.navpradesh.com

दैनिक **नवप्रदेश**

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

रायपुर, सोमवार, 06 अप्रैल 2026 कृष्ण पक्ष-चतुर्थी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 57 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

'नक्सलियों से नागरिक तक: 15 सरेंडर माओवादियों की नई शुरुआत, आधार और वोटर कार्ड के साथ'

■ छत्तीसगढ़ की पुनर्वास नीति के तहत मुख्यधारा में लौटे दुर्दांत नक्सली

सोमेश लहरे

खैरागढ़/नवप्रदेश। खैरागढ़ जिले में आत्मसमर्पण करने वाले 15 नक्सलियों के जीवन में अब बड़ा बदलाव आने वाला है। कभी जंगलों और बीहड़ों में दहशत का पर्याय रहे ये लोग अब मुख्यधारा में लौटकर सामान्य जीवन जीने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रशासन ने इनके पुनर्वास की प्रक्रिया तेज कर दी है, ताकि ये समाज के साथ जुड़कर नई शुरुआत कर सकें। बिना पहचान जंगलों और बीहड़ों में अपना जीवन जीने वाले इन नक्सलियों का आधारकार्ड जैसा बड़ा पहचान भी बनाया जा रहा है।

जिले के बकरकट्टा थाना क्षेत्र में बस्तर सहित दक्षिण छग के 15 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। नक्सलवाद खत्म करने की डेडलाइन के पहले इन 15 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर सरकार की पुनर्वास नीति पर भरोसा जताया है। इनमें एक दंपति सहित कुल 8 महिलाएं और 7 पुरुष शामिल हैं। आत्मसमर्पण के बाद इन्हें आम नागरिकों की तरह जीवन ■ शेष पृष्ठ 8 पर

नवप्रदेश विशेष

सकारात्मक बदलाव आएगा

आत्मसमर्पित नक्सलियों का मतदाता परिचय पत्र, आधार कार्ड बनाया जा रहा है। संबंधितों को उनके गृह जिले में भेजकर वहां भी पुनर्वास नीति की संपूर्ण व्यवस्था बनाई जाएगी। यह पहल इनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी

- **लक्ष्य शर्मा**, एसपी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई

नक्सल प्रभाव घटा, सुरक्षा घेरे में होगा बदलाव 300 जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा से हटेंगे जवान

■ बस्तर संभाग के 43 भाजपा नेताओं को हाल ही में विशेष कमांडो सुरक्षा

रायपुर/नवप्रदेश। माओवादी हिंसा के खत्म होने के बाद छत्तीसगढ़ सरकार अब बस्तर में सुरक्षा व्यवस्था की नए सिरे से समीक्षा कर रही है। वर्तमान में बस्तर क्षेत्र में लगभग 60 हजार सुरक्षा बल तैनात हैं, जो स्थिति सामान्य होने तक अगले एक वर्ष तक यथावत रहेंगे।

इन 60 हजार सुरक्षा बलों में से करीब 40 हजार केंद्रीय सुरक्षा बल हैं, जबकि शेष 20 हजार राज्य के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

वर्तमान सुरक्षा स्थिति

13	अति-विशिष्ट व्यक्तियों को जेड प्लस सुरक्षा
38	लोगों को जेड
35	को वाई प्लस
121	नेताओं को एक्स श्रेणी की सुरक्षा
43	भाजपा नेता को विशेष कमांडो सुरक्षा

राजनीतिक बयानबाजी तेज

इस मुद्दे पर सियासत भी तेज हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सवाल उठाया है कि यदि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के अनुसार सशस्त्र माओवाद समाप्त हो चुका है तो अतिरिक्त सुरक्षा बलों की जरूरत क्यों है। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने जवाब देते हुए कहा कि सरकार बस्तर में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा में कटौती

राज्य में 300 से अधिक जनप्रतिनिधियों को दी गई विशेष सुरक्षा में तैनात लगभग 1,200 अतिरिक्त जवानों को हटाने की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है। सरकार का उद्देश्य है कि सामान्य स्थिति में किसी को अतिरिक्त सुरक्षा की आवश्यकता न पड़े।

ऐसे तय होती है सुरक्षा की श्रेणी

राज्य में सुरक्षा का निर्धारण प्रोटेक्शन रिव्यू समूह की बैठक में होता है। रेंज के आइजी, संबंधित जिले के कलेक्टर और एसपी सुरक्षा की अनुशंसा करते हैं। गृह विभाग को प्रस्ताव भेजने के बाद खुफिया विभाग की रिपोर्ट के आधार पर सुरक्षा श्रेणी तय की जाती है।

आज बेबाक

जिसके हाथ में होगी लाठी भैंस वही ले जाएगा वाली कहावत वैसे तो बिहार के सन्दर्भ में ही याद आती है लेकिन यह बंगाल में अक्षरशः चरितार्थ होती है। इस बार भी हो रही है। वहां अभी से वोटरों को खुलेआम धमकाया जा रहा है कि टीएमसी के अलावा किसी और पार्टी को वोट दिया तो पूरे खानदान की खैर नहीं। यहां तक कि सात चुनाव अधिकारियों को बंधक तक बना लिया गया। ये सब तो ट्रेलर है, अभी तो पूरी हारर पिक्चर बाकी है। बकौल एक शायर - इब्तिदाए इश्क है रोता है क्या, आगे-आगे देख होता है क्या...।

7 साल के मासूम की हत्या, कुएं में फेंका शव, गिरफ्तार

कोरबा/नवप्रदेश। पुलिस ने सात वर्षीय बालक के मौत की गुत्थी को सुलझा लिया है। नशे में धुत आरोपी ने बुरी नियत से बालक को अपने साथ ले गया था। उसने मंसूबे में कामयाब नहीं होने और पोल खुलने के भय से बालक के सिर पर पत्थर से हमला कर दिया।

सरकारी निर्माण कार्य ठप होने की कगार पर, छत्तीसगढ़ कांट्रैक्टर्स एसोसिएशन को सरकार से उम्मीद

युद्ध का असर: डामर, सीमेंट, प्लास्टिक रॉ मटेरियल महंगे, कई काम अधर में लटके

रायपुर/नवप्रदेश। अंतरराष्ट्रीय तनाव और युद्ध की स्थिति का असर अब सीधे निर्माण क्षेत्र पर दिखाई देने लगा है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के चलते निर्माण सामग्रियों के दाम में भारी उछाल आया है, जिससे छत्तीसगढ़ में सरकारी प्रोजेक्ट संकट में पड़ गए हैं। कई जगह काम धीमा हो गया है, जबकि कुछ परियोजनाएं ठप होने के कगार पर हैं। डामर के अलावा बिटुमिन, इमल्शन की कीमतों में भी 25 प्रतिशत तक वृद्धि हो चुकी है।

डामर और टाइल्स की किल्लत: ठेकेदारों के अनुसार डामर क्रूड ऑयल से बनता है, जिसकी कीमत में भारी उछाल आया है। इसके अलावा गैस की कमी के कारण टाइल्स की भी किल्लत बनी हुई है। इससे सड़क निर्माण और भवन निर्माण दोनों प्रभावित हो रहे हैं। गर्मी के मौसम में जहां ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कीमतों में तेज बढ़ोतरी

- **स्टील:** 5500 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़कर 6500 रुपए
- **सीमेंट:** 260 रुपए प्रति बोरी से बढ़कर 290 रुपए
- **डामर:** 50 हजार रुपए प्रति टन से बढ़कर 84 हजार रुपए
- **एल्युमिनियम पार्ट:** 320 रुपए प्रति किलो से बढ़कर 435 रुपए
- **गिट्टी:** 22 रुपए प्रति फीट से बढ़कर 40-42 रुपए

काम बंद करने की चेतावनी

बढ़ती लागत के कारण ठेकेदारों के लिए काम करना मुश्किल हो गया है। डामर का पर्याप्त स्टॉक नहीं मिल रहा है। ऐसे में एसोसिएशन ने 10 अप्रैल को कोर कमेटी की बैठक बुलाई है, जिसमें निर्माण कार्य बंद करने पर फैसला लिया जा सकता है।

- **बीरेश शुक्ला**, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ कांट्रैक्टर्स एसोसिएशन

ट्रम्प ने ईरान को बास्टर्ड कहा, धमकी दी होर्मुज खोलो, नहीं तो नरक बना दूंगा

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को बास्टर्ड कहते हुए होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोलने पर बड़ा हमला करने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने होर्मुज नहीं खोला तो वो उसे नरक बना देंगे। इसके साथ ही उन्होंने ईरान में पावर प्लांट और पुलों पर हमला करने की बात कही। ट्रम्प ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान में मंगलवार को पावर प्लांट डे और ब्रिज डे एक साथ होगा यानी हमला होगा। ईरान होर्मुज स्ट्रेट खोले दे, नहीं तो नरक जैसे हालात में पहुंच जाएगा। अमेरिका ने इससे पहले गुरुवार को ईरान की राजधानी तेहरान को कराज शहर से जोड़ने वाले बीवी हाईवे ब्रिज पर हमला किया था।

ईरान ने ट्रम्प का 48 घंटे का अल्टीमेटम ठुकराया

ईरान ने ट्रम्प के 48 घंटे में होर्मुज खोलने के अल्टीमेटम को ठुकरा दिया है। ईरानी सेना ने कहा है कि अमेरिका बेबस और घबराकर धमकियां दे रहा है। ट्रम्प ने ईरान को होर्मुज खोलने या समझौता करने का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा था कि समय खत्म हो रहा है और ऐसा नहीं होने पर ईरान के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाकर तबाह कर दिया जाएगा।

जीएसटी से बच रहे डेढ़ लाख व्यापारी, 10 अप्रैल के बाद नोटिस जारी करेगा विभाग

■ 3.5 लाख कारोबारियों को जीएसटी के दायरे में होना चाहिए, लेकिन फिलहाल लगभग 2 लाख ही पंजीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में टैक्स चोरी पर रोक लगाने के लिए राज्य जीएसटी विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। विभागीय सर्वे में सामने आया है कि जीएसटी के दायरे में आने वाले करीब डेढ़ लाख व्यापारी और सेवा प्रदाता अब तक पंजीयन नहीं करा पाए हैं। ऐसे में विभाग ने 10 अप्रैल के बाद अपंजीकृत कारोबारियों को नोटिस जारी करने की तैयारी कर ली है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के नियमों के अनुसार, जिन व्यापारियों का सालाना टर्नओवर 40 लाख रुपए से अधिक और सेवा क्षेत्र में 20 लाख रुपए से ज्यादा आय है, उनके लिए जीएसटी पंजीकरण अनिवार्य है। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में करीब 3.5 लाख कारोबारियों को जीएसटी के दायरे में होना चाहिए, लेकिन फिलहाल लगभग 2 लाख ही पंजीकृत हैं।

बिजली खपत और बैंक डेटा से होगी जांच: विभाग ने अपंजीकृत कारोबारियों की पहचान के लिए बैंकों और बिजली कंपनी से डेटा जुटाना शुरू कर दिया है। जिन क्षेत्रों में बिजली खपत अचानक बढ़ी है, वहां संचालित फैक्ट्रियों, उद्योगों और व्यवसायों की जांच की जाएगी। उनके टर्नओवर और वास्तविक कारोबार का आकलन किया जाएगा।

कोयला और ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर खास नजर: जीएसटी अधिकारियों के अनुसार कोयला और ट्रांसपोर्टिंग सेक्टर में सबसे ज्यादा गड़बड़ी सामने आ रही है। इन क्षेत्रों में कई बड़े कारोबारी बिना बिल के कारोबार कर रहे हैं, जिससे राजस्व को नुकसान हो रहा है।

जीएसटी नंबर डिस्प्ले नहीं करने पर जुर्माना: पंजीकरण के बाद कारोबारियों को अपने प्रतिष्ठान के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका: मोदी

■ एक खास मजहब के लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे

कोलकाता/ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में चुनावी सभा में कहा कि टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका है और अब जनता बदलाव चाहती है। चुनाव के बाद भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, चुन-चुनकर हिसाब लिया जाएगा।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा- 1905 में मजहबी ताकतों ने बंगाल में लाल इश्तेहार जारी किया था, जिसके बाद हिंदुओं का नरसंहार हुआ था। टीएमसी उसी की याद दिलाना चाहती है। एक खास मजहब के लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन में लोकतंत्र कमजोर हुआ है। संवैधानिक संस्थाओं की अनदेखी की जा रही है।

विकास को रफ्तार देने वाली भाजपा पर भरोसा

एक ओर टीएमसी के करप्शन का भय है तो दूसरी तरफ विकास को रफ्तार देने वाली भाजपा का भरोसा है। एक और टीएमसी के घुसपैठ कराने का भय है तो दूसरी ओर घुसपैठियों को भगाने वाली भाजपा पर भरोसा है। तृणमूल कांग्रेस की सरकार में बंगाल की डेमोग्राफी में भयंकर बदलाव आया है। इन घुसपैठियों को टीएमसी का समर्थन है। हमारी सरकार उन्हें चुन-चुनकर बाहर कर रही है।

जगदलपुर में महसूस किए गए भूकंप के झटके, 4.4 रही तीव्रता

रायपुरा/नवप्रदेश। शनिवार की देर रात भूकंप के झटको से बस्तर के लोग दहशत में आ गए। आधी रात पर 4.4 तीव्रता की भूकंप के झटके बस्तर संभाग मुख्यालय में महसूस किए गए। जगदलपुर मुख्य शहर और आडावाल में लोगों ने इस कंपन को सीधी तौर पर महसूस किया। कई लोग अपने घरों से बाहर भी निकल आए पर यह समय इतना कम था कि लोगों को रिएक्ट करने का मौका नहीं मिला। सीस्मोलॉजी सेंटर रिपोर्ट के अनुसार भूकंप का केंद्र ओड़िशा के कोरापुट में रहा।

बस्तर में रोमांच, संस्कृति और पर्यटन का अद्भुत संगम

■ देशभर के राइडर्स का जगदलपुर में जमावड़ा

रायपुर/नवप्रदेश। बस्तर की धरती एक बार फिर रोमांच, ऊर्जा और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर नजर आई, जब बस्तर राइडर्स मीट-2026 का भव्य आयोजन गरुड़ा राइडर क्लब के तत्वावधान में किया गया। देश के विभिन्न राज्यों से आए बाइकर्स और एडवेंचर प्रेमियों ने इस आयोजन को यादगार बना दिया।

इस आयोजन में बाइक स्टंट्स, राइडिंग शो और एडवेंचर एक्टिविटीज ने युवाओं में जबरदस्त उत्साह भर दिया। राइडर्स ने अपनी बेहतरीन स्किल्स का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित कर दिया। जहां एक ओर एडवेंचर का जोश था, वहीं दूसरी ओर बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भी पूरे शबाब पर दिखी। लोकनृत्य, संगीत और पारंपरिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। यह आयोजन आधुनिकता और परंपरा का बेहतरीन संगम बनकर उभरा।

कार्यक्रम में उन प्रभावशाली व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने बस्तर की पहचान को सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसमें इन्फ्लुएंसर्स, कलाकार, लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे। इस आयोजन में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा होटल एम्बिशन में विशेष स्टॉल लगाया गया, जहां बस्तर के प्रमुख पर्यटन स्थलों, संस्कृति और स्थानीय उत्पादों की जानकारी दी गई। यह पहल राज्य सरकार की उस सोच को दर्शाती है, जिसके तहत स्थानीय पर्यटन को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार लगातार बस्तर जैसे ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गरमा-गरम

उपलब्धि: सीएम विष्णुदेव साय की पारदर्शी प्रबंधन और तकनीकी नवाचार से हासिल हुई सफलता

खनिज राजस्व में 14% की उछाल, 16,625 करोड़ मिला राजस्व

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खनिज क्षेत्र में पारदर्शिता, तकनीकी नवाचार और सुदृढ़ प्रबंधन को प्राथमिकता देते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई है।

खनिज विभाग के सचिव पी दयानंद ने बताया कि छत्तीसगढ़ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 16,625 करोड़ रुपए का खनिज राजस्व अर्जित कर लक्ष्य का 98 प्रतिशत प्राप्त किया है, जो सुशासन, प्रभावी नीति क्रियान्वयन और मजबूत निगरानी व्यवस्था का प्रत्यक्ष परिणाम है।यह उपलब्धि न केवल प्रभावी प्रशासनिक रणनीति का परिणाम है, बल्कि राज्य की खनिज आधारित अर्थव्यवस्था की मजबूती को भी दर्शाती है।

इस वर्ष खनिज राजस्व में 14 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की गई है, जो पिछले पांच वर्षों की औसत वार्षिक वृद्धि दर 6 प्रतिशत से दोगुनी से अधिक है। यह वृद्धि राज्य शासन द्वारा अपनाए गए सुधारात्मक और तकनीकी उपायों की सफलता को रेखांकित करती है। खनिज राजस्व में इस वृद्धि के प्रमुख कारकों में एनएमडीसी तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

राज्य की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी: साय

छत्तीसगढ़ सरकार का उद्देश्य खनिज संसाधनों के प्रबंधन में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए राजस्व में सतत वृद्धि करना है। इन प्रयासों से न केवल राज्य की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि विकास कार्यों के लिए संसाधनों की उपलब्धता भी सुनिश्चित होगी।

- **विष्णु देव साय**, मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

अंबिकापुर में स्कॉर्पियो ने चार महिलाओं को कुचला, 3 मौतें

सरगुजा/नवप्रदेश। अंबिकापुर में तेज रफ्तार स्कार्पियो ने 4 महिलाओं को कुचल दिया, हादसे में 3 महिलाओं की जान चली गई। हादसा रविवार शाम भिट्ठीकला में हुआ है। महिलाएं सब्जी खरीदकर बाजार से लौट रही थी, तभी अचानक सामने से आई बेकाबू स्कॉर्पियो उन्हें रौंदते हुए आगे निकल गई। मामला मणिपुर थाना क्षेत्र का है। घायल महिला का अस्पताल में इलाज जारी है। घटना के बाद गुस्साई भीड़ ने गाड़ी के ड्राइवर को खूब पीटा और हाईवे पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। इस दौरान 3 से 4 किलोमीटर तक लंबा जाम लगा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

महिलाओं को कुचलते हुए ट्रेलर से टकराई

जानकारी के मुताबिक, तेज रफ्तार स्कॉर्पियो (क्रमांक सीजी 15 ईएच 8874) अंबिकापुर से लखनपुर जा रही थी, तभी ग्राम भिट्ठीकला में 3 महिलाओं को कुचलते हुए गाड़ी आगे बढ़ी और तीसरी महिला को रौंदा दिया। गाड़ी फिर भी नहीं रुकी आगे जाकर सामने से आ रहे ट्रेलर से टकराकर रुक गई।

संकल्प राष्ट्र सेवा का...
कल, आज और कल...
मान. संजय विनायक जोशी जी
को जन्मदिन एवं
भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं..
6 अप्रैल
संजय विनायक जोशी
पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री
भाजपा
राजिव लोचन श्रीवास्तव
भाजपा
विष्णु अग्रवाल
भाजपा
सबका साथ- सबका विकास...

न्यूज गैलरी

रायपुर में अवैध चाकू बिक्री का भंडाफोड़, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी में अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए थाना गंज पुलिस ने धारदार बटनदार चाकू रखने और बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 4 अप्रैल 2026 को मुखबिर से सूचना मिलने पर टीम ने रेलवे स्टेशन रोड स्थित जीपीएस जनरल स्टोर्स में दबिश दी। जांच के दौरान दुकान संचालक हर्षील जैन (42 वर्ष), निवासी रमन मंदिर वार्ड, फाफाडीह को मौके पर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर दुकान से 8 नग स्टील के धारदार बटनदार चाकू बरामद किए गए। पूछताछ के दौरान आरोपी चाकुओं की बिक्री से संबंधित कोई संतोषजनक जानकारी नहीं दे सका। उसके पास न तो बिक्री का कोई रिकॉर्ड मिला और न ही स्टॉक रजिस्टर, बिल या लाइसेंस जैसे जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत किए जा सके। पुलिस अब इन चाकुओं के सप्लाई स्रोत की जांच कर रही है। प्रारंभिक पूछताछ में कूरियर के माध्यम से सप्लाई होने की जानकारी सामने आई है, जिसके आधार पर आगे की विवेचना जारी है।

साले ने दोस्त संग मिलकर जीजा पर किया जानलेवा हमला, दो गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। थाना गंज क्षेत्र में पारिवारिक रंजिश के चलते एक युवक द्वारा अपने रिश्ते के जीजा पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, यह

घटना 4 अप्रैल 2026 को प्रभात टॉकीज के पास हुई। प्रार्थिया सुमित्रा दीप (30 वर्ष), निवासी कलिंग नगर, गुढ़ियारी ने थाना गंज में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके पति रवि दीप अपने परिचित गौरव सोना के साथ गंजपारा स्थित देशी शराब दुकान के पास मौजूद थे। इसी दौरान आरोपी बाबू मराठी (रिश्ते में साला) और उसका साथी आयुष गुप्ता वहां पहुंचे और पुरानी रंजिश को लेकर विवाद शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि करीब एक माह पूर्व रवि दीप द्वारा आरोपी बाबू मराठी की मां के साथ मारपीट की घटना हुई थी, जिसकी रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी। इसी बात को लेकर आरोपी आक्रोशित था और मौके पर बहस बढ़ते-बढ़ते झगड़े में बदल गई। विवाद के दौरान बाबू मराठी ने अपने पास रखी कैंची से रवि दीप पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे उनके सीने और जांघ में गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद गौरव सोना ने बीच-बचाव कर घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

मुख्यमंत्री ने पूर्व विधायक जगेश्वर राम भगत के निधन पर जताया शोक

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जशपुर के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्री जगेश्वर राम भगत के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा है कि स्वर्गीय भगत का जीवन समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान, सेवा और जनकल्याण के कार्यों के लिए पूर्णतः समर्पित रहा। वे वनवासी कल्याण आश्रम के समर्पित कार्यकर्ता थे। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में सदैव जनहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए ईश्वर से शोक संतप्त परिजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल और धैर्य प्रदान करने की कामना की है।

दूरस्थ गांवों तक बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाकर बदलाव ला रही रिंगो कश्यप

रायपुर/नवप्रदेश। कोंडागांव जिले के मर्दापाल तहसील के अंतर्गत अंतिम छोर पर स्थित सुदूर ग्राम कुधुर, जो कभी माओवाद के प्रभाव के कारण विकास की मुख्यधारा से दूर था,

आज परिवर्तन की नई कहानी लिख रहा है। जहां कभी ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की राशि निकालने के लिए लगभग 20 किलोमीटर दूर मर्दापाल के बैंक तक जाना पड़ता था, वहीं अब गांव में ही बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। यह परिवर्तन संभव हुआ है राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की पहल और बीसी सखी के रूप में कार्यरत श्रीमती रिंगो कश्यप के प्रयासों से। ग्राम पंचायत कुधुर के गुमियापाल पारा की निवासी रिंगो कश्यप न केवल कुधुर, बल्कि तुमड़ीवाल और टेकापाल के ग्रामीणों को भी घर-घर बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रही हैं।

पीएम आवास से साकार हुआ सपना कांति को मिला अपना आशियाना

रायपुर/नवप्रदेश। हर व्यक्ति के मन मे एक पक्का आवास का सपना रहता जिसमे वह सुकून की नींद ले सके. मुंगेली विकासखंड के ग्राम पचौटिया की निवासी कांति के जीवन में प्रधानमंत्री आवास योजना ने एक नया अध्याय जोड़ दिया है। वर्षों से पक्के घर का सपना देख रही कांति के लिए यह योजना किसी

वरदान से कम नहीं रही। पहले कांति अपने परिवार के साथ कच्चे मकान में निवास करती थीं, जहां हर मौसम में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकना, गर्मी में अत्यधिक गर्मी और सर्दी में ठंड से जूझना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। ऐसे में सुरक्षित और मजबूत घर की आवश्यकता लगातार महसूस होती थी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें पक्का मकान स्वीकृत हुआ, जिसके बाद उन्होंने अपने सपनों का घर तैयार किया। अब कांति और उनका परिवार पक्के घर में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कांति बताती हैं कि अब उन्हें मौसम की मार का सामना नहीं करना पड़ता और घर की सुरक्षा से उन्हें मानसिक शांति मिली है।

नशे में वाहन चलाने वालों पर सख्ती, 4 घंटे में 121 चालकों पर कार्रवाई

रायपुर/नवप्रदेश। शहर में सड़क सुरक्षा को लेकर यातायात पुलिस ने बड़ा अभियान चलाते हुए शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की है। 4 अप्रैल 2026 की रात को शहर के 8 अलग-अलग स्थानों पर चलाए गए विशेष चेकिंग अभियान में महज चार घंटे के भीतर 121 चालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

इस अभियान का नेतृत्व यातायात एवं प्रोटोकॉल उपायुक्त विकास कुमार ने किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई अचानक चलाए गए प्रवर्तन अभियान के तहत की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण करना है।

यातायात पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2026 में मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 (नशे में वाहन चलाना) के तहत अब तक कुल 1,724 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। यह आंकड़ा वर्ष 2025 में दर्ज 1,537 मामलों से काफी अधिक है, जो बढ़ती लापरवाही की ओर इशारा करता है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस तरह की कार्रवाई का मकसद केवल जुर्माना वसूलना नहीं, बल्कि लोगों की जान बचाना और सड़क दुर्घटनाओं को रोकना है।

साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे शराब पीकर वाहन न चलाएं। यदि किसी ने शराब का सेवन किया है तो कैब का उपयोग करें या परिवार के किसी सदस्य की मदद लें। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य है और नाबालिगों को वाहन चलाने से रोकना भी जरूरी है।

ट्रैफिक पुलिस कमिश्नरेट ने कहा है कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस तरह के अचानक चेकिंग अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

एक्शन: विशेष अभियान 'निश्चय' के तहत 95 टीमों की कार्रवाई

रायपुर रेंज के 5 जिलों में पुलिस का अभियान, 384 रेड में 126 गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर रेंज में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए चलाए गए विशेष अभियान 'निश्चय' के तहत पुलिस ने 5 जिलों में व्यापक कार्रवाई करते हुए अवैध शराब, मादक पदार्थ, हथियार और वारंटियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। 4 और 5 अप्रैल 2026 को चलाए गए इस अभियान में 95 टीमों ने कुल 384 स्थानों पर रेड, दबिश और चेकिंग की।

पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अभियान के दौरान आबकारी एक्ट के तहत 126 प्रकरणों में 126 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस दौरान कुल 802.436 लीटर शराब और 597 पौवा जब्त किए गए। वहीं नारकोटिक्स/एनडीपीएस एक्ट के तहत 22 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए 21.945 किलोग्राम मादक पदार्थ और 60 टैबलेट बरामद किए गए। आर्म्स एक्ट के 6 मामलों में कार्रवाई कर 2 पिस्टल भी जब्त की गईं। अभियान के दौरान विभिन्न प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत 174 कार्यवाहियां की गईं, जबकि वारंट तामील के तहत 31 गिरफ्तारी वारंट, 14 स्थायी वारंट और 1 जमानती वारंट सहित कुल 46 वारंटों का निष्पादन किया गया। इसके अलावा अन्य अपराधों के 4 मामलों में भी कार्रवाई की गई।

जिलावार कार्रवाई

बलौदाबाजार-भाटापारा: यहां आबकारी एक्ट के 32 प्रकरणों में कार्रवाई की गई, जबकि नारकोटिक्स एक्ट के 13 मामलों में 5.673 किलोग्राम मादक पदार्थ और 60 टैबलेट जब्त किए गए। प्रतिबंधात्मक धाराओं में 24 व्यक्तियों पर कार्रवाई और 7 वारंट तामील किए गए।

गरियाबंद: 27 टीमों ने 119 स्थानों पर कार्रवाई कर आबकारी एक्ट के 26 मामलों में 158.180 बल्क लीटर शराब जब्त की। साथ ही 49 व्यक्तियों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई और 2 स्थायी वारंट तामील किए गए।

धमतरी: 30 टीमों ने 150 स्थानों पर दबिश दी। आबकारी एक्ट के 17 मामलों में कार्रवाई के साथ 113.96 लीटर शराब जब्त की गई। नारकोटिक्स एक्ट के 4 मामलों में 3.972 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त हुआ।

महासमुंद: 38 टीमों ने 115 स्थानों पर रेड कर 35 आबकारी मामलों में 357.020 लीटर शराब जब्त की। एनडीपीएस एक्ट के 2 मामलों में 10.500 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किया गया। साथ ही 20 वारंट तामील किए गए।

रायपुर ग्रामीण: यहां आबकारी एक्ट के 16 मामलों में कार्रवाई करते हुए 597 पौवा शराब जब्त की गई। नारकोटिक्स एक्ट के 3 मामलों में 1.800 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। साथ ही 17 वारंट तामील किए गए।

छत्तीसगढ़ में जनगणना 2027 की तैयारी शुरू

16 अप्रैल से मकानों की गिनती

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य में जनगणना-2027 के पहले चरण की शुरुआत 16 अप्रैल से होने जा रही है। इस चरण में मकानों की गिनती के साथ-साथ वहां रहने वाले लोगों की मूल जानकारी एकत्र की जाएगी। सर्वे के दौरान घर के सदस्यों की संख्या, परिवार के मुखिया का नाम, मकान कच्चा या पक्का है, जैसी जानकारियां दर्ज की जाएंगी। इसके अलावा घर में उपलब्ध प्रमुख सामानों का भी ब्योरा लिया जाएगा।

ऑनलाइन स्व-गणना की सुविधा भी उपलब्ध

इस बार जनगणना प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए ऑनलाइन स्व-गणना का विकल्प भी दिया गया है। 16 से 30 अप्रैल के बीच नागरिक खुद ऑनलाइन फॉर्म भर सकेंगे। यह सुविधा खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी होगी, जो दिन में घर पर मौजूद नहीं रहते।

ऑनलाइन फॉर्म भरने में लगभग 15 से 20 मिनट का समय लगेगा। फॉर्म भरने के बाद एक 11 अंकों की यूनिक आईडी प्राप्त होगी। जब प्रगणक (सर्वे टीम) घर पहुंचेगी, तब केवल यह आईडी बताने पर ही डेटा सत्यापित हो जाएगा। जरूरत पड़ने पर यह आईडी परिवार के सदस्य अपने पड़ोसी या गार्ड को भी दे सकते हैं।

कैसे होगी जनगणना प्रक्रिया

जनगणना के पहले चरण में व्यक्ति को उसी मकान की जानकारी देनी होगी, जहां वह वर्तमान में रह रहा है। यदि किसी के पास एक से अधिक मकान हैं, तो केवल उसी मकान का विवरण देना होगा, जिसमें वह निवास करता है। अन्य मकानों में यदि किरायेदार रहते हैं, तो वे स्वयं अपनी जानकारी दर्ज करेंगे।

जनगणना निदेशालय के अनुसार, यह मायने नहीं रखता कि मकान में मालिक रह रहा है या किरायेदार। इसी प्रकार हॉस्टल में रहने वाले छात्र-छात्राओं को भी अपने वर्तमान निवास स्थान की जानकारी देनी होगी।

कौशल विकास केंद्र युवाओं को प्रशिक्षण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा: केदार

रायपुर/नवप्रदेश। वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा सुकमा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप अपने एक दिवसीय प्रवास पर सुकमा पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने जिले में विकास कार्यों को नई गति देते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। मंत्री श्री कश्यप ने सर्वप्रथम सुकमा के वार्ड क्रमांक 03 पुसामीपारा में 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित कौशल विकास सामुदायिक केंद्र भवन का लोकार्पण किया।

उन्होंने कहा कि यह केंद्र क्षेत्र के युवाओं को प्रशिक्षण एवं रोजगारपरक कौशल प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। जिले के प्रभारी मंत्री श्री कश्यप ने एक करोड़ 62 लाख रूपए की लागत से निर्मित प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास झापरा का लोकार्पण किया। छात्रावास का निरीक्षण करते हुए उन्होंने व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा छात्राओं से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसने कार्यक्रम को और भी गरिमामय बना दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि वर्तमान शासनकाल में विकास कार्यों को अभूतपूर्व गति मिली है। उन्होंने बताया कि वर्षों से बंद पड़े राम मंदिर केरलापेंदा को पुनः ग्रामीणों के लिए खोला गया और हनुमान जयंती के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन कर सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को सशक्त किया गया। वन मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के निर्माण से लेकर आज नक्सलवाद के समापन की दिशा में सरकार ने निरंतर निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वर्ष 2017 में प्रारंभ हुआ यह छात्रावास विभिन्न बाधाओं को पार करते हुए अब 2026 में पूर्ण होकर बच्चों के लिए समर्पित किया गया है।

मरीज को मिला समय पर उपचार, सुकमा के चिकित्सकों की टीम ने दिखाई तत्परता

रायपुर/नवप्रदेश। सुकमा जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवा की तत्परता और आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है। सिविल सर्जन डॉ. एमआर कश्यप से प्राप्त जानकारी के अनुसार छिंदगढ़ विकासखंड के कुन्ना निवासी 38 वर्षीय श्रीमती पाली कवासी को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल सुकमा में भर्ती कराया गया।

देरी से अस्पताल पहुंचने के कारण स्थिति अत्यंत जोखिमपूर्ण थी और तत्काल सर्जरी आवश्यक हो गई। अस्पताल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुजा ने बिना समय गंवाए तुरंत एलएससीएस (सीजर) ऑपरेशन कर मरीज का उपचार प्रारंभ किया। हालांकि ऑपरेशन के दौरान मृत बच्चा पैदा होने से महिला की स्थिति और अधिक जटिल हो गई।

महिला की हालत लगातार बिगड़ती चली गई और रेफर करने की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान महिला का श्वास बंद सा हो गया, साथ ही नाड़ी और हृदय की धड़कन भी थम सी गई। ऐसे संकट की घड़ी में जिला अस्पताल की मेडिकल टीम ने त्वरित निर्णय लेते हुए महिला को दो बार सीपीआर दिया और तत्काल वार्ड में शिफ्ट कर आधुनिक वेंटीलेटर की सहायता से उपचार शुरू किया गया। इसके बाद महिला को दो यूनिट रक्त चढ़ाया गया।

डॉक्टरों की सतर्कता और उपलब्ध संसाधनों के कारण महिला की जान बचा ली गई। आज श्रीमती पाली कवासी पूरी तरह स्वस्थ हैं और जिला अस्पताल के डॉक्टरों व स्टाफ के प्रयासों की सराहना कर रही हैं।

4-10 अप्रैल तक होने वाली प्रतियोगिता का मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने किया उद्घाटन

गोंडवाना कप ऑल इंडिया टेनिस टूर्नामेंट का शुभारंभ

रायपुर/नवप्रदेश। ऑल इंडिया टेनिस संघ के मार्गदर्शन में गोंडवाना कप ऑल इंडिया टेनिस टूर्नामेंट का आगाज़ 4 अप्रैल से रायपुर इंटरनेशनल स्टेडियम, जोरा में भव्य रूप से हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट टेनिस संघ के अध्यक्ष डॉ. हिमांशु द्विवेदी और महासचिव गुरुचरण सिंह होरा, उपाध्यक्ष नरेश चंद्र गुप्ता, सुशील बलानी और सीनियर कोच रूपेंद्र सिंह चौहान विशेष रूप से उपस्थित रहे।

टूर्नामेंट में देशभर के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए शुरुआती मुकाबलों में अपनी क्षमता का परिचय दिया और अगले दौर में जगह बनाई। खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है, जिससे प्रतियोगिता का रोमांच लगातार बढ़ रहा है।

10 अप्रैल तक जारी रहेगा टूर्नामेंट : यह प्रतियोगिता ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन के तत्वावधान में तथा छत्तीसगढ़ स्टेट टेनिस एसोसिएशन द्वारा आयोजित की जा रही है।

घर में शौचालय बनने से राजेश्वरी को सुविधा के साथ मिला सम्मान

रायपुर/नवप्रदेश। शासन की महत्वाकांक्षी स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाएं केवल बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं करातीं, बल्कि लोगों के जीवन स्तर, स्वास्थ्य और आत्मसम्मान को भी बेहतर बनाती हैं। इसी कड़ी में मुंगेली विकासखंड के ग्राम पचौटिया की निवासी श्रीमती राजेश्वरी मरावी के जीवन में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। पहले उनके घर में शौचालय की सुविधा नहीं थी, जिससे उन्हें और उनके परिवार को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। शासन

की पहल से उन्हें व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की स्वीकृति मिली, जिसके बाद उन्होंने शौचालय का निर्माण पूर्ण कराया। निर्माण पूर्ण होने पर उन्हें डीबीटी के माध्यम से 12 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हुई। राजेश्वरी ने बताया कि उनके घर में शौचालय बनने से उनकी सबसे बड़ी समस्या दूर हो गई है।

सुविचार

आपका भविष्य काफी हद तक आपके आसपास रहने वाले लोग भी निर्धारित करते है इसलिए कोशिश करें कि अच्छे लोगों के साथ रहें।

राघव चड्ढा की पीड़ा स्वाभाविक

कोई भी राजनीतिक पार्टी अपने पदाधिकारियों और विधायकों व सांसदों को कभी भी कैसी भी जिम्मेदारी देने या जिम्मेदारी से मुक्त करने के लिए स्वतंत्र होती है। यह उनका अंदरूनी मामला होता है। जिस पर ज्यादा टीका टिप्पणी नहीं की जाती लेकिन किसी नेता का अचानक कद घटा दिया जाता है और वह अपनी पीड़ा को पार्टी फोरम से बाहर अभिव्यक्त करता है तो वह पार्टी का आंतरिक मामला मीडिया की सुर्खियां बटोरने लगता है और चर्चा का विषय बन जाता है। आम आदमी पार्टी के नेता और राज्य सभा सदस्य राघव चड्ढा को राज्यसभा में आम आदमी पार्टी संसदीय दल के उपनेता के पद से अचानक हटा दिया गया। यही नहीं बल्कि पार्टी हाईकमान ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर यह भी कहा है कि राघव चड्ढा को सदन में बोलने को ज्यादा समय न दिया जाए। जाहिर है इससे राघव चड्ढा को ठेस लगी है और उनका अपनी पीड़ा को अभिव्यक्त करना स्वाभाविक है। उन्होंने ठीक ही सवाल उठाया है कि आम आदमी पार्टी का सांसद होने के नाते आम आदमी के मुद्दे उठाना क्या उनका गुनाह है? गौरतलब है कि राघव चड्ढा सदन में जनहित से जुड़े मुद्दे लगातार उठाते रहे हैं और सोशल मीडिया पर ट्रेंड करते रहे हैं। मीडिया की भी सुर्खियां बटोरते रहे हैं। फिर वह चाहे अयोग्य जन प्रतिनिधि को वापस बुलाने के अधिकार की बात हो या खाद्य और पेय पदार्थों में मिलावट का मामला, या फिर टेलाकाम कंपनियों की मनमानी और बैंकों की लूटखसोट की बात हो या एयरपोर्ट में महंगे सामान बेचे जाने का मसला। सभी आम जनता की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी समस्याएं हैं जिसे राघव चड्ढा ने बड़े प्रभावी ढंग से उच्च सदन में उठाया है। इनमें कई मामलों पर सरकार को जवाब देते नहीं बना और कुछ पर कार्रवाई के लिए बाध्य होना पड़ा। यह तो आम आदमी पार्टी के लिए गर्व की बात होनी चाहिए कि उनका एक सांसद आम आदमी की समस्याएं सदन में असरदार तरीके से उठाकर उस पर विचार के लिए सरकार को बाध्य कर रहा है किन्तु उनका कद घटाकर पार्टी ने तो उल्टी गंगा बहा दी। अब नई दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी, पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह आदि राघव चड्ढा पर हमला कर रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि वे भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सदन में नहीं बोलते क्योंकि वे प्रधानमंत्री से डरते हैं। आतिशी तो यह भी संभावना व्यक्त कर रही हैं कि राघव चड्ढा भाजपा में जाने वाले हैं। आम आदमी पार्टी के ये वही नेता हैं जिनकी कभी राघव चड्ढा जैसे पढ़े लिखे, सुलझे हुए समझदार नेता के सामने जुबान नहीं खुलती थी जब राघव चड्ढा की पार्टी में अरविंद केजरीवाल के बाद नंबर दो की पोजीशन हुआ करती थी। हो सकता है कि कुमार विश्वास, प्रशांत भूषण, योगेन्द्र यादव, मयंक गांधी, शाजिया इल्मी और स्वाति मालीवाल की तरह राघव चड्ढा को भी आम आदमी पार्टी किनारे कर दे। यदि ऐसा हुआ तो बहुत संभव है कि राघव चड्ढा भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो जाएं।

नीरू श्रीवास्तव

वेदनाओं का समन्दर है फक़त ये ज़िन्दगी
नदियों का संसार अंदर है फक़त ये ज़िन्दगी
ज़ख्म, पीड़ा, दर्द,मरहम,
सब के सब मिलते यहाँ
राह,मंज़िल,और हमदम
सब के सब मिलते यहाँ
आँसुओं की धार अंदर है फक़त ये ज़िन्दगी
मीत मिलते है यहीं पर
और बिछड़ जाते यहीं पर
मन पुराने दिन के नगमे
गुनगुनाते है यहीं पर
टूटती सरगम का हर इक तार है ये जिंदगी!!

सद्गुरू बोधामृतम्

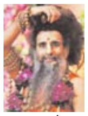

सदगुरू ऋतेश्वर

◆ अगर तुम्हारी बुद्धि तुम्हारे खिलाफ चली गई तो दुनिया का हर एक व्यक्ति, हर एक वस्तु, हर एक परिस्थिति तुम्हारे खिलाफ दुख देने वाली हो जाएगी इसलिए तुम बैलेंस में अनुभव संपन्न हो कर आत्म अनुभूति के स्तर तक पहुंच जाओ क्योंकि सारा आनंद तुम्हारे भीतर भरा है।

◆ दर्पण सिर्फ स्वयं के बाहरी रुप को देखने के लिए है किंतु रामायण, गीता, भागवत, गुरु, गुरु की बातें एकदम दर्पण हैं; जब भी बैठो खुद को देखो, जहाँ-जहाँ जरूरत है संभालो अपने आप को, जहाँ कालिक लगी है तो मिटाओ भी। खुद के आंतरिक रुप को बनाना भी है और मिटाना भी है उस दर्पण में देखकर।

आज का इतिहास

नई दिल्ली वार्ता। 1606 : शहजादा खुसरू ने अपने पिता जहांगीर के खिलाफ बगावत कर दी। 1896 : आधुनिक ओलंपिक खेलों की शुरूआत। 1906 : पहले एनिमेटिड कार्टून ने कॉपीराइड हासिल किया। 1909 : अमेरिका के राबर्ट पियरी और मैथ्यू हैंसन ने पहली बार उत्तरी ध्रुव पर पहुंचने का दावा किया। 1917 : प्रथम विश्व युद्ध में अमेरिका ने जर्मनी के खिलाफ़ युद्ध की घोषणा की। 1919 : गांधी जी ने रॉलेट एक्ट कानून के खिलाफ पहली बार अखिल भारतीय हड़ताल का आह्वान किया। 1925 : विमान में पहली बार फिल्म दिखाई गई। विमान ब्रिटिश एयरवेज का था। 1930 : महात्मा गांधी को नमक कानून का उल्लंघन करने पर गिरफ्तार कर लिया गया। 1936 : एएनपी ने एम्स्टर्डम में पहली टेलेक्स सेवा शुरू की। 1942 : जापानी लड़ाकू विमानों ने पहली बार भारतीय क्षेत्रों पर बमबारी की। 1955 : अमेरिका ने परमाणु परीक्षण किया। 1957 : सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षण किया। 1966 : भारतीय तैराक मिहिर सेन ने पाक जलडमरूमध्य तैर कर पार किया।

नक्सलमुक्त भारत में आपका स्वागत है!

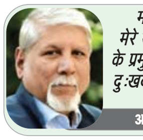

अभिलाष खांडेकर

मई 2013 में जब छत्तीसगढ़ में मेरे वरिष्ठ मित्र विद्याचरण शुक्ला को नक्सलियों ने गोलियों से छलनी कर दिया तब मैं अत्यंत दुखी हुआ था। वे मेरे खेल प्रशासक के दिनों के मित्र थे और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) तथा स्नाइप्स (राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा एवं खेल संस्थानों की सोसायटी) के प्रमुख रहे थे. अलग छत्तीसगढ़ राज्य के गठन की आवाज उठाने का श्रेय उन्हें ही जाता है। आज जब देश नक्सल मुक्त हो रहा है तब अनायास ही उस दु:खद घटना की मुझे याद आ रही है। भारत के सुदूर इलाकों में रहने वाले लाखों आदिवासी, पुलिस अधिकारी, अर्धसैनिक बल और कई राज्यों के वन कर्मचारी अब इस खबर से खुश होंगे कि भारत में नक्सलवाद का अंत हो गया है। मैं भी खुश हूं। वामपंथी आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए अमित शाह और दक्षिणपंथी भाजपा को सलाम करना चाहिए.

शाह के नेतृत्व में गृह मंत्रालय के दृढ़ राजनीतिक संकल्प ने देश

को कई दशकों में एक दुर्लभ उपलब्धि दिलाई है। नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने या गोलियों का सामना करने के लिए दी गई 31 मार्च 2026 की समय सीमा को बढिया तरह पूरा कर लिया गया है।

छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, ओडिशा, झारखंड और मध्यप्रदेश के घने जंगलों से नक्सलवादियों का सफाया करना आसान काम नहीं था। लेकिन विभिन्न रणनीतियों और राज्यों के सहयोग से किए गए निरंतर प्रयासों ने यह साबित कर दिया कि केंद्र सरकार वह कर सकती है जो एक दशक पहले असंभव लगता था। नक्सलवाद के अंत ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो तो बड़ी से बडी चुनौतियों पर विजय प्राप्त की जा सकती है।

ऐसे समय में, जबकि सरकार को बेरोजगारी और उच्च जाति के आक्रोश जैसे विभिन्न मोर्चों पर अभूतपूर्व आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है, यह शानदार उपलब्धि विपक्ष को मुस्कुराने और मोदी सरकार को बधाई देने का मौका देती है। यह सकारात्मक व सुशासन की जीत है, जिसकी चुनी हुई सरकारों से अपेक्षा जनता करती है।

यह आंदोलन, जो 1960 के दशक के उत्तरार्ध में पश्चिम बंगाल (नक्सलबाड़ी विद्रोह) से शुरू हुआ था, उन अधिकारियों के खिलाफ था जो गरीब आदिवासियों और कृषि मजदूरों को लूटते थे।आंदोलनकारियों का मानना था कि वन ठेकेदार, राजस्व विभाग के अधिकारी और पुलिस विभाग आदिवासियों से जबरन वसूली करते थे. उस समय इसे 'पीपलस वॉर' कहा जाता था। दुर्भाग्य से, समय के साथ यह आंदोलन अपने लक्ष्य से भटक गया और कानून-व्यवस्था की एक गंभीर देशव्यापी समस्या बन गया।

माओवादियों और सुरक्षा एजेंसियों के बीच संघर्ष के चरम पर करीब 175 से अधिक जिले नक्सलियों के आतंक से ग्रस्त थे और विकास की यात्रा में पिछड़ गए थे।

भाजपा ने पिछड़े क्षेत्रों के विकास की रणनीति अपनाई और जरूरत पड़ने पर और बातचीत से बात नहीं बनने पर गोलियों का भी इस्तेमाल किया। इस दोहरी रणनीति ने अभूतपूर्व और निर्णायक सफलता सुनिश्चित की। हां, कुछ बेगुनाहगार भी इसकी चपेट में आ गये।

प्रभावित क्षेत्रों में सैकड़ों किलोमीटर पक्की सड़कें बनाई गईं और ऐसी जगहों पर 550 से अधिक पुलिस थाने स्थापित किए गए, जहां पहले कोई प्रवेश करने की हिम्मत नहीं करता था। अकेले 2025 में ही शीर्ष नेताओं सहित 320 नक्सलियों को मार गिराया गया। पक्की सड़कों के अभाव में नक्सली आसानी से बारूदी सुरंगें बिछाकर विस्फोट करते थे और लोगों को मार डालते थे।अब यह थम गया है।

छत्तीसगढ़, जो पहले मध्यप्रदेश राज्य का हिस्सा था, 'रेड कॉरिडोर' के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक था। यहां तक कि अविभाजित मध्यप्रदेश में दिग्विजय सिंह के मुख्यमंत्री काल में 1999 में बालाघाट में आदिवासी मंत्री लिखिराम कावरे की नक्सलियों ने गला रेतकर हत्या कर दी थी।

जब वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ को उत्तराखंड और झारखंड के साथ छोटे राज्य के रूप में अलग किया गया, तब बस्तर नक्सली गतिविधियों का एक खतरनाक केंद्र बन चुका था।

पुराना बस्तर देश के सबसे बड़े जिलों में से एक था, जिसकी तुलना क्षेत्रफल में बेल्जियम से की जा सकती थी। अब इसे कई जिलों में विभाजित कर दिया गया है। पूरा वनों से लगा क्षेत्र काफी विकसित हो चुका है, ऐसा दावा सरकार कर रहीं है।

सुरक्षा बलों पर हुए कई हमलों में से दो सबसे भीषण हत्याओं के रूप में याद आते हैं. वर्ष 2010 में दंतेवाड़ा में हुए एक ही हमले में, (भाजपा के रमन सिंह मुख्यमंत्री थे), सीआरपीएफके 76 जवान शहीद हो गए थे। मई 2013 में सुकमा की झीरम घाटी में हुई एक अन्य भयावह घटना में, कांग्रेस पार्टी के काफिले को माओवादियों ने निशाना बनाया और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष नंद कुमार पटेल और अन्य लोगों को मार डाला। इसी हमले में दिग्गज नेता शुक्ला गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई। कुल मिलाकर, उस हमले में 27 राजनेता मारे गए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने बडी बैठक बुलाई थी जिसमें रमण सिंह व सोनिया गाँधी सहित अनेक नेता व अधिकारी उपस्थित थे।

नक्सलियों ने 2012 में सुकमा जिले के कलेक्टर एलेक्स पॉल का भी अपहरण कर लिया था। मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्य सचिव निर्मला बुच और बी.डी. शर्मा, जो आज के नौकरशाहों के विपरीत आदिवासीयों के प्रति सहानुभूति रखने वाले एक अनुकरणीय आईएएस अधिकारी रहे थे, ने छत्तीसगढ़ सरकार के लिए मध्यस्थ के रूप में दिन-रात काम किया और नक्सलियों के साथ कई वार्ताओं के बाद पॉल को रिहा कराया था।

वर्ष 2026 इस विशाल उपलब्धि का जश्न मनाने का समय है। एक लंबे समय से चली आ रही सामाजिक-राजनीतिक समस्या का समाधान हो गया है और पिछड़े क्षेत्रों का विकास सुनिश्चित है। शाह को हार्दिक बधाई।

मुझे पूरा विश्वास है कि यदि मोदी-शाह की जोड़ी एक जटिल सामाजिक चुनौती का सामना कर सकती है, तो हम उनसे भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ने की भी उम्मीद कर सकते हैं, जो भारत के लगभग सभी जिलों में व्याप्त है। यह एक ऐसी गंभीर समस्या है जो कैंसर जैसी फैल कर भारत को खोखला कर रही है। मुंबई, गांधीनगर, भोपाल

गुवाहाटी, देहरादून, चंडीगढ़, पटना या इंदौर, हर जगह यह मौजूद है।

क्या वे अब इंडिया की, माफ कीजिएगा, भारत की यह इच्छा अब पूरी करेंगे?

तेल की तलवार और कूटनीति की ढालः पश्चिम एशिया संकट में भारत की अग्निपरीक्षा

योगेश कुमार गोयल

दशकों पहले युद्ध केवल सीमाओं पर जमीन के टुकड़ों के लिए लड़े जाते थे लेकिन 2026 का यह दौर गवाह है कि आधुनिक युद्ध 'संप्रभुता' से ज्यादा 'संसाधनों' का है। युद्ध की गोलियां, मिसाइलें अब ऊर्जा की पाइपलाइनों और तेल के टैंकरों पर चलती है। पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच छिड़ा यह त्रिकोणीय संघर्ष भी महज जमीन का विवाद नहीं है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा 'ऊर्जा आपूर्ति' पर नियंत्रण की जंग है। भारत के लिए यह संकट केवल पैट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है, जिसने देश के सामने एक अदृश्य 'ऊर्जा लॉकडाउन' का खतरा पैदा कर दिया है। जब संसद में प्रधानमंत्री ने इस संकट की तुलना 'कोरोना काल' की विभीषिका से की तो उनका आशय घर में बंद होने से नहीं बल्कि उस वैश्विक अनिश्चितता से था, जो किसी भी क्षण भारत की विकास दर के पहियों को जाम कर सकती है। यदि 'स्ट्रेट ऑफहोर्मुज' पर ताला लगता है तो भारत की रगों में दौड़ने वाला 60 प्रतिशत तेल और एलएनजी का प्रवाह थम जाएगा, जो देश को एक भयावह 'ऊर्जा लॉकडाउन' की ओर धकेल सकता है।

होर्मुज की घेराबंदी : विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफहोर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर से उछलकर 110 डॉलर प्रति बैरल को छू रही हैं। भारत के लिए गणित सीधा और क्रूर है, कच्चे तेल में 10 डॉलर की हर बढ़ोतरी हमारे चालू खाता घाटे में लगभग 12-15 अरब डॉलर की वृद्धि करती है। यह स्थिति हमें दो टूक शब्दों में चेतावनी दे रही है कि पराई बैसाखियों पर टिकी ऊर्जा सुरक्षा कभी भी धराशायी हो सकती है।

सामरिक पैट्रोलियम भंडारः क्या पर्याप्त है चंद दिनों की सुरक्षा? : ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भारत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका सीमित सामरिक पैट्रोलियम भंडार है। दुनिया के विकसित देश जैसे अमेरिका, जापान और चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए 90 दिनों का 'स्ट्रैटजिक पेट्रोलियम रिजर्व' रखते हैं, वहीं भारत की स्थिति चिंताजनक है। वर्तमान में हमारे पास विशाखापट्टनम, मंगलुरु और पाडुर में कुल 53.3 लाख टन का भंडार है, जो मुश्किल से 9 दिन की आपूर्ति कर सकता है। हालांकि दूसरे चरण में चंडीखोल और बीकानेर जैसे स्थानों पर भंडार क्षमता बढ़ाकर इसे 60-65 दिनों तक ले जाने की योजना है लेकिन इसकी गति 'युद्धस्तर' पर नहीं है। हमारे मौजूदा भंडार का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा खाली पड़ा है। एक तरफ हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का स्वप्न देख रहे हैं और दूसरी तरफ हमारी ऊर्जा की 'लाइफलाइन' केवल कुछ दिनों के स्टॉक पर टिकी है। यदि आज हमारे पास 90 दिनों का सुरक्षित भंडार होता तो भारत को अपनी विदेश नीति में तटस्थता का नाटक नहीं करना पड़ता बल्कि वह एक सशक्त वैश्विक खिलाड़ी की तरह अपना पक्ष रख सकता था। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य 30 दिनों के लिए बंद हो जाता है और भारत के लिए आपूर्ति बाधित होती है तो भारत की अर्थव्यवस्था 'वेंटिलेटर' पर आ जाएगी। इसलिए चंडीखोल और बीकानेर में प्रस्तावित दूसरे चरण के भंडारों का निर्माण युद्धस्तर पर होना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

युद्ध विकसित देशों में अविश्वास प्रस्ताव, सत्ता पलट, महाभियोग जैसी चीजें नहीं होती क्या? और नहीं होती तो इस विनाश का पाप पूरे देश के सिर... और विडम्बना तो देखिए युद्ध शुरू किया किसी और ने युद्ध का नाम ईरान युद्ध एक बन्दर को अस्तूरा पकड़ा रखा है। यही है विकसित देश ! यही हैं विकसित देश के शिक्षित नागरिक ! यदि विकसित होने का अर्थ युद्ध लोलुप है। तो भगवान किसी देश को विकसित ना बनाएं।

– कुमुद अनुन्जया

कैसे छुएँ गगन को बोलो,टूटी हुई नसैनी। घूर रही है हरपल दुनिया ,लेकर नज़रें पैनी। दो ही करवट दाएँ-बाएँ,किस करवट मैं लेटूँ, रूठी है आँखों से निद्रा,छाई रहती बेचैनी।।

– डॉ बिपिन पाण्डेय

बिन कउनौ कारन हँसी, लरिकन सिखावैं बात, छोट-छोट खुशियन मा छुपल, जिनिगी के सच्चे नात। दिन भर कछु करत रहैं, चंचल मनवा हरषाय, ठाढ़ रहै जवन जीवन मा, ऊ त धीरे-धीरे मरि जाय। मांगैं नन्हक चीजन कूँ, बिन अहंकार सहजाई, ई निस्पाप सुभाव सिखावै, प्रेमे साँच दिखा।

– चिन्मय शुक्ल

मेरा दोस्त परेशाँ निकला जाने कितने सालों का नहीं बताया राज़ अभी तक उसने उलझे बालों का चेहरे पर मुस्कान लिए बच्चों को उसने पाला था ढूँढ़ ना पाया उत्तर लेकिन अब भी कई सवालों का।

– जे डी कुदाल

ऐसा नहीं कि तू मेरी किस्मत में नहीं था हालात बदलने की मैं हालत में नहीं था कुछ तुमने भी जाते हुये आवाज़ नहीं दी और मुड़ के देखना मेरी आदत में नहीं था कुछ तुमने भी आना नहीं छोड़ा ख्याल में और तुझको भूलना मेरी फितरत में नहीं था लज्जत कुछ इस कदर मिली तेरे फ़िराक़ में इतना मज़ा जानां तेरी चाहत में नहीं था ।

– अनु मित्तल

सुनो आज बहुत महीनों बाद दरवाज़ा खोल बाहर की सड़क देखने का दिल किया, और साथ ही नयनों ने भी हठ किया तुम्हें देखने का सड़क के उस पार दूर कहीं जहाँ तुम्हारा ठिकाना है, मगर अड़ियल दिमाग़ जीत ही गया आख़िरकार चिटकनी लगाने में और इंतज़ार करता रहा, मेरा इंतज़ार तुमसे मिलने का।

– शुचि 'भवि'

कुछ अल्फाज़ हर किसी के लिए नहीं होते, कुछ एहसास समझने के लिए दिल चाहिए होता है हर कोई पढ़ ले, यह जरूरी नहीं, कुछ बातें बस वही समझते हैं जो महसूस करना जानते हैंज ये उन लोगों के लिए हैं जो खामोशी भी सुन लेते हैं, और बिना कहे साथ निभा जाते हैं बाकी लोग इसे सिर्फ शब्द समझें, तो समझते रहें क्योंकि हर लिखी हुई बात समझ में आ जाए, इतनी आसान जिंदगी भी नहीं होती। – सीमा नागर तुली

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेषः आज के दिन आपका स्वभाव के विपरीत व्यवहार सभी जानने वालों को अचंभित करेगा अपना काम बनाने के लिये किसी की चापलूसी करने से भी परहेज नही करेंगे।

वृषः आज का दिन सामान्य रहेगा मध्यान तक पेट संबंधित व्यादि अथवा अन्य शारीरिक अंगों अंगों में शिथिलता रहने से मन उदास रहेगा फिर भी कार्यो को प्रभावित नही होने देंगे।

मिथुनः आज के दिन आपके मन मे अंदर से उथल पुथल लगी रहेगी लेकिन बाहरी तौर पर इसका प्रदर्शन नही करेंगे।

कर्कः आज भी दिन का अधिकांश भाग मानसिक रूप से अशांत रखेगा। घर एवं बाहर मनमौजी वृति झगड़े का कारण बनेगी आज आप केवल अपने मन की ही सुनेंगे।

सिंहः आज के दिन धन प्राप्ती के योग बन रहे है इसका कम या अधिक होना आपकी मानसिकता और व्यवहार कुशलता पर निर्भर रहेगा।

कन्याः आज के दिन आपका स्वभाव संतोषि रहेगा फिर भी मन मे अधिक धन पाने की लालसा अवश्य रहेगी भले ही जाहिर ना करे फिर भी परिजन आपकी मानसिकता पढ़ते देर नही लगाएंगे।

तुलाः आज का दिन शुभफलदायी रहेगा। आज आपके व्यवहार में स्वार्थ रहेगा लेकिन फिर भी मीठा बोलना हर किसी को पसंद आएगा किसी से भी अपना काम आसानी से निकाल लेंगे बाहर के लोग आपके ऊपर ज्यादा विश्वास दिखाएंगे।

वृश्चिकः आज के दिन दूर दूर तक लाभ की संभावना नजर नही आने पर आप निराशा से भरे रहेंगे कार्य क्षेत्र पर जोखिम लेने से डर लगेगा मध्यान तक का समय व्यर्थ दौड़ धूप में व्यतीत होगा।

धनुः आज के दिन भी परिस्थितियां लाभदायक बन रही है लेकिन आज आपका ध्यान काम-धंधे को छोड़ मनोरंजन की तरफ ज्यादा आकर्षित होगा।

मकरः आज का दिन आप बेहतर रूप से गुजारेंगे। मध्यान तक मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे आस पास के लोगो को भी अपनी हास्य भरी बातो से हंसाएंगे लेकिन घर मे अमर्यादित बोलना भारी पड़ सकता है इसका ध्यान रखे बड़ो से फटकार सुनने को मिलेगी।

कुंभः आज के दिन आपका व्यवहार अत्यंत लापरवाह रहेगा आलस्य भी आज आवश्यकता से अधिक करेंगे। लाभ के नजदीक पहुच कर भी लचीले स्वभाव के कारण इससे वंचित रह सकते है।

मीनः आज के दिन परिस्थितियां प्रत्येक कार्य मे बाधक बनेंगी पहले नौकरी संबंधित अथवा व्यावसायिक किसी कार्य को करने में उत्साह नही दिखाएंगे।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) चूलिया जलप्रपात किस नदी पर स्थित है?

2) हाल ही में खबरों में रही नौका बैच किस राज्य की पारंपरिक नौका दौड़ है?

3) प्रोजेक्ट नेक्सस का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?

4) मनी म्यूल क्या है?

5) भारत में ब्रिटेन की पहली महिला उच्चायुक्त के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?

उत्तरमाला- (1) चम्बल नदी (2) पश्चिम बंगाल (3) तत्काल सीमा पार भुगतान प्रणालियों को जोड़ना (4) कोई व्यक्ति जो अवैध धन को अपने खाते के जरिए और के लिए स्थानांतरित करता है (5) लिंडी कैमरून

पहेली

शब्द सामर्थ्य -364

चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज का गौरवशाली अतीत रहा: उप मुख्यमंत्री शर्मा

- कुर्मी भवन जामगांव (एम) में डोम शेड और मंच बनाने की घोषणा की
- तर्रा में सामाजिक भवन के लिए 12 लाख की घोषणा
- चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज दुर्ग राज के 56 वें वार्षिक अधिवेशन में शामिल हुए

भिलाई/नवप्रदेश। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री, गृह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री तथा दुर्ग जिला के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा आज जिले के पाटन विकास खंड के ग्राम जामगांव (एम) में चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज दुर्ग राज के 56 वें वार्षिक अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। दुर्ग ग्रामीण विधायक तथा प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर भी अधिवेशन में विशिष्ट अतिथि मौजूद थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज का गौरवशाली अतीत रहा है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज और सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे समाज के पुरोधाओं ने देश को दिशा दिखाई है। उन्होने कहा कि समाज के सामाजिक संगठन की मजबूती के लिए ऐसे अधिवेशन होते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि

आज मैं अपने आप को कुर्मी समाज के बीच पाकर कृतज्ञ हुआ हूं। अधिवेशन में समाज की महिलाओं की बड़ी भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अवगत कराया कि महिलाओं की प्रतिभा को स्थान व सम्मान दिलाने देश के प्रधानमंत्री मोदी के मंशा के अनुरूप विधान सभा एवं लोक सभा तथा अन्य सभी जगह महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने आगामी 16, 17 एवं 18 तारीख को संसद का विशेष सत्र का आयोजन किया जा रहा है। गृह मंत्री शर्मा ने बस्तर सहित छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त राज्य बनाने का श्रेय जवानों को देते हुए बस्तर में शांति स्थापना पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री शर्मा ने अपने कर कमलों से समाज की उन्नत कृषक पूजा चंद्राकर, सफल व्यवसायी विनोद चंद्राकर और कलाकार पप्पू चंद्राकर को समाज की ओर से साल व श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने समाज की मांग पर सामाजिक भवन जामगांव (एम) में डोम शेड और मंच निर्माण तथा ग्राम तर्रा में कुर्मी सामाजिक भवन हेतु 12 लाख रूपए की घोषणा की।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विधायक ललित चंद्राकर ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि समाज के विकास के लिए शिक्षा और संगठन दोनों आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संगठित प्रयास से हर कार्य संभव होता है। वहीं समाजिक जागरूकता के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। उन्होंने समाज के विकास के लिए माताओं एवं बहनों को आगे आने का आह्वान किया। चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज के केन्द्रीय एवं प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

न्यूज गैलरी

जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में अध्यक्ष पद पर रमेश ने बनाई बढ़त

दुर्ग। जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग के दो वर्षीय कार्यकाल वाले 9 पदाधिकारी पदों की मतगणना रविवार को न्यायालय परिसर स्थित अधिवक्ता बार क्रमांक-4 के पास की गई। समाचार के लिखे जाने तक कुल 6 बूथों में से 3 बूथों की गिनती पूरी कर ली गई थी। जिसके उपरांत प्रारंभिक रुझान भी सामने आने लगे थे। इस चुनाव में अध्यक्ष पद पर रमेश शर्मा अपने निकटतम प्रत्याशी जिला अधिवक्ता संघ की पूर्व अध्यक्ष नीता जैन से बढ़त बनाए हुए थे। वे करीब 150 मतों से आगे चल रहे थे। इसी प्रकार वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर प्रशांत जोशी (निकटतम प्रत्याशी ब्रजेश शुक्ला), महिला उपाध्यक्ष पद पूजा मोगरी, सचिव पद रविशंकर सिंह (निकटतम प्रत्याशी विजय चौधरी), सह-सचिव पद राकेश यदु (निकटतम प्रत्याशी कृष्णराज चंदेल), महिला सह-सचिव पद कुमारी संध्या, कोषाध्यक्ष पद साकेत आर मिश्रा (निकटतम प्रत्याशी अनिल जायसवाल), सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव पद गुरमीत सिंह भोगल, महिला आरक्षित सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव पद दशोदा सिक्का बढ़त बनाए हुए थे। फिलहाल 3 बूथों की मतगणना शेष थी। 708 मतों की गिनती अभी और की जानी है। मतगणना की रफ्तार को देखते हुए अंतिम परिणाम रात करीब 11 बजे तक आने की संभावना जताई जा रही है।

'हाई-टेक' हाइड्रोपोनिक गांजा की पुड़िया बनाकर बेचते 2 युवक गिरफ्तार

भिलाई। जिले में पुलिस ने 2 युवकों को गांजा और हाइड्रोपोनिक गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि प्रदेश में पहली बार इस तरह का हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया गया है। दोनों युवक हाई-टेक तरीके से उगाया गया हाइड्रोपोनिक गांजा बेच रहे थे। मामला भिलाई नगर थाना क्षेत्र का है। भिलाई नगर पुलिस को सूचना मिली थी कि, रुआबांधा क्षेत्र में बीज विकास निगम के पास कुछ लड़के नशीले पदार्थों की बिक्री कर रहे हैं। ये लोग न सिर्फ गांजा बेच रहे थे, बल्कि नशा करने के लिए इस्तेमाल होने वाला सामान जैसे चिलम और रोलिंग पेपर भी ग्राहकों को दे रहे थे। पकड़े गए आरोपियों की पहचान विक्रम साहू (29) निवासी तालपुरी और यश विश्वकर्मा (27) निवासी हुडको के रूप में हुई है। जब पुलिस ने इनकी तलाशी ली, तो उनके पास से सामान्य गांजे के अलावा छोटे पैकेट में रखा हाइड्रोपोनिक गांजा मिला।

वन स्टॉप सेंटर में 13 अप्रैल तक दावा-आपत्ति आमंत्रित

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन शक्ति अंतर्गत अतिरिक्त सखी वन स्टॉप सेंटर में रिक्त पदों की पदपूर्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त आवेदन पत्रों को जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा स्क्रूटनी के बाद परीक्षण कर पात्र/अपात्र की प्रारम्भिक सूची तैयार की गई है। सूची का अवलोकन जिले की वेबसाइट और कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के सूचना पटल पर किया जा सकता है। संबंधित आवेदकों द्वारा 13 अप्रैल तक दावा आपत्ति आमंत्रित किये गए हैं। दावा-आपत्ति स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। किसी अन्य माध्यम ई-मेल, कोरियर या कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत दावा-आपत्ति मान्य नहीं होगी।

अग्निवीर भर्ती: पंजीयन की तिथि संशोधित

दुर्ग। सेना भर्ती कार्यालय रायपुर से प्राप्त जानकारी अनुसार भारतीय थल सेना में अग्निवीर की भर्ती 2027 के लिये अधिसूचना जारी कर ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया है। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 1 अप्रैल निर्धारित थी, जिसे संशोधित कर 10 अप्रैल किया है। जिले के योग्य एवं इच्छुक आवेदक अग्निवीर भर्ती 2026-27 हेतु शीघ्र ऑनलाईन आवेदन जमा कर सकते हैं। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार इच्छुक आवेदक भारतीय सेना की वेबसाइट पर जा कर अग्निवीर की भर्ती हेतु जनरल, तकनीकी, क्लर्क, ट्रेडमैन (8 वीं - 10 वीं पास) महिला सैन्य पुलिस नर्सिंग सहयोगी और सिपाही फार्मा के पदो के लिए अपनी योग्यतानुसार 10 अप्रैल 2026 रात्रि 11.59 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थी अग्निवीर के दो पदों के लिए अपनी योग्यतानुसार आवेदन कर सकतें है। अग्निवीर क्लर्क के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन परीक्षा के समय टाइपिंग टेस्ट देना होगा। ऑनलाइन परीक्षा जून-26 में निर्धारित है।

जिला स्तरीय रोजगार मेला 10 को

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग एवं क्रिश्चन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में 10 अप्रैल 2026 को क्रिश्चन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी भिलाई में जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले हेतु निजी क्षेत्र के नियोजक जो अपने संस्थान में रिक्त पदों को इस रोजगार मेला के माध्यम से भरना चाहते हैं, वे 05 अप्रैल 2026 के पूर्व रिक्त पदों की जानकारी छ.ग. रोजगार विभाग के ई-रोजगार पोर्टल के माध्यम से जिला रोजगार कार्यालय दुर्ग को अधिसूचित कर सकते हैं। छ.ग. रोजगार विभाग के ई-रोजगार पोर्टल के माध्यम से रिक्तियाँ प्रेषित करने के लिए नियोजकों का पोर्टल पर 'रोजगार मेला हेतु पंजीयन' कराना अनिवार्य होगा।

करंट लगने से ठेका श्रमिक की मौत, बिजली सप्लाई लाइन पर काम करते समय हुआ हादसा

रिसाली/नवप्रदेश। जिले के रिसाली इलाके में शनिवार को बिजली लाइन सुधार करने के दौरान करंट की चपेट में आने से एक ठेका श्रमिक की मौत हो गई। उसकी पहचान 22 वर्षीय रोशन कुमार देवांगन के रूप में हुई है, जो रिसाली नगर निगम में अनस्किल्ड लाइनमैन के तौर पर कार्यरत था। जानकारी के अनुसार, गणेश नगर क्षेत्र में बिजली लाइन सुधार का काम चल रहा था। इसी दौरान रोशन देवांगन चालू बिजली लाइन पर काम कर रहा था। अचानक करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया और संभलने का मौका तक नहीं मिला। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही नेवई थाना

पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी।

बिना ट्रेनिंग और किट कर रहा था काम

शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि, रोशन कुमार को न तो औपचारिक ट्रेनिंग दी गई थी और न ही पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए थे। बिना सुरक्षा किट और उचित निगरानी के चालू लाइन पर काम कराया जा रहा था। स्थानीय लोगों और निगम कर्मचारियों ने भी आरोप लगाया है कि, ठेका श्रमिकों से जोखिम भरे कार्य कराए जाते हैं, लेकिन सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जाता। पुलिस ने मामले में लापरवाही के पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। नेवई थाना पुलिस ठेका कंपनी, संबंधित अधिकारियों और कार्यस्थल की सुरक्षा व्यवस्था की जांच कर रही है।

मेयर ने बुलाई अधिकारियों की मीटिंग, सख्त कार्रवाई के निर्देश

घटना के बाद रिसाली नगर निगम की महापौर शशि सिन्हा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आपातकालीन बैठक बुला ली है। बताया गया कि गणेश नगर में करंट लगने से हुई ठेका श्रमिक की मौत को लेकर संबंधित विभाग के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और महापौर परिषद के सदस्यों को बैठक में आमंत्रित किया गया है। बैठक में ठेकेदार की लापरवाही, सुरक्षा उपकरणों की कमी और कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों के सख्त पालन को लेकर विस्तृत समीक्षा की जाएगी। महापौर सिन्हा ने कहा कि, श्रमिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोषी पाए जाने वाले ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शिविरों और घर-घर संपर्क से उपभोक्ताओं मिला लाभ

भिलाई/नवप्रदेशश। मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दुर्ग नगर वृत्त के अंतर्गत आने वाले दुर्ग शहर संभाग, भिलाई (पूर्व) शहर संभाग और भिलाई (पश्चिम) शहर संभाग में व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। अधीक्षण अभियंता जे जगन्नाथ प्रसाद ने बताया कि 1 अप्रैल तक दुर्ग नगर वृत्त में बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने पंजीयन करा लिया है।

अब तक 184 पात्र बीपीएल उपभोक्ताओं में से 173 ने पंजीयन कराया है, जिन्हें 3,20,609 रुपए की छूट दी जाएगी। 1688 पात्र एपीएल उपभोक्ताओं में से 1109 ने पंजीयन कराया है, जिन्हें 13,49,674 रुपए की राहत मिलेगी। कृषि श्रेणी में 46 में से 40 पात्र उपभोक्ताओं ने पंजीयन पूर्ण कर लिया है, जिन्हें 32,365 की छूट प्रदान की जाएगी।

13 मार्च 2026 से सभी 12 जोनों के विभिन्न वार्डों में विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। योजना के प्रचार-प्रसार के लिए माइक युक्त गाडियों का उपयोग कर पात्र उपभोक्ताओं को जागरूक किया जा रहा है, जिसका क्षेत्र में सकारात्मक प्रतिसाद देखने को मिल रहा है।

इस महत्वाकांक्षी योजना को सफल बनाने के लिए विभाग के कर्मचारी और मीटर रीडर घर-घर जाकर उपभोक्ताओं से संपर्क कर रहे हैं। मीटर रीडरों को इस कार्य के लिए विशेष प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी ताकि वे अधिक से अधिक लोगों को लाभ लेने के लिए प्रेरित कर सकें। 10 अप्रैल तक दुर्ग नगर वृत्त के सभी पात्र उपभोक्ताओं को इस योजना के दायरे में लाकर उन्हें शासन द्वारा दी जा रही इस सुविधा का पूर्ण लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है।

सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने आज टीकाकरण

दुर्ग/नवप्रदेश। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में जिले में बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। आगामी 6 अप्रैल से जिले के शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में एचपीवी टीकाकरण उपलब्ध रहेगा। इस संबंध में जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चिकित्सा अधिकारियों और स्टाफ नर्सों को आवश्यक प्रशिक्षण व दिशा-निर्देश दिये गए। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव ने बताया कि महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के बाद सर्वाधिक होने वाला कैंसर सर्वाइकल कैंसर है, जिससे बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन अत्यंत प्रभावी है। यह वैक्सीन बालिकाओं को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस के संक्रमण से बचाकर भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को कम करने में सहायक होगी। उन्होंने बताया कि यह टीकाकरण 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए निर्धारित किया गया है और सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में शासकीय अवकाश को छोड़कर प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक टीकाकरण किया जाएगा। 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी बालिकाएं भी वैक्सीन के लिए पात्र हैं।

महापौर ने किया निरीक्षण, सफाई कार्यों में तेजी लाने दिए निर्देश

दुर्ग/नवप्रदेश। महापौर अलका बाघमार ने शहर के प्रमुख जलस्रोत लुचकी तालाब का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान तालाब की साफ-सफाई, गहरीकरण कार्यों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्रकार, नीलेश अग्रवाल एवं पार्षद जितेंद्र ताम्रकर भी उपस्थित रहे।

महापौर ने तालाब के चारों ओर भ्रमण कर व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया और लुचकी तालाब के समग्र विकास हेतु शीघ्र कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह तालाब शहर की महत्वपूर्ण धरोहर है, जिसके संरक्षण और सौंदर्यीकरण को प्राथमिकता देना आवश्यक है, ताकि नागरिकों को बेहतर पर्यावरण और सुविधाएं मिल सकें।

निरीक्षण के दौरान गुजराती धर्मशाला के समीप वार्ड क्रमांक 8 में भवानी ट्रेडर्स द्वारा दुकान के बाहर सड़क सीमा क्षेत्र में रेत और गिट्टी रखकर व्यवसाय किए जाने पर महापौर ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने तत्काल सामग्री हटाने के निर्देश देते हुए संबंधित अधिकारियों को 3,000 रुपये का जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। इसी तरह नाली के ऊपर कबाड़ सामग्री रखकर अतिक्रमण करने वाले आबिद कबाड़ी के विरुद्ध भी कार्रवाई करते हुए 1,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। महापौर ने स्पष्ट कहा कि बाजार क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आवागमन होता है, ऐसे में नागरिकों की सुविधा और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

इस दौरान स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, उपअभियंता विनोद मांझी, सफाई दरोगा सुरेश भारती, मनोहर शिंदे सहित निगम का अमला उपस्थित रहा।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने एफएलएन शिक्षक सम्मान समारोह में उत्कृष्ट शिक्षकों को किया सम्मानित

दुर्ग/नवप्रदेश। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव आज खालसा पब्लिक स्कूल में आयोजित एफएलएन सह नवाचारी वारियर्स शिक्षक सम्मान समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्री यादव ने कहा कि बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए एफएलएन (मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता) कार्यक्रम शुरू किया गया है, ताकि बच्चे पढ़ने, लिखने और बोलने में दक्ष बन सकें। उन्होंने कहा कि जितनी मजबूत प्रारंभिक शिक्षा होगी, बच्चा उतनी ही अधिक तरक्की करेगा। बच्चों की नींव शिक्षकों के हाथ में होती है, इसलिए स्कूलों में

नए शिक्षण तरीकों और गतिविधि आधारित शिक्षा को अपनाया जा रहा है। मंत्री श्री यादव ने एफएलएन के तहत शिक्षकों के अनुभवों पर आधारित एक पुस्तिका का विमोचन भी किया। साथ ही शिक्षा में नवाचार कर विद्यार्थियों को पढ़ने, लिखने और बोलने में दक्ष बनाने वाले 100 उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया गया। समारोह में बस्तर के 10, बिलासपुर के 30, दुर्ग के 26, रायपुर के 18 और सरगुजा के 16 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस दौरान एससीईआरटी के डायरेक्टर के. कुमार, शिक्षा विभाग के पूर्व संचालक आशुतोष चावरे, डीईओ अरविंद मिश्रा, सुनील मिश्रा, एफएलएन प्रभारी शबनम खान, मंडल अध्यक्ष महेन्द्र लोढ़ा सहित शिक्षकगण व नागरिक मौजूद थे।

थाना प्रभारी हटाए, नंदिनीनगर टीआई को सस्पेंड कर लाइन अटैच, छावनी टीआई को ट्रैफिक विभाग भेजा

भिलाई/नवप्रदेश। जिले में कानून व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने बड़ा कदम उठाया है। जुआ-सट्टा, अवैध शराब और नशे के मामलों में ढिलाई बरतने पर नंदिनीनगर थाना प्रभारी भानू प्रताप साव को सस्पेंड कर दिया गया है। इसके साथ ही जिले के छावनी थाना प्रभारी को थाना से हटाकर उन्हें ट्रैफिक विभाग में भेज दिया गया है। वहीं, पुलगांव थाना प्रभारी अमित अंदानी को छावनी थाने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा 6 पुलिस अधिकारियों का तबादला भी किया गया है। शनिवार रात को आदेश जारी किया गया है। नंदिनी नगर थाना प्रभारी भानू प्रताप साव को सस्पेंड कर दिया गया है। इनके लिए अलग से आदेश जारी किया गया है। आदेश में कहा गया है कि सभी थाना प्रभारियों को अवैध

शराब, नशीले पदार्थ और जुआ-सट्टा के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद नंदिनीनगर थाना क्षेत्र में इन गतिविधियों पर रोक नहीं लग पा रही थी। इसी दौरान एसीसीयू की टीम ने इलाके में दबिश देकर कई मामलों में कार्रवाई की। साल 2026 में एसीसीयू की रेड में आबकारी एक्ट के 4 मामले, एनडीपीएस एक्ट का 1 मामला, सट्टा एक्ट के 4 मामले और जुआ एक्ट का 1 प्रकरण दर्ज किया गया। बाहरी टीम की कार्रवाई के बाद स्थानीय थाना प्रभारी की कार्यशैली पर सवाल उठे। जांच में पाया गया कि थाना प्रभारी अपने इलाके में अवैध गतिविधियों को रोकने में सक्रिय नहीं थे और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों का ठीक से पालन नहीं कर रहे थे। इसे लापरवाही मानते हुए एसएसपी अग्रवाल ने भानू प्रताप साव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर रक्षित केंद्र दुर्ग भेज दिया है। 3 अन्य पुलिस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव किया गया है। उप निरीक्षक महेश्वर लाल देवांगन को रक्षित केंद्र से यातायात विभाग भेजा गया है। उप निरीक्षक परवासी यादव को रक्षित केंद्र से पुरानी भिलाई थाने में पदस्थ किया गया है।

वेबिनार: श्री सिद्धि विनायक सुपरस्पेशलिटी अस्पताल के संस्थापक डॉ. अनूप गुप्ता ने स्ट्रोक के लक्षणों पर महत्वपूर्ण जानकारी

मनुष्य के लिए हर मिनट मायने रखता है, संकेतों को पहचानें, जीवन बचाएं: डॉ. गुप्ता

भिलाई/नवप्रदेश। श्री सिद्धि विनायक सुपरस्पेशलिटी अस्पताल भिलाई के संस्थापक निदेशक डॉ. अनूप गुप्ता ने श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी के सहयोग से एक महत्वपूर्ण वेबिनार का आयोजन किया। इस स्वास्थ्य जागरूकता पहल का मुख्य उद्देश्य स्ट्रोक की जानलेवा प्रकृति, जैसे चेहरे का झुकना, हाथ में कमजोरी, बोलने में कठिनाई और तत्काल चिकित्सा हस्तक्षेप की अनिवार्य आवश्यकता पर प्रकाश डालना था। वर्ष 2026 की हालिया चिकित्सा रिपोर्टों के अनुसार, पिछले दो दशकों में वयस्कों के लिए स्ट्रोक का आजीवन जोखिम 50 प्रतिशत तक बढ़ गया है।

डॉ. गुप्ता ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण जीवन रक्षक संदेश पर जोर दिया। उन्होने कहा कि समय की बर्बादी यानी मस्तिष्क की क्षति। उन्होंने बताया कि स्ट्रोक तब होता है जब मस्तिष्क में रक्त का प्रवाह बाधित हो जाता है, जिससे मस्तिष्क के ऊतकों को ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और कोशिकाएं कुछ ही मिनटों में मरने लगती हैं। इस पहल का केंद्र गोल्डन ऑवर (स्वर्ण घंटा) की अवधारणा है, जिसे पारंपरिक रूप से लक्षणों की शुरुआत के पहले तीन घंटे माना जाता है। हालांकि,

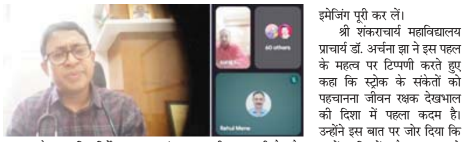

2026 के नए दिशानिर्देश अब उन्नत इमेजिंग का उपयोग करके बचाने योग्य मस्तिष्क ऊतकों की पहचान करते हैं, जिससे थक्का हटाने की पात्रता कुछ मामलों में 24 घंटे तक बढ़ गई है। डॉ. गुप्ता ने स्पष्ट किया कि इन महत्वपूर्ण समय सीमाओं के भीतर उपचार प्राप्त करने से ठीक होने की संभावना काफी बढ़ जाती है और यह दीर्घकालिक पक्षाघात (लकवा) या बोलने की क्षमता खोने जैसी विकलांगता को रोकने में सहायक होता है। आधुनिक स्वास्थ्य मानकों के अनुसार, अब अस्पतालों से अपेक्षा की जाती है कि वे रोगी के आने के 25 मिनट के भीतर प्रारंभिक मस्तिष्क इमेजिंग पूरी कर लें।

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अर्चना झा ने इस पहल के महत्व पर टिप्पणी करते हुए कहा कि स्ट्रोक के संकेतों को पहचानना जीवन रक्षक देखभाल की दिशा में पहला कदम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों, परिवारों और समाज को सुरक्षित रखने के लिए शैक्षणिक संस्थानों को इस ज्ञान के प्रसार में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए ।

डॉ. जे.दुर्गा प्रसाद राव (डीन, अकादमिक) ने कहा कि सामुदायिक जागरूकता एक जीवन रक्षक उपकरण है। उन्होंने सभी को यह ज्ञान साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया और बताया कि नियमित जांच और रक्तचाप प्रबंधन ही स्ट्रोक के खतरे को कम करने की कुंजी है।

वेबिनार में महाविद्यालय के 83 से अधिक स्नातकोत्तर छात्र, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी शामिल हुए। संकाय सदस्यों ने स्ट्रोक से संबंधित कई प्रश्न पूछे और प्राप्त उत्तरों से संतुष्ट दिखे । वेबिनार का समापन एक स्पष्ट संदेश के साथ हुआ: लक्षणों के अपने आप ठीक होने का इंतज़ार न करें। तत्काल हस्तक्षेप अत्यंत महत्वपूर्ण है, और जागरूकता ही स्ट्रोक के खिलाफ लड़ाई में सबसे शक्तिशाली हथियार है।

माओवाद के अंत के साथ बस्तर क्षेत्र में अब विकास को मिलेगी नई दिशा: कश्यप

■ **मंत्री केदार कश्यप ने 1.20 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की दी सौगात**

कोंडागांव / नवप्रदेश। वन मंत्री श्री केदार कश्यप शनिवार को जिले के सुदूर अंचल स्थित ग्राम केजंग पहुंचे, जहां ग्रामीणों ने उत्साह के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर वन मंत्री ने क्षेत्रवासियों को लगभग 1 करोड़ 20 लाख रुपए के 11 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने विभिन्न ग्राम पंचायतों में सड़क, भवन एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री श्री कश्यप कहा ने कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार आम नागरिकों के हित में क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र पूर्व में माओवाद से प्रभावित रहा है, किन्तु पूरा छत्तीसगढ़ माओवाद के प्रभाव से मुक्त हो गया है और अब बस्तर संभाग भयमुक्त होकर विकास की मुख्यधारा में तेजी से आगे बढ़ेगा और अधिक समृद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामीणों को आवागमन, शिक्षा एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार मिलेगा।

भूमिपूजन किए गए कार्यों में ग्राम पंचायत कुधूर में 1 किमी मुरमीकरण कार्य (मांझानार से साहूपारा प्रतीक घर तक) लागत 19 लाख रुपए, तरईपारा से पंडेला घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत कोरमेल के पटेलपारा में सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत जोडेंगा में सांस्कृतिक भवन से कमलू घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत पदनार में प्राथमिक शाला भवन से समलू घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत पुसपाल में नीचेपारा में कुलधर घर से सुधीर यादव घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत मड़ागांव में सांस्कृतिक भवन से पीलाराम घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत केजंग में घोटुल गुड़ी के पास शेड निर्माण लागत 6 लाख रुपए, ग्राम पंचायत मडानार में स्कूल मुख्य द्वार से पेदेबाई घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए एवं प्राथमिक शाला में शौचालय निर्माण लागत 5 लाख रुपए तथा ग्राम पंचायत बेतबेड़ा में मुख्य मार्ग से ढोलमांदरी सन्नू घर तक मार्ग मुरमीकरण 15 लाख रुपए का कार्य शामिल हैं।कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता कोर्राम, उपाध्यक्ष श्री टोमेन्द्र ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया।

न्यूज गैलरी

श्री श्याम अखाड़े का आयोजन 7 को

पिथौरा/नवप्रदेश। प्रथम श्री श्याम अखाड़े की भांति इस वर्ष भी पुनः श्री खाटू वाले श्याम बाबा की असीम कृपा से द्वितीय श्री श्याम अखाड़े के का भव्य आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ कृषि उपज मंडी समिति के सामने बया रोड पिथौरा में आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव को लेकर श्याम भक्तों में

जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है तथा पूरे नगर में भक्तिमय माहौल बन गया है। प्रचार प्रसार के लिए श्री श्याम भक्त मण्डल के सदस्यों के द्वारा नगर में होर्डिंग एवम पोस्टर से सजाया गया है।वहीँ सदस्य गण सरायपाली ,बसना ,सांकरा, झलप, बागबाहरा की तरफ जाकर सभी जगह श्याम सेवा समिति को आमंत्रण देकर आमंत्रित कर रहे हैं ।सदस्यों ने बताया कि हम सारे सदस्य पूरे जोश खरोश से श्याम अखाड़े की तैयारी में जुटे हुए हैं जिससे कि आयोजन को भाव,भक्ति एवम भजनों से भव्य बनाया जा सके। बता दें कि प्रथम श्याम अखाड़े को भी न केवल नगर में बल्कि पूरे अंचल में सराहा गया था। और तबसे ही अंचल के श्याम भक्त इस द्वितीय श्याम अखाड़े का इंतजार कर रहे थे।जो अब जा कर पूरा होने जा रहा है।

द्वितीय श्री श्याम अखाड़े के आयोजन में सायं 7 बजे खाटू वाले श्याम बाबा का अलौकिक एवं भव्य श्रृंगार किया जाएगा। एवम बाबा श्याम की ज्योत जागृत की जाएगी।जिससे सभी भक्त कतार में ज्योत लेंगे। श्रृंगार दर्शन के पश्चात श्याम भजन संध्या का भव्य आयोजन होगा। इस श्याम अखाड़े के भजन संध्या में विश्व प्रसिद्ध श्री खाटू के श्याम मंदिर के पुजारी श्रद्धेय श्री श्याम सिंह चौहान के सानिध्य में देश की प्रसिद्ध भजन गायिका अंजलि द्विवेदी (मुंबई), भजन गायक अंबरीश कुमार मुंबई ,सुदर्शन कुमार मुंबई, विनय अग्रवाल रायपुर, अरुण सिंह संबलपुर ,श्याम शर्मा सरायपाली, के साथ खगेश डड़सेना सरायपाली निर्मल म्यूजिकल ग्रुप के साथअपने सुमधुर एवं भावपूर्ण भजनों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे।वहीं बाबा श्याम के शीश के मनमोहक श्रृंगार की जिम्मेदारी विख्यात भजन गायक सुरेश राजस्थानी को सौंपी गई है जो बाबा के श्रृंगार के साथ साथ अपने सुमधुर भजनों से बाबा को रिझाएंगे।

विपक्ष की गैरहाजिरी से सामान्य सभा स्थगित, जनहित के कई मुद्दे अटके

छुरा/नवप्रदेश। नगर पंचायत छुरा में गुरुवार को आयोजित सामान्य सभा की महत्वपूर्ण बैठक विपक्ष के 9 पार्षदों की सामूहिक अनुपस्थिति के कारण स्थगित करनी पड़ी। बैठक में नगर विकास कार्य, वार्डों के निर्माण प्रस्ताव, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पूर्वानुमान जैसे अहम विषयों पर चर्चा होनी थी, लेकिन आवश्यक गणपूर्ति नहीं होने से कार्यवाही प्रारंभ ही नहीं हो सकी।प्राप्त जानकारी के अनुसार, अध्यक्ष पक्ष के 6 पार्षद बैठक में समय पर उपस्थित रहे, जबकि विपक्ष के सभी 9 पार्षद गैरहाजिर रहे। परिषद की कार्यवाही के लिए आवश्यक कोरम पूरा नहीं होने के कारण बैठक स्थगित कर दी गई, जिससे कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव फिलहाल लंबित हो गए।पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर नगर पंचायत से मिली जानकारी के अनुसार, विपक्ष की यह अनुपस्थिति पूर्व नियोजित रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। स्थानीय स्तर पर इसे राजनीतिक कारणों से जोड़कर देखा जा रहा है। नगर के जानकारों का कहना है कि विपक्ष जनहित के मुद्दों को लेकर सजग नजर नहीं आ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप आम जनता को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ रही है। विकास कार्यों में देरी, पेंशन संबंधी मामलों का लंबित होना और वार्डों की मूलभूत सुविधाओं पर निर्णय टलना इसका सीधा प्रभाव माना जा रहा है।

बेहतर परिणाम के लिए चुनाव प्रबंधन अतिआवश्यक : देवांगन

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। सारागांव में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी, विधानसभा मंडल के द्वारा कस्तूरबा ट्रस्ट भवन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का आयोजन किया गया। उक्त प्रशिक्षण में वक्ता के रूप में उपस्थित युवा भाजपा नेता किशोर देवांगन ने बूथ प्रबंधन पर उद्बोधन देते हुए कहा कि चुनाव जीतने में बूथ की भूमिका ठीक वैसी ही है, जैसी कि मकान बनाने में नींव की रहती है। नींव जितनी मजबूत रहेगी, मकान उतना ही मजबूत रहेगा। इसी प्रकार बूथ जितना मजबूत रहेगा, पार्टी की उपस्थिति दमदार और जीत की संभावना प्रबल रहेगी। चुनाव में पार्टी प्रत्याशी अपने दम पर नहीं जीतता बल्कि बूथ कमेटी में शामिल पदाधिकारी व सदस्य अपनी कड़ी मेहनत एवं स्मार्ट प्रबंधन से उसकी जीत सुनिश्चित करते हैं। यही वजह है कि बूथ कमेटियों को सशक्तता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण महाभियान चलाया जा रहा है क्योंकि समय के साथ प्रतिद्वंदी पार्टियां अपनी रणनीति को अपडेट करती रहती हैं, जिससे मुकाबला करने के लिए भाजपा की बूथ कमेटियों को भी अपडेट किया जाना अत्यंत अनिवार्य है। देवांगन ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता यह सोचकर पूरी लगन, मेहनत व ईमानदारी से काम करता है कि उनके सहयोग से जीता हुआ प्रत्याशी पूरी ईमानदारी से जनहित में कार्य करते हुए समाज, प्रदेश व देश की सेवा करेगा। इन कार्यकर्ताओं की कोई पृथक महत्वाकांक्षा नहीं होती। यही भाजपा कार्यकर्ताओं की विशेषता है।

सुकमा को मंत्री केदार कश्यप ने दी विकास कार्यों की सौगात, छात्रावास का लोकार्पण

सुकमा / नवप्रदेश। जिले में विकास योजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल देखने को मिली, जब छत्तीसगढ़ शासन के वन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा सुकमा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने अपने एकदिवसीय प्रवास के दौरान कई निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम की शुरुआत वार्ड क्रमांक 03 पुसामीपारा में 20 लाख रुपए की लागत से निर्मित कौशल विकास सामुदायिक केंद्र के उद्घाटन से हुई। इस केंद्र के माध्यम से क्षेत्र के युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उनके आत्मनिर्भर बनने की दिशा में मदद मिलेगी।

इसके बाद प्रभारी मंत्री ने लगभग 1 करोड़ 62 लाख रुपए की लागत से बने प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास, झापरा का लोकार्पण किया। छात्रावास का अवलोकन करते हुए उन्होंने व्यवस्थाओं का

जायजा लिया और छात्राओं से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया। इस दौरान छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया।

सभा को संबोधित करते हुए कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने क्षेत्र में हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब दूरस्थ इलाकों तक भी योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि लंबे समय से बंद पड़े केरलापेंदा स्थित राम मंदिर को फिर से आमजन के लिए खोल दिया गया है, जहां हाल ही में हनुमान जयंती पर सामूहिक भंडारे का आयोजन किया गया।

उन्होंने नक्सल प्रभावित क्षेत्र में शांति और विकास के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार लगातार सकारात्मक दिशा में कार्य कर रही है। साथ ही, महतारी वंदन योजना और 'लखपति दीदी' जैसी योजनाओं के जरिए महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।

प्रभारी मंत्री ने छात्राओं को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की सलाह दी। शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है।

कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। इनमें सांसद प्रतिनिधि अरुण सिंह भदौरिया,महिला आयोग सदस्य दीपिका सोरी, जिला पंचायत सदस्य कोरसा सन्नू, माड़े बारसे, जनपद अध्यक्ष कोंटा कुसुमलता कोवासी, नगरपालिका अध्यक्ष हुंगाराम मरकाम सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। दौरे के अंत में प्रभारी मंत्री अन्य स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होकर आगे के लिए रवाना हुए। उनके इस दौरे से जिले में विकास कार्यों को लेकर नई उम्मीद जगी है।

अंतागढ क्षेत्रवासियों की हो रही घोर उपेक्षा: गावड़े

अन्तागढ / नवप्रदेश। कांग्रेस कमेटी के जिला उतर बस्तर कांकेर के महामंत्री विश्रामसिह गावडे ने लिगो देव कर्रसाड विषय पर जानकारी देते हुए विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि - हमारे रूढी प्रथा के अन्तर्गत प्राचीन काल से देवी-देवताओं की पूजा अर्चना करते आ रहे सात मण्डा चौदाह भाई अठारह भूमकाल के लोगों का प्राचीन व्यवस्था कांकेर जिला के तहसील आमाबेडा, अन्तागढ के ग्राम- सेमरगांव में प्राचीन कालीन स्थापित लिगो देव कर्रसाड प्रति तीन वर्ष के अन्तराल में तीन दिवसीय भव्य कर्रसाड (जात्रा) आयोजन किया जाता है। इसमें छतीसगढ़ प्रदेश के प्रकृति धर्म देवी देवताओ के मानने वाले लोगो के आलावा दुसरे राज्य के लोग भी देवी देवता डाग, डोली ,आंगा देव बाना को लेकर लाखो की संख्या में हजारों साल से एकत्रित होते हैं। एकत्रित होकर जीवन जगत की कल्याणर्थ पूजा पाठ कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। इस वर्ष प्रकृति धर्म के मानने वाले क्षेत्रवासियों के द्वारा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए

आशा उम्मीद विश्वास के साथ छतीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय विष्णु देव साय जी को आमंत्रित किया गया था। छतीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री जी भी आदिवासी वर्ग से आते है।अपने समाज का व्यक्ति शीर्ष स्थान पर होने से अपने को गर्व भी होता है।आदिवासी मुख्यमंत्री होने के नाते वर्षो से आरक्षित वर्ग समाज अपने अस्तित्व की लड़ाई से जुझ रहे दंश से मुक्ति पाने की एवं क्षेत्र की वर्षो पुरानी मांग अपूर्ण नहकस्सा जलाशय निर्माण,अन्तागढ़ को जिला, आमाबेडा तहसील को ब्लाँक का गठन की मांग को लेकर हर्ष उल्लास आशा विश्वास के साथ आमंत्रित किया गया था।

हास्य कवि सम्मेलन में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण हुए शामिल

भटगांव /नवप्रदेश। नगर पंचायत भटगांव में भटगांव मेला महोत्सव उद्घाटन समारोह चैतराइ मेला के पावन अवसर पर नगर पंचायत भटगांव के ओर से अखिल

भारतीय हास्य कवि सम्मेलन 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन मुर्तिकार दाता दीवाना एवं संचालन हास्य के कवि बंसीधर मिश्रा ने किया जिसकी शुरुआत अंजू लता अंजू ने सरस्वती वंदना के साथ की। नगर पंचायत भटगांव द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के जानेमाने कवियों ने कार्यक्रम में शिरकत की।

मसोरा जलाशय बनेगा पर्यटन का नया केंद्र

कोंडागांव/नवप्रदेश। जिले के मसोरा जलाशय में इन दिनों प्रकृति और पक्षी प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। यहां बड़ी संख्या में लेसर व्हिस्लिंग डक , जिन्हें स्थानीय तौर पर सिटी बजाने वाली बत्तख या छोटी सिल्ही कहा जाता है, को देखा जा रहा है। भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिण-पूर्व एशिया में पाई जाने वाली यह छोटी भूरे रंग की बत्तख इस जलाशय की सुंदरता को और

बढ़ा रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग NH-30 से मात्र 900 मीटर दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत मसोरा के जामकोट जलाशय को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। होम स्टे नीति के तहत ग्राम पंचायत मसोरा का चयन किया गया है, जिससे क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार हो सके।पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी एवं कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के संयुक्त प्रयासों से यहां 'वन भोज' कार्यक्रम की शुरुआत की जा रही है। इस पहल के तहत जिला प्रशासन, ग्रामीणों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं तथा वन, खनिज एवं प्रबंधन समिति के सहयोग से जलाशय के आसपास विभिन्न सुविधाएं विकसित की जाएगी।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने चौपाल के जरिए सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

नकुलनार/नवप्रदेश। दंतेवाड़ा एवं सुकमा जिले की सीमा से लगे कटेकल्याण विकासखंड के सुदूर और दुर्गम ग्राम पंचायतों में जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुडामी ने व्यापक जनसंवाद अभियान चलाते हुए ग्रामीणों के बीच चौपाल लगाई। इस दौरान उन्होंने प्रतापगिरी, जंगमपाल, छोटे लखपाल सहित कई ग्राम पंचायतों का दौरा कर स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं और विकास कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की।

चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और आत्मीय माहौल में अपनी आवश्यकताओं, सुझावों एवं अपेक्षाओं को खुलकर साझा किया। ग्रामीणों ने विशेष रूप से कटेकल्याणङ्कप्रतापगिरी सड़क निर्माण कार्य को जल्द पूरा कराने की मांग प्रमुखता से उठाई। इस पर श्री मुडामी ने बताया कि सड़क का अधिकांश कार्य दोनों ओर से पूरा हो चुका है, लेकिन बीच का कुछ हिस्सा अभी शेष है, जिसे प्राथमिकता के साथ जल्द पूर्ण किया जाएगा।उन्होंने स्वयं दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए स्पष्ट किया कि यह मार्ग क्षेत्र की ÷जीवनरेखा÷ है और इसके पूरा होने से आवागमन बेहद आसान हो जाएगा। वर्तमान में जहां ग्रामीणों को 100 से 120 किलोमीटर का लंबा सफर तय करना पड़ता है, वहीं सड़क पूर्ण होने के बाद यह दूरी घटकर मात्र 15 से 20 किलोमीटर रह जाएगी।

शराब दुकान में तय दाम से अधिक वसूल रहे मैनेजर शिवसेना ने खोला मोर्चा, पुतला फूंककर जताया विरोध

■ **कोचियों को बेच रहे शराब, कार्यवाही नहीं तो उग्र आंदोलन की चेतावनी : चंद्रमौली**

कांकेर/भानुप्रतापपुर/नवप्रदेश । शासकीय शराब दुकान भानुप्रतापपुर में शराब दुकान के सुपरवाइजर कर्मवीर गुप्ता द्वारा तय दर से अधिक दर पर शासकीय शराब बेची जाने एवं गांव गांव में शराब कोचीयाओ से मिली भगत कर गांव गांव में शासकीय शराब भेज कर बिकवा कर क्षेत्र का माहौल खराब करने, शराब उपभोक्ताओं का शोषण करने के कारण शिवसेना द्वारा शासकीय

शराब दुकान भानुप्रतापपुर में शासकीय शराब दुकान के सुपरवाइजर कर्मवीर गुप्ता का पुतला दहन किया गया। विदीत हो की शासकीय शराब दुकान चारामा में कर्मवीर गुप्ता के द्वारा अनियमितता , शराब कोचियों को गांव-गांव में शराब बेचने, तय दर से अधिक दर पर शराब बेचने के कारण बर्खास्त किया जा चुका है। किंतु वह अपने पहुंच के दम पर शासकीय शराब दुकान भानुप्रतापपुर में सुपरवाइजरी की नौकरी कर रहा है जबकि नियम यह है कि कोई भी बर्खास्त कर्मचारियों को कहीं पर काम में नहीं रखा जाएगा। किंतु मिली भगत कर कर्मवीर गुप्ता भानुप्रतापपुर शासकीय शराब दुकान में सुपरवाइजरी कर रहा है। और अनियमितता करते हुए तय दर से अधिक दर पर शराब बेचकर भानुप्रतापपुर क्षेत्र के शराब उपभोक्ताओं का आर्थिक शोषण कर रहा है। गांव गांव में शासकीय शराब अवैध रूप से भिजवाकर गांव-गांव का माहौल खराब कर रहा है।

सौगात: नवनिर्मित सेन भवन का विधायक ने किया लोकार्पण

सेन समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का हुआ शपथ ग्रहण

कांकेर/नवप्रदेश। जिला सर्व सेन नाई समाज के नवनिर्मित सेन भवन का लोकार्पण एवं 3 वर्ष के लिए जिला स्तरीय नई कार्यकारिणी समिति के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा कांकेर के विधायक आशाराम नेताम, अतिविशिष्ट अतिथि भरत मटियारा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड (राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त) एवं अरुण कौशिक अध्यक्ष नगर पालिका परिषद कांकेर शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुनीत राम सेन प्रांताध्यक्ष सर्व सेन समाज

छत्तीसगढ़ ने की। विशिष्ट अतिथियों में भुवन लाल कौशिक सचिव सर्व सेन समाज छत्तीसगढ़ किसन सेन कोषाध्यक्ष नंद कुमार सेन अध्यक्ष डेढ़ीपार सेन समाज एवं पवन कौशिक पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद उत्तम यादव उपाध्यक्ष नगर पालिका हेमंत बंटी ठाकुर अध्यक्ष जिला किसान मोर्चा, दिनेश रजक अध्यक्ष भाजपा मंडल, दिनेश नागदोने, शकुंतला जैन पार्षद,संदीप मेश्राम पार्षद, डॉ ईश्वर सिन्हा, गौरव जायसवाल, राकेश नायक शामिल रहे। मुख्य मार्ग से नृत्य करते मांदरी नर्तक दलों के द्वारा अतिथियों का सेन भवन तक स्वागत किया गया।

विधायक आशाराम नेताम एवं अतिथियों के हाथों भवन द्वार पर फीता काट कर नव-निर्मित सेन भवन का विधिवत लोकार्पण किया गया। संत शिरोमणि सेन नंदा जी महाराज के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर जिला समिति के नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। जिला सर्वस्व से नई समाज के लिए नवनियुक्त अध्यक्ष रुखम सेन उपाध्यक्ष सोमलाल सेन शिशुपाल ठाकुर सचिव दिनेश शांडिल्य सह सचिव ओम प्रकाश सेन कोषाध्यक्ष अशोक सेन जिला कर्मचारी प्रकोष्ठ से जिलाध्यक्ष पवन कुमार सेन सचिव लीलाधर कौशिक सहसचिव पीयूष कौशिक और महिला प्रकोष्ठ से जिलाध्यक्ष श्रीमती विजय लक्ष्मी कौशिक उपाध्यक्ष श्रीमती मालती सेन सचिव श्रीमती सुनीता सेन को विधायक आशाराम नेताम एवं अन्य अतिथियों ने शपथ ग्रहण कराया। मुख्य अतिथि विधायक आशाराम नेताम ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज की उन्नति के लिए शिक्षा, संगठन एवं आपसी सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सेन समाज के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक एकता को और मजबूत करते हैं। सेन समाज के आराध्य संत शिरोमणि नंदा सेन जी महाराज की भक्ति हमें प्रेरणा देती है।

महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव का आयोजन

भाटापारा /नवप्रदेश। शहर से लगभग 3 किलोमीटर दूर ग्राम आलेसुर स्थित दाऊ कल्याण सिंह कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र में छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह एवं वार्षिकोत्सव 'उमंग' का गरिमामय एवं भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ के भामाशाह के रूप में विख्यात समाजसेवी दाऊ कल्याण सिंह की 150वीं जयंती के अवसर पर किया गया, जिसमें विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, गणमान्य अतिथियों एवं अग्रवाल समाज के लोगों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।कार्यक्रम का शुभारंभ दाऊ कल्याण सिंह की आदमकद प्रतिमा के अनावरण के साथ हुआ।

युवा मोर्चा पदाधिकारियों ने सांसद रूपकुमारी से की भेंट, संगठन मजबूती पर मिला मार्गदर्शन

महासमुंद/नवप्रदेश। भारतीय जनता युवा मोर्चा महासमुंद के जिलाध्यक्ष अमन वर्मा के नेतृत्व में नवनियुक्त जिला एवं मंडल पदाधिकारियों ने महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।

भेंट के दौरान सांसद महोदया ने युवा मोर्चा पदाधिकारियों को संगठनात्मक कार्यों को लेकर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने अनुशासन, समर्पण और कार्यकर्ताओं की सक्रियता के कारण विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनी है, जिसमें युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवा मोर्चा को संगठन की रीढ़ बताते हुए कहा कि युवाओं की ऊर्जा, उत्साह और नवाचार संगठन को नई दिशा प्रदान करते हैं।सांसद ने कार्यकर्ताओं से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सेवा, समर्पण और संगठन के सिद्धांतों पर कार्य करना ही एक सच्चे कार्यकर्ता की पहचान है। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों ने भी संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए विश्वास दिलाया कि वे पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि युवा मोर्चा आगामी समय में विभिन्न सामाजिक और संगठनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को जोड़ने का कार्य करेगा। अंत में सभी पदाधिकारियों ने सांसद का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

न्यूज गैलरी

जमीन को लेकर विवाद और मारपीट

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना पुलिस ने मारपीट के मामले में आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है। कबीर आश्रम केंदूढार निवासी हरिशचंद दास (49) ने पुलिस को बताया 02 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे कार में गोपाल दास, रामकुमार दास, राजेश्वर दास व कार चालक भोला साकरे के साथ तरेकेला में रामप्रसाद साव के घर पूजा कार्यक्रम में आए थे। पूजा खत्म होने के बाद वे सभी रात करीब 09.15 बजे कबीर आश्रम केंदूढार जा रहे थे। तरेकेला के रिखीलाल निषाद के घर के सामने रिखीलाल, उसकी पत्नी नीलावती, हितलाल निषाद व युधिष्ठिर निषाद ने उनकी कार को रूकवाया। इस दौरान रिखीराम निषाद ने जमीन संबंधी पुराने मामले को लेकर मारपीट कर वाहन में तोड़फोड़ की। मामले की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 115(2), 351(3),126 (2), 324 (3) 3 (5) के तहत जुर्म कायम कर विवेचना में लिया गया है।

पुरानी दुश्मनी के चलते युवक को पीटा

महासमुंद/नवप्रदेश। कोतवाली पुलिस ने पुरानी रंजिश पर मारपीट के मामले में आरोपियों के खिलाफजुर्म दर्ज किया है। पुलिस को टिकेश्वर दास मानिकपुरी ने बताया कि गांव में मेला लगा था रात करीब 9 बजे सागर निर्मलकर, करण यादव के साथ घूम रहा था। जहां गांव के पकलू उर्फउगेश यादव, खेमराज साहू और लुकू यादव भी वहां घूम रहे थे। पूर्व में नया साल 2026 के दिन पकलू से गाड़ी में पेट्रोल भराने की बात को लेकर विवाद हुआ था, उसी रंजिश को लेकर पकलू उर्फउगेश यादव ने अपने साथी खेमराज साहू और लुकू यादव के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की । रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफबीएनएस की धारा 115(2), 296, 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

शादी से किया इनकार, चाकू से वार

महासमुंद/नवप्रदेश। शादी से इंकार करने पर युवती पर एक युवक ने चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि मामले को लेकर युवती की मां पिंकी साहू ने रिपोर्ट लिखाई है कि 2 अप्रैल की शाम करीब 7 बजे उसे सूचना मिली कि उसकी पुत्री पर छिपियापारा निवासी अंकित लोहार ने चाकू से वार कर दिया, उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया है। अस्पताल पहुंचकर महिला ने अपनी पुत्री से चाकू मारने का कारण पूछा तब उसने बताया कि अंकित लोहार उससे शादी करने के लिये बार-बार कह रहा था, जब उसने इंकार किया तब आरोपी ने आवेश में आकर गाली -गलौज करते हुए दाहिने कंधे के पास चाकू से मारकर चोट पहुंचाया। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 118(1), 296 के तहत जुर्म कायम किया है।

सोलर प्लांट से फेंसिंग तार की चोरी

महासमुंद/नवप्रदेश। रायपाली पुलिस ने सोलर प्लांट से फेंसिंग तार चोरी के मामले में अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। क्लीनमेक्स सूर्या एनर्जी सोलर पावर प्लांट इच्छापुर के सिक्युरिटी गार्ड सुपरवाईजर राजीव रतन नायक ने पुलिस को बताया 26-27 मार्च की रात पेट्रोलिंग के दौरान पता चला कि अज्ञात व्यक्ति फेंसिंग तार को काट कर प्लांट में 102 मॉडयूल से एजेबी तक के केबल 70 नग लंबाई लगभग 40 मीटर केबल प्रति नग 1 मॉडयूल पैनल तक की कुल लंबाई लगभग 2500 मीटर (कीमत 91 हजार रुपए) अज्ञात ने काटकर चोरी कर ली है। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध कायम किया है।

महुआ बीनने को लेकर विवाद, डंडे से पीटा

महासमुंद/नवप्रदेश। महुआ बीनने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति के साथ महिला ने मारपीट कर दी। मामले की रिपोर्ट पर सांकरा पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। पुलिस को ग्राम माटीदरहा निवासी पिंगल बरिहा ने बताया कि 3 अप्रैल की सुबह वह अपने खेत में महुआ बीनने गया था, सुबह करीब 06 बजे वह अपने खेत में महुआ बीन रहा था, तभी गांव की बुधनी बरिहा ने मेरे पेड़ के महुआ को बीन रहे हो कहकर विवाद करते हुए डंडे से पीटा। मामले में पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 296 के तहत अपराध दर्ज किया है।

उधारी रकम वापस मांगने पर पीटा

महासमुंद/नवप्रदेश। कोमाखान पुलिस ने मारपीट के मामले में अपराध कायम किया है। ग्राम लोंदामुड़ा के जीवनलाल देवांगन ने पुलिस को बताया कि ग्राम बिंद्रावन निवासी राजाराम यादव ने उससे अपने घरेलू काम से लगभग 1.55 लाख रुपए उधार लिया था, जिसके एवज में भैंसासूर खार के आधा एकड़ खेत को ले लेना कहा था। लेकिन उसने न खेत दिया है और न रूपये लौटा रहा है। रूपये मांगने पर टालमटोल करता है। 2 अप्रैल की शाम करीब 6 - 7 बजे के मध्य वह अपने खेत की ओर गया था कि उसी समय राजाराम यादव भी अपने खेत की ओर बेनीराम के घर के पास आया था। जब उसने उधार की रकम वापस मांगी तब राजाराम यादव क्यों पैसा दूंगा कहकर गाली- गलौज करने लगा, मना करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट की। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 115(2), 351(2) के तहत अपराध दर्ज किया है।

बाइकों में आमने-सामने टक्कर हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत

महासमुंद/नवप्रदेश। बागबाहरा रोड पर फिंगेश्वर मोड़ के आगे शनिवार शाम करीब साढ़े 5 बजे दो बाइकों में आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजनांदगांव निवासी रॉबिन सायमन (20) और नासिर हुसैन (40) बाइक क्रमांक सीजी 08 बीडी 5080 से खल्लारी माता के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। फिंगेश्वर मोड़ के आगे सामने से आ रही दूसरी बाइक सीजी 04 पीजेड 3923 से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में नासिर हुसैन और दूसरी बाइक पर सवार श्रवण धीवर (21) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, रॉबिन सायमन और राहुल धीवर (18) गंभीर रूप से घायल हो गए, उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और एम्बुलेंस की मदद से सभी को जिला अस्पताल भेजा गया।

चार दशक का लाल आतंक समाप्त, साय सरकार की रणनीति और सतत प्रयासों से मिली सफलता

छत्तीसगढ़ सशस्त्र नक्सल मुक्त होने पर कवर्धा में गृह मंत्री विजय शर्मा का ऐतिहासिक अभिनंदन

कवर्धा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सहित देश के लिए ऐतिहासिक क्षण तब आया जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च को सदन में शस्त्र नक्सलवाद की समाप्ति की घोषणा की। लगभग चार दशकों से इस समस्या से जूझ रहे छत्तीसगढ़ ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और प्रदेश के गृह मंत्री विजय शर्मा के दृढ़ संकल्प, रणनीति और सतत प्रयासों से यह बड़ी सफलता हासिल की।

इस अभियान में भारतीय सेना, पुलिस और समस्त सशस्त्र बलों के जवानों के अदम्य साहस, समाज की जागरूक भागीदारी, राजनीतिक नेतृत्व की इच्छाशक्ति, पत्रकार बंधुओं की भूमिका और सबसे बढ़कर बस्तर के नागरिकों के सहयोग का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी के समुचित प्रयासों से ही सशस्त्र नक्सलवाद का अंत संभव हो सका और अब बस्तर में खुशहाली की नई शुरुआत हो रही है।

नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ बनने के बाद गृह मंत्री विजय शर्मा के कवर्धा प्रथम आगमन पर स्थानीय महामाया चौक में ऐतिहासिक नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। हजारों की संख्या में लोग बाजा-गाजा, ढोल-नगाड़ों और उत्सवी माहौल के

साथ उपस्थित रहे। पूरे शहर में जश्न का वातावरण नजर आया।

कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज, यादव समाज, ठाकुर समाज, कुर्मी समाज, साहू समाज, सतनामी समाज, निर्मलकर समाज, गुप्ता समाज, अहिरवार समाज, लोधी समाज, पटेल समाज, गोंड समाज, केसरवानी गुप्ता समाज, सेन समाज, गंधर्व समाज, स्वर्णकार समाज, जैन समाज, वैष्णव समाज सहित सभी समाजों की भागीदारी रही।

साथ ही जिला प्रेस क्लब, यूथ क्लब, हरीतिमा परिवार, प्राइवेट स्कूल संघ, नाथ योगी समाज, फाइटर क्लब, जिला क्रिकेट संघ, ज्वाइन हैंड ग्रुप, ट्रक मालिक संघ, पतंजलि योग समिति, सीनियर सिटीजन समिति एवं भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

इस अवसर पर गृह मंत्री विजय शर्मा को लड्डुओं से तौलकर भव्य सम्मान दिया गया, जो जनभावनाओं का प्रतीक बना।

विजय शर्मा ने कहा मैं आप सभी के प्रेम से अभिभूत हूँ। मुझे नहीं पता था कि आप सब नक्सल समस्या को इतनी गंभीरता से समझते हैं। यह वास्तव में अत्यंत संवेदनशील विषय रहा है, और जो लोग इससे पीड़ित रहे हैं, उनकी पीड़ा को शब्दों में समझा भी नहीं जा सकता।। उन्होंने नक्सलवाद की विचारधारा पर प्रहार करते हुए कहा ÷माओवाद एक आयातित विचार है, जिसका उद्देश्य केवल बंदूक की नली से सत्ता स्थापित करना रहा है, जबकि भारत का लोकतंत्र प्राचीन काल से–लक्ष्मी गणराज्य और वैशाली गणराज्य के समय से–सशक्त रहा है, जिसकी झलक आज भी बस्तर के समाज में दिखाई देती है। उन्होंने नक्सल हिंसा की भयावहता का उल्लेख करते हुए कहा भोले-भाले लोगों को बहलाकर उनके हाथों में बंदूक थमा दी गई। स्कूल, सड़क और तालाबों के किनारे बारूद बिछाए गए। शिक्षा दूत, सुरक्षा कर्मी, स्वास्थ्य कर्मी, शासकीय कर्मचारी और निर्दोष ग्रामीणों तक की निर्मम हत्या की गई। सैकड़ों लोग इन विस्फोटों में अपंग हो गए–उनके मानवाधिकारों की रक्षा कौन करेगा? उन्होंने बताया जब बस्तर के पीड़ितों ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की, तब उन्होंने संकल्प लिया कि 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त किया जाएगा। और जब गृह मंत्री संकल्प लेते हैं, तो वह तय समय में पूरा होता है।

विजय शर्मा ने पूरे अभियान का श्रेय साझा करते हुए कहा यह सफलता किसी एक व्यक्ति की नहीं है। इसमें सेना, पुलिस और सभी सुरक्षा बलों के जवानों का साहस, समाज का सहयोग, राजनीतिक नेतृत्व की इच्छाशक्ति, पत्रकार बंधुओं का योगदान और सबसे बड़ा श्रेय बस्तर के नागरिकों को जाता है। सभी के सामूहिक प्रयास से ही यह संभव हो पाया है।

उन्होंने पुनर्वास नीति पर प्रकाश डालते हुए कहा सरकार ने शस्त्र छोड़ने वालों के लिए लाल कारपेट बिछाकर स्वागत किया और उनके पुनर्वास की समुचित व्यवस्था की। हमने संवाद के लिए वीडियो कॉल तक का माध्यम अपनाया। विपक्ष ने इसका मजाक उड़ाया, लेकिन कवर्धा की जनता के विश्वास से सैकड़ों लोगों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में वापसी की। उन्होंने बदलते बस्तर की तस्वीर बताते हुए कहा आज बस्तर के गांवों में लोग अपने आंगन में खुलकर हंस रहे हैं। अब वहां डर नहीं, विकास की बातें हो रही हैं। गांवों के मेले और बाजारों में रौनक लौट आई है–यह बदलाव ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा देश में दशकों से लंबित कई बड़े निर्णय–जैसे राम मंदिर निर्माण और अनुच्छेद 370–निर्धारित समय में पूरे हुए। उसी श्रृंखला में नक्सल समस्या का समाधान भी संभव हुआ है। अंत में उन्होंने इस भव्य सम्मान के लिए कवर्धा की जनता का हृदय से आभार व्यक्त किया। कवर्धा की जनता ने अपने लाड़ले विधायक एवं प्रदेश के गृह मंत्री विजय शर्मा के प्रति गर्व व्यक्त करते हुए इस ऐतिहासिक उपलब्धि को छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल, सुरक्षित और विकसित भविष्य की दिशा में निर्णायक कदम बताया।

भाजपा स्थापना दिवस को लेकर बिंद्रानवागढ़ मंडल की कार्ययोजना बैठक सम्पन्न

गरियाबंद/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश व जिला नेतृत्व के निर्देशानुसार 6 अप्रैल को मनाए जाने वाले भाजपा स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बिंद्रानवागढ़ मंडल की कार्ययोजना बैठक जिला कार्यालय गरियाबंद में आयोजित की गई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई।बैठक में मंडल प्रभारी सुरेन्द्र सोनटेके ने स्थापना दिवस के कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान मंडल के वरिष्ठ नेता, जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, मोर्चा पदाधिकारी, शक्ति केंद्र प्रभारी, संयोजक, सह संयोजक, बूथ अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।बैठक में निर्णय लिया गया कि जिला स्तरीय सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें कार्यकर्ताओं को संगठन की नीतियों, योजनाओं और आगामी गतिविधियों की जानकारी दी जाएगी तथा उन्हें सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके साथ ही प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के चयनित 50 बड़े ग्रामों में ÷गांव चलो, बस्ती चलो अभियान÷ चलाया जाएगा।

वृंदावन स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

पालक-शिक्षक बैठक में छात्रों की उपलब्धियों की सराहना

महासमुंद/नवप्रदेश। वृंदावन विद्यालय इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल में 04 अप्रैल को सत्र 2025-26 की वार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। इस अवसर पर पालक-शिक्षक बैठक का आयोजन भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खुशी जाहिर की गई।

संस्था प्रमुख एम.आर. विश्वनाथन ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। वहीं संचालिका सुजाता विश्वनाथन ने कक्षावार परिणामों की घोषणा करते हुए छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बताया कि नया शैक्षणिक सत्र 7 अप्रैल से प्रारंभ होगा।घोषित परिणामों के अनुसार नर्सरी से अभिग्या, अथर्व, दर्श, हिमांशी, काव्यांश, ख्याति, मिवान, नव्या, नितिशा और शुभांगी प्रथम स्थान पर रहे। एलकेजी से छविका, केयांश, प्रज्ञा, प्रियांशु, थार्विक और वीर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। यूकेजी में आदिति, अनुराग, आशीष, दक्षेश, धारा, गोविनेश, मयंक, रियांश, समर, समृद्धि, सात्विक, शौर्य, वाणी और यशस्वी प्रथम रहे।कक्षा पहली में अश्मीरा एवं भियांश प्रथम तथा आव्या, कुमकुम, नित्या, ऋषभ और विहान द्वितीय स्थान पर रहे। कक्षा तीसरी में साक्षी प्रथम एवं चिनम, लक्षिका द्वितीय रहे। कक्षा चौथी में लोकेश यादव प्रथम और अनिकेत जलक्षत्री द्वितीय स्थान पर रहे।इसी तरह कक्षा छठवीं में अंजलि चंद्राकर प्रथम एवं काव्या धीवर द्वितीय, कक्षा सातवीं में अनुश्री अग्रवाल प्रथम एवं नारायण स्वाइन द्वितीय तथा कक्षा नवमी में प्रियंका और पूर्वांश प्रथम एवं मान्यता द्वितीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम के अंत में उपप्राचार्य इंदु मिश्रा ने सभी अभिभावकों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

सिविल ठेकेदार-राजमिस्त्री कल्याण संघ के प्रदेश मंत्री बने हरिराम सिन्हा

छुरा/ नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश ठेकेदार एवं राजमिस्त्री मजदूर कल्याण संघ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा के साथ ही क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में गरियाबंद जिले के छुरा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम टेंगनाबासा निवासी हरिराम सिन्हा को संघ का प्रदेश मंत्री नियुक्त किया गया है। उनके इस महत्वपूर्ण दायित्व मिलने पर क्षेत्रवासियों, शुभचिंतकों एवं समाजजनों द्वारा लगातार बधाइयों का सिलसिला जारी है।

भिलाई में आयोजित संघ की बैठक एवं नव निर्वाचित पदाधिकारियों के सम्मान समारोह में यह घोषणा की गई। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए प्रतिनिधियों एवं सदस्यों की उपस्थिति रही, जहां नव नियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान भी किया गया। इसी दौरान हरिराम सिन्हा को प्रदेश मंत्री का दायित्व सौंपा गया, जिसे लेकर उनके

गृह क्षेत्र छुरा में खुशी का माहौल है।

इस आयोजन में संघ के अध्यक्ष पद पर अशोक पटेल (दुर्ग) को चुना गया। वहीं संरक्षक के रूप में सागर मोंगरा (जांजगीर-चांपा), महामंत्री के रूप में तिलक देवांगन (धमतरी) तथा कोषाध्यक्ष के रूप में मृत्युंजय भगत (भिलाई) को जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा उपाध्यक्ष पद पर जमुना प्रसाद राजवाड़े (सूरजपुर) एवं ईश्वर साहू (बालोद) को नियुक्त किया गया। मंत्री पद पर कपिल नाथ योगी (कवर्धा), तिलक यादव (चारामा) और हरिराम सिन्हा (गरियाबंद) को मनोनीत किया गया।प्रदेश मंत्री का दायित्व मिलने के बाद हरिराम सिन्हा ने कहा कि वे संघ के माध्यम से राजमिस्त्री एवं मजदूर वर्ग के हितों की रक्षा और उनके सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाना और श्रमिकों की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर 4.20 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। नवापारा क्षेत्र में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। मामले की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने तीन युवाओं को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर करीब 4.20 लाख रुपए ठग लिए थे। जानकारी के अनुसार ग्राम पिपरौद निवासी राहुलदेव साहू (28) ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी पहचान आरोपी जितेंद्र सिन्हा से पूर्व में पढ़ाई के दौरान हुई थी। इसी परिचय का फायदा उठाकर आरोपी ने नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया। उसने समग्र शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ के अंतर्गत वोकेशनल ट्रेनर पद पर नियुक्ति दिलाने का झांसा दिया।

तीन युवाओं से ठगे 4.20 लाख रुपए

झांसे में आकर प्रार्थी ने अपनी बहन की नौकरी के लिए अलग-अलग तिथियों में ऑनलाइन माध्यम से कुल 3 लाख 20 हजार रुपए आरोपी को दे दिए। इसके अलावा आरोपी ने इसी तरह कौशल यादव और करूणा यादव से भी 1 लाख रुपए ठग लिए। आरोपी ने इस तरह तीन युवाओं से करीब 4 लाख 20 हजार रुपए की धोखाधड़ी की।
पीड़ित के अनुसार, आरोपी ने इंटरव्यू के नाम पर रायपुर के नरदहा स्थित कॉलेज भी बुलाया, लेकिन नियुक्ति पत्र नहीं दिया। पीड़ित का आरोप है कि पैसे वापस मांगने पर आरोपी टालमटोल करता रहा और बाद में फोन बंद कर फरार हो गया। इतना ही नहीं, रकम वापस मांगने पर जान से मरवाने की धमकी भी देने लगा।

आरोपी को भेजा गया जेल

शिकायत के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी जितेंद्र सिन्हा (32) भेण्डरी निवासी के खिलाफबीएनएस की धारा 318(4) और 351(2) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर रायपुर न्यायालय भेज दिया है।

युवा कांग्रेस नेता जय पवार का निधन कांग्रेस भवन में दी गई श्रद्धांजलि

महासमुंद/नवप्रदेश। महासमुंद के युवा कांग्रेस नेता जय पवार के आकस्मिक निधन से पूरे शहर और जिला कांग्रेस कमेटी में शोक की लहर व्याप्त है। 03 अप्रैल 2026 को उनके असामयिक निधन के बाद 04 अप्रैल को उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए महासमुंद स्थित कांग्रेस भवन लाया गया, जहां बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं, स्थानीय नेताओं और आम नागरिकों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

जय पवार अपने मिलनसार और सरल स्वभाव के लिए जाने जाते थे। वे भारत स्काउट गाइड के पूर्व जिला उपाध्यक्ष भी रह चुके थे और सामाजिक व राजनीतिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भूमिका रही है। उनके निधन से न केवल कांग्रेस पार्टी बल्कि पूरे शहर ने एक सक्रिय और लोकप्रिय युवा चेहरा खो दिया है। इस दौरान कांग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनमें जिलाध्यक्ष द्वारिकाधीश यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ रश्मि चंद्राकर, आलोक चंद्राकर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष गुरमीत चावला, मंडल अध्यक्ष खिलावन बघेल, पूर्व जिला कोषाध्यक्ष निर्मल जैन सहित अनेक कांग्रेस जन शामिल रहे। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सभी लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

सिहावा में महानदी पर 4.86 करोड़ की लागत से एनीकट निर्माण का भूमिपूजन

■ अब लोगों को गर्मी के दिनो पानी मिलेगा क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर

नगरी/नवप्रदेश। सिहावा क्षेत्र के बहुप्रतीक्षित विकास कार्यों में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाते हुए महानदी के उद्गम स्थल पर एनीकट निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम विधिवत संपन्न हुआ। लगभग 4 करोड़ 86 लाख रुपये की लागत से बनने वाले इस एनीकट का भूमिपूजन सिहावा विधायक अंबिका मरकाम एवं जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा के मुख्य आतिथ्य में किया गया। लंबे समय से इस निर्माण की मांग कर रहे आसपास के क्षेत्रवासियों के लिए यह अवसर अत्यंत खुशी और संतोष का रहा। उल्लेखनीय है कि इस परियोजना के लिए गत वर्ष ही राशि स्वीकृत हुई थी, जिसके बाद अब कार्य प्रारंभ होने जा रहा है। भूमिपूजन के साथ ही पूरे क्षेत्र में उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा ने कहा कि यह एनीकट क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इसके निर्माण से महानदी के जल का संरक्षण बेहतर तरीके से हो सकेगा, जिससे जलस्तर में वृद्धि होगी। इसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा, जिन्हें सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा। साथ ही ग्रामीणों को दैनिक निस्तारी के लिए भी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि एनीकट बनने से आसपास के गांवों में जल संकट की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी और क्षेत्र में हरियाली बढ़ेगी।

विधायक अंबिका मरकाम ने अपने संबोधन में कहा कि यह निर्माण कार्य केवल जल संरक्षण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि नगरी ब्लॉक मुख्यालय तक पहुंचने के लिए एक वैकल्पिक एवं सुगम मार्ग के रूप में भी कार्य करेगा। इससे क्षेत्र के लोगों के लिए आवागमन आसान होगा, दूरी कम होगी और समय की बचत होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के विकास कार्य ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

न्यूज गैलरी

संत माता कर्मा जयंती पर घोयनाबाहरा में सामाजिक एकता का संदेश, नपाध्यक्ष निखिलकांत साहू हुए शामिल

महासमुंद/नवप्रदेश। खल्लारी क्षेत्र के ग्राम घोयनाबाहरा में संत माता कर्मा जयंती का कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने संत माता कर्मा की पूजा-अर्चना कर समाज की एकता, सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।कार्यक्रम के दौरान घोयनाबाहरा के ग्रामीण साहू समाज के प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने नपाध्यक्ष का आत्मीय स्वागत किया। अपने संबोधन में श्री साहू ने सामाजिक एकता और आपसी सहयोग को समाज की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि आज साहू समाज हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि समाज के इष्ट देवी-देवताओं के आशीर्वाद से साहू समाज छत्तीसगढ़ में अपनी अलग पहचान बना चुका है। संत माता कर्मा जयंती के अवसर पर उन्होंने सभी समाजजनों को हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। इस आयोजन में बड़ी संख्या में समाज की महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग, युवा एवं ग्रामीणजन उत्साहपूर्वक शामिल हुए, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्ति और सामाजिक समरसता का माहौल बना रहा।

अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय हुए शामिल।

भटगांव/नवप्रदेश। नगर पंचायत भटगांव में भटगांव मेला महोत्सव उद्घाटन समारोह चैतराइ मेला के पावन अवसर पर नगर पंचायत भटगांव के ओर से अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन मुर्तिकार दाता दीवाना एवं संचालन हास्य के कवि बंसीधर मिश्रा ने किया जिसकी शुरुआत अंजू लता अंजू ने सरस्वती वंदना के साथ की। नगर पंचायत भटगांव द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के जानेमाने कवियों ने कार्यक्रम में शिरकत की कवियों ने देस विदेश की वर्तमान स्थिति से लेकर राजनीतिक राजनेताओं के ऊपर हास्य कविताओं और व्यंग कविताओं के माध्यम से सभी दर्शकों का मन मोह लिया। देस भर से आए जाने माने कवियों ने कवि सम्मेलन में ऐसा समां बांधा कि लोग हंस हंस के लोटपोट हो गए। जहां कवियों द्वारा एक आम नागरिक से लेकर राजनेता तक की बाते सुनाई तो वहीं प्रेमिका से लेके पत्नी तक के मुद्दे अछूते नहीं रहे। वहीं कार्यक्रम की शुरूआत की संचालन शिक्षक संजीव राजेत्री ने की कवि सम्मेलन में सैकड़ों की संख्या में दर्शक पूरा समय तक बने रहे और कविता पाठ का आनंद लेते रहे। कार्यक्रम के लिए भव्य स्टेज़ लाइटिंग और पुलिस व्यस्था की गई थी। वहीं कार्यक्रम की शुरुआत रात्रि दस बजे से प्रारंभ की गई और देर रात दो तीन बजे तक चलता रहा। न तो कार्यक्रम में कवि थकते नजर आए और नहीं सुनने वाले लगातार कार्यक्रम चलता रहा। कवि सम्मेलन में बंसीधर मिश्रा हास्य बिलाईगढ़, मधुप श्रीवास्तव नरकंकाल हास्य लखनऊ, उत्कर्ष उत्तम हास्य उन्नाव, नरेंद्र गुप्ता विररस रायगढ़, अंजु लता अंजू श्रृंगार रस बिलासपुर, भूषण बायपास हास्य भटगांव, दाता दीवाना हास्य भटगांव ने अपनी कविताओं की क्रमशः बारी बारी से प्रस्तुति दी।कार्यक्रम में मुख्य रूप से इनकी रही उपस्थिति जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय, भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति पटेल,पुष्पेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश महामंत्री हरिनाथ खूंटे, ग्रंथपाल डॉक्टर गिरीश शंकर वैष्णव, नगर पंचायत भटगांव के अध्यक्ष विक्रम कुर्रे,नगर पंचायत उपाध्यक्ष प्रदीप देवांगन,नगर पंचायत पवनी के अध्यक्ष कुलदीपक साहू, उपाध्यक्ष नंदू साहू, मंडल अध्यक्ष धीरज दीक्षित, पार्षद महादेवा यादव, दुर्गेश्वरी रामा हिरवानी, बृजभूषण केसरवानी, देवेंद्र (पप्पू)यादव, रेवती रमाकांत पटेल, रामकुमार सिदार, अमीरून निशा खान,उमा गणेश यादव, तथा सैकणों की संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

घोड़ारी में 6 से 9 अप्रैल तक अखंड सतनाम गुरु ग्रंथ समारोह,

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम घोड़ारी में 6 से 9 अप्रैल तक अखंड तीन दिवसीय सतनाम गुरु ग्रंथ समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर सतनाम समाज एवं ग्रामवासियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।समारोह का शुभारंभ 6 अप्रैल को सुबह 11 बजे भव्य शोभायात्रा के साथ होगा। शोभायात्रा में सतनाम सेना अखाड़ा मुंगेली द्वारा आकर्षक एवं भव्य प्रदर्शन प्रस्तुत किया जाएगा, जो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहेगा।कार्यक्रम के दौरान भाग लेने वाली प्रत्येक मंडली को सतनाम समाज की ओर से 1302 रुपये एवं दानदाताओं द्वारा 569 रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। आयोजकों के अनुसार, यह आयोजन समाज में एकता, आध्यात्मिकता एवं सांस्कृतिक परंपराओं को सुदृढ़ करने का माध्यम बनेगा।समारोह के संचालन में प्रमुख अध्यक्ष रामकुमार बंजारे, उपाध्यक्ष भुवन बंजारे, सचिव सुधीर बंजारे, कोषाध्यक्ष महेन्द्र ओंगरे सहित संरक्षक नैनकुमार बंजारे, राजेश मन्नाडे, सावंत गायकवाड़, छन्नू रात्रे, लीलाधर जोशी, संतोष ओंगरे एवं सियाराम कोसले की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। वहीं विशेष कार्यकर्ताओं में सुनील बंजारे, प्रवीण परमार, चंदन मन्नाडे, राजेश भारती, सुमीत धृतलहरे, अमरदास बंजारे एवं चन्द्रशेखर सोनवानी सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।आयोजकों ने अधिक से अधिक लोगों से कार्यक्रम में शामिल होकर गुरु ग्रंथ समारोह का लाभ लेने की अपील की है। कार्यक्रम में भाग लेने या अधिक जानकारी के लिए रमन भारती (8103295884), आशीष बंजारे (9644847499) एवं ठाकुर बंजारे (6264397145) से संपर्क किया जा सकता है।

वनांचल क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा ठप हजारों लोग परेशान

प्रशासन की लापरवाही या जानबूझकर अनदेखी? पिरदा के हालात गंभीर

■ रात में ताला, दर्द में तड़पती महिलाएं—पिरदा स्वास्थ्य केन्द्र की सच्चाईं

सरसींवा/नवप्रदेश। जिले के वनांचल क्षेत्र ग्राम पिरदा (भटगांव) में स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाल स्थिति ने प्रशासनिक तंत्र की गंभीर लापरवाही को उजागर कर दिया है। हजारों की आबादी वाले इस क्षेत्र में स्थित उप स्वास्थ्य केन्द्र पिरदा केवल नाम मात्र का रह गया है जहां कागजों में सुविधाएं मौजूद हैं लेकिन जमीनी हकीकत में ग्रामीणों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को हो रही है, जिन्हें इलाज और प्रसव के लिए नजदीक मे हॉस्पिटल के बाद भी मजबूरन भटगांव या बिलाईगढ़ जैसे दूरस्थ अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है। कई बार रात्रि में प्रसव पीड़ा होने पर महिलाओं को जोखिम भरे हालात में लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जो किसी भी समय गंभीर दुर्घटना या जनहानि का कारण बन सकता है।

शासन द्वारा आदेश क्रमांक 2573 दिनांक 30 जून 2025 के तहत महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता कु. इंका साहू का स्थानांतरण उप स्वास्थ्य केन्द्र गोपालपुर से पिरदा किया गया था। इसके बाद संलग्नीकरण मे अस्थाई रूप से गोपालपुर संलग्न कर दिया गया था जिसको लेकर संलग्ननिकारण समाप्त करने का आदेश (क्रमांक क्र/2026/31, दिनांक 12 मार्च 2026) जारी किया गया लेकिन हैरानी की बात यह है कि आज तक संबंधित स्वास्थ्य कार्यकर्ता को पिरदा में कार्यमुक्त कर पदस्थ नहीं किया गया है और उन्हें अन्यत्र संलग्न रखकर शासन के आदेशों की खुली अवहेलना की जा रही है। इसके चलते उप स्वास्थ्य केन्द्र में महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता का पद रिक्त पड़ा हुआ है, जिससे क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य केन्द्र में रात्रि के समय ताला लगा रहता है और आपात स्थिति में कोई व्यवस्था उपलब्ध नहीं होती, जिससे लोगों को मजबूरी में दूर-दराज के अस्पतालों की ओर जाना पड़ता है। यह स्थिति सीधे तौर पर ग्रामीणों के जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है। इस गंभीर समस्या को लेकर ग्राम पंचायत पिरदा की सरपंच जानकी पटेल तथा ग्राम पंचायत गेड़ागली की उपसरपंच द्वारा कलेक्टर को आवेदन सौंपकर मांग की गई है कि महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता को तत्काल कार्यमुक्त कर उप स्वास्थ्य केन्द्र पिरदा में पदस्थ किया जाए। पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि जब शासन द्वारा स्पष्ट आदेश जारी किए जा चुके हैं, तो उनका पालन अब तक क्यों नहीं हुआ और आखिर किसके संरक्षण में यह लापरवाही जारी है। पिरदा का उप स्वास्थ्य केन्द्र आज प्रशासनिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है, जहां सुविधाएं कागजों में सिमटकर रह गई हैं और जमीनी स्तर पर ग्रामीणों को अपने जीवन के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई करता है या फिर किसी बड़ी अनहोनी के बाद ही व्यवस्था जागेगी।

महाविधालय में छात्रसंघ का शपथ ग्रहण और वार्षिकोत्सव का हुआ आयोजन

भाटापारा/नवप्रदेश। शहर से लगभग 3 किलोमीटर दूर ग्राम आलेसुर स्थित दाऊ कल्याण सिंह कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र में छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह एवं वार्षिकोत्सव 'उमंग' का गरिमामय एवं भव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ के भामाशाह के रूप में विख्यात समाजसेवी दाऊ कल्याण सिंह की 150वीं जयंती के अवसर पर किया गया, जिसमें विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, गणमान्य अतिथियों एवं अग्रवाल समाज के लोगों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दाऊ कल्याण सिंह की आदमकद प्रतिमा के अनावरण के साथ हुआ। अतिथियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उनके शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान को स्मरण किया और उनके आदर्शों को वर्तमान पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गिरीश चंदेल, कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने छात्रसंघ के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप में यमन कुमार वर्मा ने अपनी टीम के साथ पदभार ग्रहण करते हुए महाविद्यालय एवं छात्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति गिरीश चंदेल ने कहा कि कृषि शिक्षा केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के स्वास्थ्य से भी गहराई से जुड़ी है। उन्होंने विद्यार्थियों को ऐसे खाद्य उत्पादों के अनुसंधान एवं उत्पादन हेतु प्रेरित किया, जो मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक जीवनशैली में बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान में कृषि वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है।वार्षिकोत्सव 'उमंग' के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने आयोजन को जीवंत बना दिया। विद्यार्थियों ने लोकनृत्य, समूहगान एवं नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसे दर्शकों ने सराहा। पूरे परिसर में उत्साह, उमंग और रचनात्मकता का वातावरण व्याप्त रहा।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज भाटापारा के अध्यक्ष जे.के. अग्रवाल, महिला विंग अध्यक्ष विंध्यआ अग्रवाल, महाविद्यालय के एच.एल. सोनबोइर, डॉ. अंगद सिंह राजपूत, डॉ. देवेन्द्र उपाध्याय सहित दाऊ कल्याण सिंह के वंशज अनूप अग्रवाल एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्रदेश संयोजक द्वारिका साहू ने किया कार्यकारिणी विस्तार

धरसीवां/कूंरा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ (आई.टी. सेल प्रकोष्ठ) द्वारा श्री मनीष साहू को प्रदेश प्रभारी महामंत्री श्री राजेश कुमार साहू को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए प्रदेश सह संयोजक के पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के अध्यक्ष डॉ. नीरेन्द्र साहू,

आई.टी. सेल प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्री द्वारिका साहू तथा प्रदेश पदाधिकारियों की सहमति एवं अनुमोदन से की गई है।

आई.टी. सेल प्रकोष्ठ में

प्रदेश सह संयोजक-श्री राजेश कुमार साहू ने भावुकता व्यक्त करते हुए कहा कि स्वर्गीय कुलेश्वर प्रसाद साहू दादाजी से समाज की निरंतर सेवा के बारे में सुना और देखा है व पिताजी भगवती प्रसाद साहू द्वारा विभिन्न पद पर भी निरंतर समाज में सेवा करते आ रहे हैं एवं छोटे भाई सुरेश कुमार साहू रायपुर संभाग के पूर्व उपाध्यक्ष भी रहे हैं अभी वर्तमान में ग्राम इकाई साहू समाज के अध्यक्ष नगर पंचायत कुंरा समाज में निरन्तर सेवा दे रहे हैं ।

तेज अंधड़ और बारिश का कहर, एनएच - 353 पर पेड़ गिरने से यातायात बाधित

शहर में घंटों बिजली गुल

महासमुंद/नवप्रदेश। अचानक शनिवार शाम बदले मौसम ने जिले में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। दिनभर की तेज गर्मी के बाद शाम होते ही तेज अंधड़ और बारिश ने शहर व आसपास के ग्रामीण इलाकों को अपनी चपेट में ले लिया।तेज हवाओं के चलते नेशनल हाईवे-353 पर बेलसोंडा के पास तीन दर्जन से अधिक पेड़ और उनकी बड़ी-छोटी शाखाएं गिर गईं, जिससे कुछ समय के लिए यातायात पूरी तरह बाधित रहा। सड़क के दोनों ओर पेड़ गिरने से वाहनों की लंबी कतार लगी रही। सूचना मिलते ही यातायात विभाग और पुलिस टीम मौके पर पहुंची तथा जेसीबी की मदद से पेड़ों को हटाकर मार्ग को सुचारू किया गया।शहर के इंदिरा मार्केट, सब्जी बाजार और मुख्य मार्गों पर भी अंधड़ का असर साफदेखने को मिला। दुकानों के बाहर रखे सामान तेज हवाओं में बिखर गए, जिससे व्यापारियों और खासकर स्ट्रीट वेंडर्स को भारी नुकसान उठाना पड़ा। खुले में रखे खाद्य पदार्थों में धूल जमने से उनका सामान खराब हो गया।अंधड़ और

बारिश के चलते शहर में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित रही और करीब आधे घंटे तक कई इलाकों में अंधेरा छाया रहा।पश्चिमी विक्षोभ का असर, अगले 48 घंटे अलर्ट-मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है। आने वाले 48 घंटों में तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। विभाग ने चेतावनी दी है कि हवा की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। महासमुंद और आसपास के इलाकों में भी ऐसे ही हालात बने रहने की संभावना है। प्रशासन और मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान अनावश्यक बाहर निकलने से बचें ।

विधायक अजय चन्द्राकर ने ली बीजेपी के स्थापना दिवस मनाने की बैठक

कुरुद/नवप्रदेश। पार्टी के स्थापना दिवस की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी कुरूद कार्यालय में विधायक अजय चन्द्राकर ने विधानसभा के चारो मंडल के पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की बैठक लेकर 6 से 14 अप्रैल तक की कार्ययोजना समझाई। इसके लिए वरिष्ठ पार्टी नेताओं को अलग अलग जिम्मेदारी सौपी गई है।

विधानसभा मुख्यालय के प्रधान कार्यालय में आयोजित विशेष बैठक में क्षेत्र के सर्वमान्य नेता पूर्व मंत्री अजय चन्द्राकर ने 6 अप्रेल भाजपा स्थापना दिवस से लेकर 14 अप्रैल भारत रत्न डा.भीमराव अम्बेडकर जयंती तक मनाएं जाने वाले भाजपा पखवाड़ा कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। पार्टी द्वारा तैयार कार्य योजना के लिए अलग अलग प्रभारी बनाये गये, जिसमें पार्टी नेताओं और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को ज़िम्मेदारी सौपी गई। विधायक श्री चन्द्राकर ने बताया कि पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत ध्वजारोहण, हर घर झंडा, सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन, नुक्कड़ सभा, संगोष्ठी जैसे आयोजन के माध्यम से पार्टी की रीतिनिति, केन्द्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को जनमानस तक पहुचाने का काम किया जाएगा। 14 अप्रैल को अम्बेडकर जयंती के दिन पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन होगा। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष ज्योति चन्द्राकर, जनपद अध्यक्ष गितेश्वरी साहू, सभापति सिन्धु बैस, जिपं सभापति मीणा डेमु साहू, कुलेश्वरी गायकवाड़, पंकज सिन्हा, विधायक प्रतिनिधि भानु चन्द्राकर, सुरेश अग्रवाल, लोकेश्वरं सिन्हा, श्याम साहू, तिलोक जैन, योगेश साहू सहित मंडल अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।।

पेज 1 का शेष...

'नक्सलियों से नागरिक तकः 15 सरेंडर...

जीने के लिए जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सभी के मतदाता पहचान पत्र बनाए जा रहे हैं, जिससे वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग ले सकें। साथ ही आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया भी जारी है, जिसमें अब तक 9 लोगों का पंजीकरण सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है।

सामान्य जीवन व्यतीत कर सकेंगे

जिला प्रशासन का उद्देश्य इन समर्पित नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। इसके लिए उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ कृषि, स्वास्थ्य, राजस्व और खाद्य विभाग की योजनाओं से भी जोड़ा जाएगा, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और अपने परिवार के साथ सामान्य जीवन व्यतीत कर सकें।

गृह जिलों में बसाने की तैयारी

अधिकारियों के अनुसार, सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद इन लोगों को उनके गृह जिलों में बसाने की योजना है। प्रशासन का मानना है कि यह पहल न केवल इन लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी, बल्कि क्षेत्र में शांति और विकास को भी बढ़ावा देगी।

नक्सल प्रभाव घटा, सुरक्षा...

सुरक्षा बल शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, स्थिति पूरी तरह सामान्य होने के बाद चरणबद्ध तरीके से बलों की वापसी शुरू की जाएगी।

सुरक्षा वापसी की शुरुआत

प्राथमिक चरण में राजिम के विधायक रोहित साहू, बिंन्द्रानवागढ़ के विधायक जनक ध्रुव और पूर्व विधायक डमरुधर साहू की सुरक्षा से अतिरिक्त बल हटाने की चर्चा सामने आई है।

युद्ध का असरः डामर, सीमेंट,...

डामरीकरण के काम तेज होते हैं, वहीं अब यह कार्य बाधित हो रहे हैं।

रेट रिवाइज की मांग तेज

ठेकेदारों का कहना है कि टेंडर स्वीकृति के समय सामग्री के दाम सामान्य थे, लेकिन अब लागत काफी बढ़ चुकी है। ऐसे में पहले से स्वीकृत निविदाओं के रेट रिवाइज किए जाने की मांग उठ रही है। वहीं, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने भी माना है कि युद्ध के कारण निर्माण सामग्रियों के दाम में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है, जिससे सरकारी प्रोजेक्ट प्रभावित हो रहे हैं। हालांकि, अब तक रेट रिवाइज को लेकर राज्य सरकार की ओर से कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

शासन से राहत की उम्मीद

कांट्रैक्टर एसोसिएशन अब राज्य शासन से दरों में संशोधन और राहत की मांग करने की तैयारी कर रहे हैं। यदि जल्द निर्णय नहीं लिया गया, तो प्रदेश में चल रहे करोड़ों रुपए के निर्माण कार्य प्रभावित हो सकते हैं। सड़क निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है।

प्लास्टिक रॉ मटेरियल 75 प्रतिशत महंगा, पालिथीन, सीमेंट बोरी में भी महंगाई

खाड़ी देशों से प्लास्टिक रॉ मटेरियल्स की सप्लाई प्रभावित होने का सीधा असर अब छत्तीसगढ़ की इंडस्ट्री पर दिखने लगा है। सऊदी अरब जैसे प्रमुख सप्लायर देशों से कच्चे माल की आवक घटने के चलते प्लास्टिक सेक्टर में कच्चे माल की भारी किल्लत पैदा हो गई है।

जीएसटी से बच रहे डेढ़....

बाहर जीएसटी नंबर प्रदर्शित करना अनिवार्य है। ऐसा नहीं करने पर 30 हजार रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा। विभाग के मुताबिक अभी करीब 40 प्रतिशत व्यापारी इस नियम का पालन नहीं कर रहे हैं, जिन पर अब सख्त कार्रवाई होगी।

जागरूकता के साथ सख्ती भी

पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि विभाग अपंजीकृत कारोबारियों तक पहुंचकर उन्हें पहले जागरूक करेगा, लेकिन जो जानबूझकर नियमों का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पंजीकृत व्यापारियों की संख्या हर हाल में बढ़ाई जाएगी।

बस्तर में रोमांच, संस्कृति और....

आदिवासी अंचलों को विकास और पहचान दिलाने के लिए प्रयासरत है। इस प्रकार के आयोजन न केवल पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार और अवसर भी प्रदान करते हैं।

सरकार की योजनाओं और पर्यटन मंडल की सक्रिय भागीदारी से बस्तर आज एक उभरते पर्यटन एवं एडवेंचर हब के रूप में सामने आ रहा है। बस्तर अब केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं, बल्कि एडवेंचर और सांस्कृतिक पर्यटन के लिए भी तेजी से उभर रहा है।

खनिज राजस्व में 14% की...

लिए डिस्पैच रूट्स का प्रभावी अनुकूलन शामिल है। इसके साथ ही, 'खनिज 2.0' जैसे आईटी-आधारित प्लेटफॉर्म के माध्यम से पारदर्शिता, निगरानी और संचालन दक्षता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। आगामी वित्तीय वर्ष में राज्य सरकार का विशेष ध्यान गौण खनिजों को भी 'खनिज 2.0' प्लेटफॉर्म से जोड़ने पर रहेगा, जिससे संपूर्ण खनन प्रणाली को डिजिटल और एकीकृत बनाया जा सके।

अंबिकापुर में स्कॉर्पियो ने...

हुआ है। मृतक महिलाएं जोगी बांध की रहने वाली थी। मृतकों में रामबाई (50), मुन्नी बाई (40), श्यामपति (35) शामिल हैं।

राज्यपाल डेका ने जशपुर के मातृत्व वन में किया सीता अशोक के पौधे का रोपण

रायपुरा/नवप्रदेश। राज्यपाल रमेन डेका ने सर्किट हाउस जशपुर के मातृत्व वन में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सीता अशोक के पौधे का रोपण कर पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री रोहित व्यास वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार और वनमंडला अधिकारी श्री शशि कुमार और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

लगभग 2 एकड़ क्षेत्र में विकसित इस मातृत्व वन में 400 से अधिक विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया है, जो पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक संवेदनाओं के अद्वितीय समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करता है। मातृत्व वन में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत जिले के जनप्रतिनिधियों द्वारा अपनी माताओं के नाम पर पौधरोपण किया गया है। इस पहल ने अभियान को भावनात्मक और सामाजिक रूप से विशेष महत्व प्रदान किया है।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने इस अवसर पर कहा कि माँ हमारे जीवन की प्रथम गुरु होती हैं और उनका स्थान सर्वोच्च होता है। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के माध्यम से हम माँ के प्रति सम्मान को प्रकृति से जोड़ रहे हैं। यह पहल आने वाली पीढ़ियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ सामाजिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करेगी। उन्होंने कहा कि मातृत्व वन जैसी पहल न केवल हरित क्षेत्र बढ़ाने में सहायक होगी, बल्कि समाज में संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का भाव भी विकसित करेंगी।

मातृत्व वन के अंतर्गत पर्यावरणीय एवं औषधीय दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधों का चयन कर उनका रोपण किया गया है। इनमें टिकोमा, झारुल, सीता अशोक, गुलमोहर, लक्ष्मीतरु, आंवला, बीजा, सिन्दूर, नागकेसरी, अर्जुन एवं जामुन जैसी प्रजातियाँ प्रमुख हैं। ये पौधे न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक होंगे, बल्कि आने वाले समय में औषधीय एवं जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मातृत्व वन की स्थापना का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, माताओं के प्रति सम्मान को प्रकृति के माध्यम से अभिव्यक्त करना तथा नई पीढ़ी में संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। यह पहल 'हर घर एक पेड़, हर पेड़ में माँ की ममता' के संदेश को साकार करने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

राज्यपाल ने जशपुर के केरेगांव होम-स्टे का किया अवलोकन

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने जशपुर प्रवास के दौरान शनिवार को जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल देशदेखा के समीप स्थित केरेगांव में विकसित होम-स्टे का अवलोकन किया। इस दौरान वे स्थानीय आदिवासी संस्कृति, जनजीवन और पारंपरिक आतिथ्य परंपरा से रूबरू हुए। होम-स्टे प्रवास के दौरान उन्होंने देशदेखा समूह की महिलाओं द्वारा पारंपरिक विधि से तैयार किए गए व्यंजनों का स्वाद चखा। राज्यपाल श्री डेका ने ग्रामीण परिवेश में विकसित होम-स्टे को प्रेरणादायक कदम बताया और कहा कि यह प्रयास न केवल ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, बल्कि स्थानीय महिलाओं और ग्रामीण परिवारों की आजीविका को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाते हैं। इस दौरान स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने 'जसक्राफ्ट' ब्रांड के तहत छिंद एवं कांसा से निर्मित पारंपरिक आभूषण माला एवं झुमके राज्यपाल को भेंट किए।

न्यूज गैलरी

छत्तीसगढ़ में 7 अप्रैल को 'चावल उत्सव' एक साथ मिलेगा तीन महीने का राशन

रायपुरा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में 7 अप्रैल का 'चावल उत्सव' मनाया जाएगा. इस दौरान हितग्राहियों को तीन माह अप्रैल, मई और जून का चावल वितरण किया जाना है. इसके लिए भंडारण किया जा रहा है, लेकिन पिछली बार दो माह का एकमुश्त चावल देने की घोषणा की गई थी। जो पूरी नहीं हो पाई, इधर तीन माह का चावल एकमुश्त देने की बात कर रही है।

विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मार्च माह में ही प्रदेश के लगभग 7 लाख हितग्राहियों को राशन नहीं मिल पाया था. वहीं छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के मुख्यालय, नवा रायपुर में निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने चावल उपार्जन, भंडारण के लिए बैठक आयोजित की।

अधिकारियों को दिए गए निर्देश

इसमें प्रमुख अधिकारियों एवं प्रदेश के समस्त जिला प्रबंधकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक ली गई। इसमें शासन द्वारा प्रदेश के हितग्राहियों को तीन माह का अनाज एकमुश्त दिए जाने के निर्देश जारी किए। साथ ही कहा कि वितरण के पूर्व प्रदेश के समस्त उचित मूल्य की दुकानों में चावल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का दायित्व निगम के जिला प्रबंधकों की है। चावल भंडारण में किसी भी प्रकार की व्यावहारिक दिक्कत या परिवहन समस्या, लेबर की कमी हो तो निगम मुख्यालय के उच्चाधिकारियों को अवगत करावें और स्थानीय स्तर पर आने वाली समस्याओं का तत्काल हल कराने के लिए जिलों के कलेक्टर से निरंतर संपर्क रखकर समय सीमा में भंडारण कार्य पूर्ण कराने कहा गया है।

दुकानों में पहुंचा राशन

खाद्य विभाग ने सभी उचित मूल्य दुकानों को 31 मार्च तक पर्याप्त मात्रा में चावल का स्टॉक रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि 30 अप्रैल तक सभी पात्र हितग्राहियों को राशन उपलब्ध हो जाए। राशन वितरण को पारदर्शी बनाने के लिए अप्रैल में 'चावल उत्सव' आयोजित किया जाएगा।

इस दौरान खाद्य, राजस्व और सहकारिता विभाग के अधिकारी निगरानी रखेंगे। यदि कहीं भी गड़बड़ी, हेराफेरी या अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सड़क पर कब्जा किया तो अब एफआईआर होगी दर्ज

रायपुरा/नवप्रदेश। रायपुर में सड़क और बाजार क्षेत्रों में अतिक्रमण करने वालों पर अब सख्त कार्रवाई होगी। रायपुर निगम और पुलिस प्रशासन ने साफ कर दिया है कि, सड़क पर कब्जा करने वाले दुकानदारों के खिलाफ अब सीधे एफआईआर दर्ज की जाएगी। साथ ही सड़क पर रखा सामान जब्त कर लिया जाएगा। इसके लिए शहर में जोनवार अभियान चलाया जा रहा है। रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर नगर निगम आयुक्त विश्वदीप और यातायात एसपी अजय कुमार के मार्गदर्शन में टीमों ने संयुक्त अभियान शुरू कर दिया है।एएसपी यातायात विवेक शुक्ला, नगर निगम के अपर आयुक्त पंकज के. शर्मा समेत नगर निवेश और उड़नदस्ता की टीमों ने बुधवार को जोन क्रमांक-4 के मालवीय मार्ग और जोन-5 के पुरानी बस्ती मार्ग व लाखेनगर चौक क्षेत्र में कार्रवाई की।

सरकार की अनिर्णय क्षमता के कारण आरटीई में बच्चों को प्रवेश नहीं मिल पा रहा: कांग्रेस

रायपुर/नवप्रदेश। सरकार के अनिर्णय क्षमता के कारण आरटीई में निजी स्कूलों में गरीब बच्चों की भर्ती में हो पा रही है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सरकार की अनिर्णय क्षमता निजी स्कूलों की फीस बढ़ोतरी की मांग और भर्ती नियम में बदलाव के विवाद के चलते गरीब बच्चों से शिक्षा का अधिकार छीना जा रहा है। भाजपा सरकार गरीब माता पिता के बच्चों के निजी स्कूलों में पढ़ने के सपना को कुचल रही है।पहले आरटीई के भर्ती नियम में बदलाव कर निजी स्कूलों में नर्सरी को नही बल्कि पहली कक्षा को प्रवेश कक्षा माना गया जो सरासर गलत है। जबकि स्कूल की प्रथम कक्षा अगर नर्सरी है तो भर्ती उसी कक्षा से शुरू होगी। क्योकि निजी स्कूलों में जो बच्चे खुद के खर्च से नर्सरी में भर्ती होते है वो प्रगति करते हुए पीपी वन/टू के बाद क्लास वन में पहुँचते है। जब क्लास वन की सीट पूर्व से शिक्षा ले रहे पीपी टू के बच्चां से भर जायेगी ऐसे में आरटीई के तहत गरीबो बच्चों के लिए सीट कहाँ बचेगा? आखिर सरकार निजी स्कूलों के फीस बढोत्तरी के मांग पर विचार क्यां नहीं कर रही है?प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार गरीब बच्चों को शिक्षा का अधिकार देना नहीं चाहती।

2,000 करोड़ रुपये के बकाया बिजली बिल को लेकर विवाद

रायपुरा/नवप्रदेश। 2,000 करोड़ रुपये के बकाया बिजली बिल को लेकर चल रहे विवाद में अब तेलंगाना ने बैठक स्थल को लेकर पेंच फंसा दिया है। सात साल पुराने वित्तीय गतिरोध को सुलझाने के लिए दोनों राज्य बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन यह तय नहीं हो पा रहा कि वार्ता रायपुर में होगी या हैदराबाद में।

बिजली कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, पूर्ववर्ती रमन सिंह सरकार के कार्यकाल में राज्य बिजली कंपनी ने तेलंगाना सरकार से 1,000 मेगावाट बिजली आपूर्ति का समझौता किया था। प्रारंभ में बिल का भुगतान किया गया, लेकिन बाद में तेलंगाना ने

भुगतान करना बंद कर दिया।

2,000 करोड़ रुपये अब भी बकाया

बकाया राशि धीरे-धीरे 3,600 करोड़ तक पहुंच गई। हालांकि, तेलंगाना सरकार ने किश्तों में 1,600 करोड़ का भुगतान किया, बावजूद 2,000 करोड़ रुपये अब भी बकाया है। तेलंगाना सरकार इस बकाया को मानने से इन्कार कर रही है। भुगतान नहीं होने की स्थिति में छत्तीसगढ़ ने बिजली आपूर्ति पहले ही रोक दी है।

सरकार बदलने के बाद भ्रष्टाचार का आरोप

भ्रष्टाचार के आरोपों का साया मामला केवल वित्तीय नहीं, बल्कि राजनीतिक भी है। तेलंगाना की वर्तमान रेवंत रेड्डी सरकार ने पूर्ववर्ती केसीआर सरकार पर छत्तीसगढ़ से महंगी दर पर बिजली खरीदने और 1,300 करोड़ के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। न्यायिक आयोग मामले की जांच कर रहा है।

कानूनी विकल्पों पर विचार

करीब 2,000 करोड़ के बकाया बिल को लेकर तेलंगाना सरकार के अधिकारी पहले रायपुर बैठक करने सहमत थे, लेकिन अब हैदराबाद में बैठक करना चाह रहे हैं। कोशिश कर रहे हैं कि दोनों राज्यों के बीच चर्चा रायपुर में हो। कानूनी विकल्पों पर भी विचार कर रहे हैं।

-भीम सिंह कंवर,एमडी, राज्य बिजली वितरण कंपनी

लुटेरों ने पैसे नहीं देने पर मजदूर को किया लहूलुहान

- **लुटेरों ने तलाशी ली, खाली जेब देखकर गाली दी; धारदार हथियार से किया जानलेवा हमला**

रायपुरा/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के रावाभांठा इलाके में एक मजदूर पर लूट की नीयत से हमला करने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने पहले उसकी तलाशी ली, लेकिन पैसे नहीं मिलने पर गाली-गलौज करते हुए धारदार हथियार से हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया। घायल मजदूर का अस्पताल में इलाज जारी है।पीड़ित वेदराम मनहर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि, वह रावाभांठा प्रेमनगर में रहता है और रोजी-मजदूरी का काम करता है। 3 अप्रैल 2026 की रात करीब 9:20 बजे वह पैदल काम के लिए शिव रियल इस्पात की ओर जा रहा था। जैसे ही वह हरीश पेट्रोल पंप के पास गली में पहुंचा, तभी स्कूटी सवार दो अज्ञात युवक उसके पास आए।आरोपियों ने उसे रोककर उसकी जेब टटोलनी शुरू कर दी। जब उनके हाथ कुछ नहीं लगा तो वे उसे ÷भिखारी÷ कहकर गाली देने लगे और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद एक आरोपी ने अपने पास रखे धारदार हथियार से उसके बाएं कंधे पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और काफी खून बहने लगा।

छत्तीसगढ़ में बारिश और आंधी से बदलेगा मौसम, गर्मी से मिली राहत

रायपुरा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश में झुलसाती गर्मी के बीच मौसम ने अचानक करवट ली है। बीती रात राजधानी समेत कई जिलों में हुई बारिश ने लोगों को राहत दी है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट, गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना जताई है, जिससे गर्मी से जूझ रहे लोगों को और राहत मिल सकती है।

बारिश से मिली राहत, कई इलाकों में दर्ज हुई वर्षा

पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। नांगुर में 3 सेमी और जगदलपुर में 1 सेमी वर्षा रिकॉर्ड की गई।

बारिश के बाद वातावरण में ठंडक घुली, जिससे लोगों ने गर्मी से कुछ राहत महसूस की।

तापमान में अभी स्थिरता, फिर आएगी गिरावट

मौसम विभाग के अनुसार, बीते 24 घंटों में अधिकतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं हुआ है। आने वाले 24 घंटों में भी तापमान लगभग स्थिर रहेगा, लेकिन इसके बाद अगले दो दिनों में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में दर्ज किया गया,

सवा दो साल में सरकार ने कुछ किया नहीं किस मुंह से गांव जायेंगे भाजपाई: कांग्रेस

- **भाजपा के कार्यकर्ता गांव चलो अभियान से खुद को दूरी बना रहे है**

रायपुर/नवप्रदेश। भाजपा द्वारा गांव चलो अभियान चलाये जाने पर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि पिछले सवा 2 साल में भाजपा की सरकार ने कोई जनहित के काम किया ही नहीं, किस मुंह से गांव जाएंगे भाजपाई। जब भाजपाई गांव जाएंगे तो गांव की जनता भाजपा के नेताओं से सवा दो सालों के कामों का हिसाब मांगेगी। सरकार ने पंचायतो को मूलभूत की राशि तक दिया नहीं। गांव में विकास कार्य ठप्प पड़े है। जनता भाजपाई

को सबक सिखाने इंतजार कर रही है। इसलिये भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता भी गांव चलो अभियान से कन्नी काटने वाले है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा ने प्रदेश की जनता से धोखा किया है। 17 जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद कर दिया। 10 हजार से अधिक गोठानों को बंद कर दिया, गांव की महिला स्व-सहायता समूह की बहने बेरोजगार हो गयी है, 7 लाख किसानों का धान भाजपा सरकार ने नही खरीदा है। गांव की जनता इंतजार कर रही कि भाजपा के लोग गांव आये तो उनसे पिछले सवा दो साल का हिसाब लिया जाये।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि कोई सरकार सवा दो साल में ही अलोकप्रिय हो सकती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण साय सरकार है। जिसने किसान, युवा, महिला सभी का विश्वास खो दिया है। प्रदेश की जनता 2028 के चुनाव का इंतजार कर रही है।

खनिज राजस्व को उपलब्धि बताकर संसाधनों की लूट और जंगल कटाई को छुपाना चाहती है सरकार -कांग्रेस

रायपुर/नवप्रदेश।खनिज राजस्व में 14 प्रतिशत वृद्धि के सरकारी दावे को चंद पूंजीपतियों के मुनाफे के लिए प्राकृतिक संसाधनों की अनियंत्रित और असंतुलित लूट का प्रमाण बताते हुए प्रदेश कांग्रेस कमटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि जिस अपराध के लिए इस सरकार को प्रदेश की जनता से माफी मांगनी चाहिए, उसे उपलब्धि बताकर अपनी पीठ थपथपाई जा रही है। मात्र 16625 करोड़ के खनिज राजस्व के लिए पूरा प्रदेश उजाड़ दिया गया, इसके एवज में लाखों करोड़ के बहुमूल्य खनिज और सैकड़ों साल में समृद्ध हुए जंगलों की आहुति दे दी गई है। हसदेव, तमनार, धमजयगढ़, रायगढ़, मैनपाट, बैलाडीला, बचेली, किरंदुल कांकेर, बस्तर और बीजापुर में हजारों एकड़ में फैले सघन जंगलों को बर्बाद कर दिया गया।

रायपुर-उरकुरा-मांढर सेक्शन में ऑटोमेटिक सिग्नलिंग का काम, 14 ट्रेनें प्रभावित

रायपुरा/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में चल रहे काम की वजह से आज कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। रायपुर-उरकुरा-मांढर सेक्शन में ऑटोमेटिक सिग्नलिंग लगाने का काम किया जा रहा है। जिस कारण कुछ ट्रेनें पूरी तरह रद्द रहेंगी और कुछ आंशिक रूप से चलेंगी।11 मेमू ट्रेनों को पूरी तरह रद्द किया गया है। और 4 ट्रेनें आंशिक रूप से रद्द (बीच से चलेंगी) रहेंगी। यानी ये ट्रेन पूरी

तरह बंद नहीं होगी, बल्कि अपने पूरे रूट का कुछ हिस्सा नहीं चलती। आसान भाषा में कहें तो ट्रेन कुछ स्टेशनों तक ही चलेगी। आगे का सफर रद्द रहेगा या फिर ट्रेन बीच के किसी स्टेशन से ही शुरू होगी, शुरुआती हिस्सा रद्द रहेगा।

ये 9 मेमू ट्रेनें रद्द रहेंगी

68728 रायपुर-बिलासपुर मेमू
68719 बिलासपुर-रायपुर मेमू
68733 गेवरा रोड-बिलासपुर मेमू
68734 बिलासपुर-गेवरा रोड मेमू
58205 रायपुर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी पैसेंजर
68701 रायपुर-दुर्ग मेमू
68702 दुर्ग-रायपुर मेमू
68703 रायपुर-दुर्ग मेमू
68704 दुर्ग-रायपुर मेमू
6 अप्रैल 2026 को 58206 इतवारी-रायपुर पैसेंजर रद्द रहेगी।

4 ट्रेनें आंशिक रूप से रद्द (बीच से चलेंगी)

68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू: बिलासपुर तक ही चलेगी
68861 गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमू: बिलासपुर से शुरू होगी
58217 टिटलागढ़-रायपुर पैसेंजर (04 अप्रैल): महासमुंद तक ही चलेगी
58218 रायपुर-टिटलागढ़ पैसेंजर (05 अप्रैल): महासमुंद से चलेगी

अच्छी पहल : तालाब क्षेत्र स्वच्छ, सुंदर और जनउपयोगी बन चुका

ग्रीन आर्मी रायपुरा जोन का सफाई अभियान का 7 सप्ताह पूरा

रायपुरा/नवप्रदेश। ग्रीन आर्मी रायपुरा जोन द्वारा गदही तालाब में चलाया जा रहा निरंतर सफाई अभियान आज दिनांक 5 अप्रैल 2026 को सफलतापूर्वक 7 सप्ताह पूर्ण कर चुका है। जिस स्थान पर पहले गंदगी, शराब की बोतलें, पाउच, पन्नी, पॉलीथिन, कंटीली झाड़ियां एवं कचरे का अंबार था, आज वही गदही तालाब क्षेत्र स्वच्छ, सुंदर और जनउपयोगी बन चुका है।

यह परिवर्तन केवल सफाई नहीं, बल्कि जागरूकता और सामूहिक प्रयास की शक्ति का उदाहरण है। आज यहां महिला एवं पुरुष सुबह-शाम मॉर्निंग वॉक, इवनिंग वॉक कर रहे हैं तथा परिवार के साथ सुरक्षित

वातावरण में समय बिता रहे हैं। गदही तालाब की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है, जो पर्यावरण संतुलन, जल संरक्षण और स्थानीय पारिस्थितिकी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को स्मार्ट सिटी के सहयोग से पुनः प्रारंभ कराया गया है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा और सुविधा दोनों बढ़ी है। जोन कमिश्नर को तालाब की समस्याओं से अवगत कराया गया है तथा स्वास्थ अधिकारी को भी आवश्यक कार्यवाही हेतु सूचित किया गया है। आगामी रविवार को गोताखोरों की मदद से तालाब के पानी की विशेष सफाई की जाएगी, जिससे जल की गुणवत्ता और बेहतर हो सके। ग्रीन सेंट्रल कोर कमिटी द्वारा समस्त कार्यों की सतत निगरानी की जा रही है।

तालाब और सफाई का महत्व

गदही तालाब केवल जल स्रोत नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के पर्यावरण का आधार है। स्वच्छ तालाब भूजल स्तर बनाए रखते हैं, आसपास के वातावरण को शुद्ध करते हैं और जनजीवन को स्वस्थ बनाते हैं। गंदगी न केवल बीमारियों को बढ़ावा देती है, बल्कि प्राकृतिक संतुलन को भी बिगाड़ती है। इसलिए हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह सफाई को अपनी जिम्मेदारी समझे और इसमें सहभागी बने।

पदाधिकारियों की प्रतिक्रिया-अध्यक्ष श्री सुबोधकांत निषाद जी ने कहा, यह अभियान केवल सफाई नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता लाने का प्रयास है। जब तक हर नागरिक इसमें भाग नहीं लेगा, तब तक स्थायी बदलाव संभव नहीं है।सचिव मनीष शर्मा जी ने कहा, तालाब और पर्यावरण की रक्षा हमारी जिम्मेदारी है।

इस अभियान में सेंट्रल कोर कमिटी रायपुर, स्मार्ट सिटी टीम, डीडीयू नगर जोन एवं नगर निगम का सहयोग सराहनीय रहा है। स्थानीय पार्षद श्री महेंद्र औसर जी को भी क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया गया। महिला शक्ति, बच्चों एवं नागरिकों की सक्रिय भागीदारी इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है।

न्यूज गैलरी

भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ का फैसला 6 और 14 अप्रैल को 'समरसता दिवस'

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के रायपुर जिला झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ ने 6 अप्रैल (पार्टी स्थापना दिवस) और 14 अप्रैल (डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती) को 'समरसता दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस अवसर पर झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों के करीब 1000 लोगों के लिए भव्य समरसता भोज का आयोजन किया जाएगा। प्रकोष्ठ के जिला संयोजक ब्रिजेश अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ना और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में प्रदेश के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ भोजन का आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सद्भाव और पार्टी की विचारधारा को मजबूत करने का प्रयास है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र को बस्तियों तक पहुंचाने और डॉ. अंबेडकर के समतामूलक समाज के सपने को साकार करने की दिशा में यह एक सार्थक पहल है। बैठक में जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर, जिला महामंत्री गुंजन प्रजापति, सह-संयोजक अजीत सेनापति, राजेश रिछारिया और रोहित राय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान प्रकोष्ठ ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को जोड़ने और समरसता को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य जारी रहेगा।

किशोरी को हाथियों ने कुचला, स्पॉट पर ही मौत

रामानुजगंज/नवप्रदेश। जंगल में मौजूद हाथियों के दल ने एक किशोरी को मौत के घाट उतार दिया। किशोरी जंगल में महुआ बीनने गई हुई थी, इसी दौरान उसका 22 हाथियों के दल से सामना हो गया। दल में मौजूद हाथियों ने बच्ची को उठाकर पटक दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम द्वारा बच्ची की लाश को पीएम उपरांत परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है। लोगों को जंगल में नहीं जाने की समझाइश दी जा रही है। बता दें कि, बलरामपुर जिले के रामचंद्रपुर विकासखंड अंतर्गत चिनिया क्षेत्र में इन दिनों 22 हाथियों का दल मौजूद है, झारखंड की ओर से पहुंचा यह दल काफी आक्रामक है और पिछले 3-4 दिनों से महावीरगंज,चिनिया, सहित 5-6 अन्य गावों के आसपास विचरण कर रहा है। वन विभाग द्वारा हाथियों के मौजूदगी को देखते हुए लोगों को जंगल में नहीं जाने की समझाइश दी गई थी लेकिन सूचना के बाद भी शनिवार की सुबह एक बच्ची जंगल में महुआ बीनने चली गई थी, बताया जा रहा है कि जंगल में महुआ बीनते समय 14 वर्षीया बच्ची का सामना हाथियों के दल से हो गया। दल में शामिल हाथियों ने बच्ची को उठाकर पटक दिया जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं एक अन्य व्यक्ति ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। मृतका की पहचान ग्राम बरदरिया निवासी 14 वर्षीया पिंकी कुमारी आ. बंबईया के रूप में की गई है।

सेल्समैन फर्जी लूट मामले में गिरफ्तार, पुलिस ने उगलवाई सच्चाई

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। कृष्णा हुंडई में सेल्समैन का काम करने वाले युवक ने थाने पहुंचकर रुपए लूटने की शिकायत की थी। घटना सामने आते ही पुलिस हरकत में आई। पूछताछ में युवक बार-बार बयान बदलने लगा, जिससे पुलिस को संदेह हुआ। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने झूठी रिपोर्ट लिखाने की बात कबूल कर ली। कोतवाली टीआई मोतीलाल पटेल ने बताया कि बिलासपुर निवासी प्रयांश देवांगन कलेक्शन का काम करता है। वह 4 लाख 50 हजार रुपए लेकर जा रहा था और रास्ते में लूट की झूठी कहानी गढ़ी। बाद में उसने बताया कि पैसे खुद खर्च कर दिए थे। पुलिस ने उसके खिलाफ अमानत में खयानत का मामला दर्ज किया है।

सूने मकान से नकदी सहित जेवर पार

कोनी/नवप्रदेश। कोनी थाना क्षेत्र में सूने मकान को निशाना बनाकर अज्ञात चोरों ने नगदी और जेवरात पार कर दिए। घटना अटल आवास निरतु की है, जहां निवासी मोहम्मद आजाद के घर चोरी हुई। पीड़ित के अनुसार, 26 मार्च को दोपहर करीब 3 बजे वह अपनी पत्नी हुमा फिरदोष के साथ पारिवारिक शादी में चिरमिरी गए थे। घर में अलमारी बंद कर ताला लगाया गया था। 3 अप्रैल को दोपहर करीब 3 बजे जब वे वापस लौटे, तो मुख्य दरवाजे में बाहर से ताला बंद था, लेकिन अंदर से कुंडी लगी हुई थी। छोटे बच्चे को गेट के ऊपर से अंदर भेजकर दरवाजा खुलवाया गया। अंदर पहुंचने पर देखा कि ताला टूटा हुआ पड़ा था और कमरे की अलमारी खुली हुई थी। अलमारी के लॉकर को तोड़कर चोरों ने 30 हजार रुपये नगद, सोने का नथ, अंगूठी, तीन बिछिया, चांदी की पायल और ब्रेसलेट समेत कुल करीब 65 हजार रुपये का सामान चोरी कर लिया।

अलग-अलग सड़क दुर्घटना में शिक्षक समेत दो लोगों की मौत

कोरबा/नवप्रदेश। जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक शिक्षक सहित दो लोगों की मौत हो गई। इन घटनाओं के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है, वहीं सड़क व्यवस्था और रोशनी की कमी पर सवाल उठने लगे हैं। पहली घटना सीताराम चैक के चकचकवा पहाड़ के पास की है। जानकारी के अनुसार, ऐतमा नगर निवासी 25 वर्षीय शिपाल पोर्ते बाइक से किसी काम से निकला था। इसी दौरान सड़क पर पड़े गिट्टी-मिट्टी के ढेर से उसकी बाइक टकरा गई, जिससे वह अनियंत्रित होकर गिर पड़ा। हादसे में युवक के सिर, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आईं। राहगीरों की मदद से उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरी घटना बरपाली के पास हुई, जहां पोड़ी उपरोड़ा निवासी शिक्षक जय पांडेय अपनी वैगनआर कार से कहीं जा रहे थे। अंधेरे के कारण उनकी तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। गंभीर रूप से घायल शिक्षक को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटघोरा लाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर उन्हें कोरबा रेफर किया गया। लेकिन इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। दोनों घटनाओं के बाद मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने सड़क पर पर्याप्त रोशनी और व्यवस्थित निर्माण कार्य की मांग की है।

कबाड़ बंदी के दावों के बीच लगातार कार्रवाई, उरगा में 8 टन कबाड़ जब्त

■ कॉपर वायर चोरी गिरोह का खुलासा

कोरबा/नवप्रदेश। ऊर्जा नगरी कोरबा में कबाड़ बंदी के दावों के बीच अवैध गतिविधियों पर पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। हाल के दिनों में सामने आए मामलों से संकेत मिल रहे हैं कि कबाड़ और उससे जुड़े अपराध पूरी तरह थमे नहीं हैं, हालांकि पुलिस निगरानी बढ़ाकर सख्ती बरत रही है।

इसी क्रम में शनिवार को उरगा थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कबाड़ से लदी एक पिकअप वाहन को जब्त किया। मुखबिर की सूचना पर की गई इस कार्रवाई में करीब 8 टन कबाड़ बरामद किया गया, जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 60 हजार रुपए आंकी गई है।

थाना प्रभारी राजेश तिवारी के अनुसार, जब्त वाहन बलगी निवासी राजेश सिंह का बताया जा रहा है। कबाड़ की वैधता और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। फिलहाल वाहन उरगा थाने में खड़ा है और मामले की जांच जारी है।

वहीं दूसरी ओर, शहर में लगातार हो रही एसी के कॉपर वायर चोरी की घटनाओं पर कोतवाली पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों दीपक साहू, वसीम मेमन और रमेश साहू को गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी एमबी पटेल ने बताया कि आरोपी देर रात दुकानों और प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर एसी के कॉपर वायर निकालते थे और बाद में उसे ठिकाने लगा देते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया कॉपर वायर भी बरामद कर लिया है।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह ने शहर के किन-किन इलाकों में वारदात को अंजाम दिया है और इसमें अन्य कौन लोग शामिल हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ समय से कॉपर वायर चोरी की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिससे व्यापारी वर्ग में असंतोष था। इन दोनों मामलों को देखते हुए यह साफ है कि अवैध कबाड़ और उससे जुड़े अपराधों पर पूरी तरह नियंत्रण के लिए लगातार सतर्कता और समन्वित कार्रवाई की जरूरत बनी हुई।

निजी स्कूल संचालकों ने कहा- गरीब बच्चों के प्रवेश नहीं होने के लिए शासन जिम्मेदार

फीस नहीं बढ़ी, निजी स्कूल इस बार आरटीई में नहीं देंगे प्रवेश

■ प्रतिपूर्ति राशि में बढ़ोत्तरी होने तक असहयोग आंदोलन जारी रहेगा

रायपुर/नवप्रदेश। निःशुल्क शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत प्रवेशित बच्चों की प्रतिपूर्ति राशि में बढ़ोत्तरी की मांग को लेकर चलाए जा रहे असहयोग आंदोलन के बीच निजी स्कूलों ने अब आगामी शिक्षा सत्र में बच्चों को प्रवेश नहीं देने का निर्णय लिया है। निजी स्कूल संचालकों ने कहा है कि गरीब बच्चों के प्रवेश नहीं होने के लिए, शासन जिम्मेदार होगा।

प्रदेश में आरटीई लागू होने के बाद से प्रवेशित बच्चों की प्रतिपूर्ति राशि में किसी प्रकार की बढ़ोत्तरी नहीं की गई है। 2011 से कक्षा पहली से पांचवीं तक के लिए प्रतिपूर्ति राशि 7000 रुपए प्रति छात्र प्रतिवर्ष, छठवीं से आठवीं तक 11400 रुपए प्रति छात्र प्रति वर्ष तय है। वर्ष 2018 में तत्कालीन राज्य सरकार ने कक्षा नौवीं से बारहवीं को आरटीई के दायरे में लाया और उसके लिए 15000 रुपए की फीस प्रति छात्र प्रति वर्ष तय की गई। छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता, बिलासपुर जिलाध्यक्ष रेखा खरे, बलौदाबाजार-भाटापारा जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता, दुर्ग जिला इकाई सचिव सनत देवांगन तथा बस्तर के जिलाध्यक्ष निलोत्पल दत्ता ने शनिवार को पत्रकार वार्ता कर रहा है कि एसोसिएशन द्वारा 2016 से प्रतिपूर्ति राशि में बढ़ोत्तरी की मांग की जा रही है लेकिन शासन अनदेखी कर रहा है। एसोसिएशन ने हाईकोर्ट में भी याचिका लगाई थी। 19 सितंबर 2025 को कोर्ट ने 6 माह के भीतर निर्णय लेने शासन को आदेशित किया था परंतु अब तक शासन ने कोई निर्णय नहीं लिया है। इसके विरोध में निजी स्कूलों द्वारा प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में लिए गए निर्णय के क्रम में असहयोग आंदोलन किया जा रहा है। निजी स्कूल शिक्षा विभाग के किसी भी पत्र-नोटिस का जवाब नहीं दे रहे हैं। शासन की उदासीनता और उपेक्षापूर्ण रवैये को देखते हुए आरटीई के तहत चयनित बच्चों को अब निजी स्कूलों में प्रवेश नहीं देने का निर्णय लिया गया है। एसोसिएशन का कहना है कि गरीब विद्यार्थियों की शिक्षा में गुणवत्ता की अपेक्षा की जा सकती, इसलिए वह निजी स्कूल बर्दाश्त नहीं करेंगे। कठोर निर्णय लेने के लिए शासन ने ही मजबूर किया है।

अन्य राज्यों में प्रतिपूर्ति राशि एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि अधिकांश राज्यों में आरटीई की प्रतिपूर्ति राशि में ही छत्तीसगढ़ से ज्यादा फीस है। केवल बिहार, उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश में ही छत्तीसगढ़ से कम फीस है। चंडीगढ़ पहली से आठवीं- 28,176, दिल्ली प्राइमरी 28008, अपर प्राइमरी 28108, हिमाचल प्रदेश प्राइमरी 34,744 व अपर प्राइमरी 33,800, कर्नाटक प्री प्राइमरी 8 हजार, प्राइमरी 16 हजार, तमिलनाडु कक्षा एक 11,719.58, कक्षा दो 11,748.71, कक्षा तीन 11,944.65, कक्षा चार 11,928, कक्षा पांच के लिए 11,960 रुपए निर्धारित है।

12वीं हिंदी की दोबारा परीक्षा 10 अप्रैल को

■ माशिमं ने सुरक्षा व्यवस्था की कड़ी, अब जीपीएस लॉक कंटेनर और वन टाइम लॉक सिस्टम लागू

रायपुर/नवप्रदेश। प्रश्न पत्र लीक विवाद के बाद 12वीं हिंदी की पुनः परीक्षा 10 अप्रैल को आयोजित की जाएगी। इस बार छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने गोपनीयता और सुरक्षा को लेकर कड़े इंतजाम किए हैं। परीक्षा सामग्री अब जीपीएस लॉक युक्त कंटेनरों में भेजी जाएगी, जहां प्रश्न पत्रों के पैकेट में वन टाइम लॉक सिस्टम लागू किया गया है। मंडल ने साफ किया है कि यह नई व्यवस्था सिर्फ इस परीक्षा तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि आगामी परीक्षाओं में भी इसे लागू किया जाएगा। पेपर लीक की घटना से सबक लेते हुए परीक्षा प्रणाली को और अधिक सुरक्षित बनाने पर जोर दिया गया है।

सुरक्षा में बड़े बदलाव: माशिमं की सचिव पुष्पा साहू के अनुसार, परीक्षा सामग्री की गोपनीयता बनाए रखने के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। अब प्रश्न पत्र बसों के बजाय विशेष कंटेनरों में भेजे जाएंगे, जिनमें जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम लगा होगा। साथ ही, पैकेट खोलने के लिए वन टाइम लॉक सिस्टम का उपयोग किया जाएगा, जिसे निर्धारित प्रक्रिया के तहत ही खोला जा सकेगा।

वीडियोग्राफी और निगरानी अनिवार्य: समन्वय केंद्र पहुंचने पर जीपीएस लॉक को वीडियो कॉल के माध्यम से पार्टी ऑफिसर, नोडल अधिकारी और केंद्र प्रभारी की मौजूदगी में खोला जाएगा। स्ट्रांग रूम को भी वन टाइम लॉक से सील किया जाएगा और इस पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। परीक्षा सामग्री केंद्र से बाहर ले जाते समय जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा लॉक की जांच की जाएगी और उपयोग किए गए सभी लॉक परीक्षा के बाद जमा करना अनिवार्य होगा।

पेपर लीक के बाद रद्द हुई थी परीक्षा: गौरतलब है कि 12वीं हिंदी की परीक्षा 14 मार्च को आयोजित हुई थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर पेपर लीक होने के दावे सामने आए थे। विद्यार्थियों और पालकों द्वारा साझा किए गए हस्तलिखित प्रश्न पत्र के आधार पर विवाद बढ़ा, जिस पर छात्र संगठन एनएसयूआई ने भी सवाल उठाए थे। मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद माशिमं ने परीक्षा रद्द कर दी थी।

कांग्रेस अपराधियों को संरक्षण देने वाली पार्टी बन गई: डॉ. नवीन मार्कण्डेय

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अब अपराध और अपराधियों को संरक्षण देने वाली पार्टी बन गई है। एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में डॉ. मार्कण्डेय ने आरंग विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोढ़ी में शासकीय जमीन की कथित अवैध खरीदी-बिक्री के मामले को उठाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पदाधिकारियों द्वारा सरकारी भूमि को अवैध तरीके से अपने ही लोगों के नाम दर्ज कराकर खरीदी-बिक्री की गई, जो कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में तत्कालीन पंचायत सचिव, सरपंच और उपसरपंच की मिलीभगत रही है। मामले की शिकायत मंदिर हसौद थाना क्षेत्र में दर्ज कराई गई है और प्रशासनिक स्तर पर जांच जारी है। डॉ. मार्कण्डेय के अनुसार, ग्राम गोढ़ी में पूर्व सरपंच गोपाल धीवर, जो वर्तमान में कांग्रेस के सेक्टर प्रभारी हैं, और उनकी पत्नी (जनपद सदस्य) द्वारा गैर-निवासियों के नाम पर शासकीय भूमि दर्ज कराने का मामला सामने आया है। उन्होंने दावा किया कि श्रीमती प्रगति मिश्रा के नाम लगभग 4 एकड़ जमीन अवैध रूप से पंचायत प्रस्ताव के माध्यम से आवंटित की गई। इसके अलावा मंदिर हसौद नगर पालिका के वार्ड 12 के कांग्रेस पार्षद अनुज मिश्रा और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी आरंग के महामंत्री प्रवीण सिंह पर भी अवैध कब्जे के आरोप लगाए गए।

भाजपा नेता ने कहा कि शासकीय भूमि का गलत तरीके से पट्टा बनाकर उसकी खरीदी-बिक्री की गई है और इस मामले से जुड़े कुछ लोग फिलहाल फरार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने पदाधिकारियों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

कांग्रेस झूठ और भ्रम की राजनीति करती रही : उज्ज्वल दीपक

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उज्ज्वल दीपक ने कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया पर किए जा रहे आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हमेशा से झूठ और भ्रम फैलाने की राजनीति करती रही है। उज्ज्वल दीपक ने पुडुचेरी में एक चुनावी अभियान वाहन को लेकर कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों को भ्रामक और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया।

उन्होंने कहा कि भाजपा एक राष्ट्रीय दल के रूप में अपने चुनावी अभियानों को सुव्यवस्थित संगठनात्मक ढांचे के तहत संचालित करती है, जहां विभिन्न राज्यों के बीच संसाधनों जैसे प्रचार वाहन, तकनीकी उपकरण और अभियान टीमें का समन्वय किया जाता है, ताकि अभियान अधिक प्रभावी और किफायती हो सके।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस वाहन को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं, वह नरेंद्र मोदी की जनसभाओं के लिए तैयार एक विशेष कस्टम अभियान वाहन है, जिसका उपयोग विभिन्न राज्यों में बड़े जनसंपर्क कार्यक्रमों के दौरान किया जाता रहा है। इस मुद्दे को अनावश्यक विवाद बनाना कांग्रेस की राजनीति का हिस्सा है। भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि पूर्व में भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को कांग्रेस का चुनावी एटीएम कहा जाता था, जहां से अन्य राज्यों के चुनावों के लिए संसाधन जुटाने के आरोप लगे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा पारदर्शिता, संगठनात्मक मजबूती और विकास के एजेंडे के साथ चुनाव लड़ती है। कांग्रेस को निराधार आरोप लगाने के बजाय अपने कार्यकाल और वित्तीय पारदर्शिता पर जवाब देना चाहिए। साथ ही उन्होंने दावा किया कि देश की जनता अब कांग्रेस की झूठी राजनीति को समझ चुकी है और ऐसे भ्रामक प्रचार से प्रभावित नहीं होगी।

गंभीर असर : स्वास्थ्य ढांचे पर गहराया संकट

सीजीएमएससी के 50 से ज्यादा टेंडर एक माह में रद्द

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास पर गंभीर असर देखने को मिल रहा है। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन द्वारा जारी 50 से अधिक टेंडर एक ही माह में या तो अटक गए या अंततः रद्द कर दिए गए। इसका मुख्य कारण ठेकेदारों के पुराने भुगतान का लंबित होना बताया जा रहा है, जिससे वे नए कामों में रुचि नहीं ले रहे हैं।

जनवरी में जारी इन टेंडरों की अंतिम तिथि फरवरी तय की गई थी, लेकिन तय समय तक पर्याप्त भागीदारी नहीं होने के कारण इन्हें निरस्त करना पड़ा। इन टेंडरों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र, फिजियोथेरेपी यूनिट और स्टाफ क्वार्टर निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल थे। प्रत्येक टेंडर की लागत 20 लाख से 95 लाख रुपए के बीच थी, जिससे करोड़ों रुपए के प्रोजेक्ट प्रभावित हुए हैं।

भुगतान अटका, ठेकेदार पीछे हटे: सूत्रों के मुताबिक सीजीएमएससी को सौंपे गए 148 कार्यों में से करीब 49.16 करोड़ रुपए का भुगतान कई महीनों से लंबित है। यही वजह है कि ठेकेदार नए टेंडर में हिस्सा लेने से बच रहे हैं। कई मामलों में टेंडर जारी होने के बाद एक भी वैध बोली नहीं आई, जिसके चलते उन्हें रद्द करना पड़ा।

ग्रामीण और नक्सल क्षेत्रों पर ज्यादा असर: इन टेंडरों में नाबार्ड फंडेड प्रोजेक्ट्स और प्रधानमंत्री आयुष्मान हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत क्रिटिकल केयर ब्लॉक, 10-बेड आईसीयू, आइसोलेशन वार्ड और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं का निर्माण शामिल था। टेंडर रद्द होने से खासकर ग्रामीण, आदिवासी और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर असर पड़ा है। स्टाफ क्वार्टर और अस्पताल भवन नहीं बनने से इन क्षेत्रों में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती भी प्रभावित हो रही है।

एमडी ने किया इंकार: मामले में सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक रितेश अग्रवाल ने टेंडर रद्द होने की बात से इंकार किया है। हालांकि, सूत्रों का दावा है कि बड़ी संख्या में टेंडर निरस्त हुए हैं और इसकी प्रमुख वजह भुगतान में देरी है।

स्वास्थ्य व्यवस्था पर असर: विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल्द भुगतान नहीं हुआ और टेंडर प्रक्रिया सुचारु नहीं हुई, तो प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की योजनाएं प्रभावित होती रहेंगी, जिसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा।

चांद के सफर पर निकले यात्रियों ने अंतरिक्ष से खींची पृथ्वी की हैरान करने वाली तस्वीरें

वाशिंगटन। नासा के ऐतिहासिक चांद मिशन 'आर्टेमिस-2' पर निकले अंतरिक्ष यात्रियों ने अंतरिक्ष से हमारी धरती की बेहद खूबसूरत तस्वीरें भेजी हैं। करीब 50 साल बाद इंसानों को चांद की ओर ले जा रहे इस मिशन के दौरान जब यात्रियों ने पीछे मुड़कर देखा, तो वे अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। नासा ने शुक्रवार को चालक दल की तरफ से भेजी गई पहली तस्वीरें जारी कीं। इन्हें सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए नासा ने लिखा कि साल 1977 से लेकर अब तक बहुत कुछ बदल चुका है, लेकिन एक बात जो आज भी बिल्कुल वैसी ही है, वह यह है कि हमारी धरती अंतरिक्ष से आज भी उतनी ही चमकती हुई नजर आती है। पृथ्वी की इन मनमोहक तस्वीरों ने दुनिया भर के लोगों को हैरान कर दिया है। नासा की अधिकारी लाकीशा हॉकिन्स ने इन तस्वीरों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह सोचकर ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं कि इस एक तस्वीर में हमारे चार अंतरिक्ष यात्रियों को छोड़कर पूरी की पूरी मानवता समाई हुई है। उन्होंने बताया कि यह ऐतिहासिक मिशन पूरी तरह से सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। फिलहाल यह टीम पृथ्वी से करीब 1.8 लाख किलोमीटर दूर पहुंच चुकी है और तेजी से चांद की ओर बढ़ रही है। अभी इन यात्रियों को करीब 2.4 लाख किलोमीटर का सफर और तय करना है और अनुमान है कि वे सोमवार तक चांद की कक्षा के करीब पहुंच जाएंगे।

दिखा अद्भुत नजारा

इस मिशन का नेतृत्व कर रहे कमांडर रीड वाइजमैन ने जो पहली तस्वीर खींची है, उसमें ओरियन कैप्सूल की खिड़की से पृथ्वी का एक मनमोहक घुमावदार हिस्सा नजर आ रहा है। वहीं, उनके द्वारा ली गई दूसरी तस्वीर में पूरी पृथ्वी दिखाई दे रही है, जिसमें नीले महासागर, सफेद बादलों की लहरें और यहां तक कि हरे रंग की ऑरोरा (उत्तरी रोशनी) भी अंतरिक्ष से चमकती हुई दिख रही है। कमांडर वाइजमैन ने अपने एक इंटरव्यू में बताया कि जब उन्होंने अपने कैप्सूल की खिड़की से पूरी पृथ्वी को एक साथ देखा, तो वह पल इतना अद्भुत था कि चारों अंतरिक्ष यात्री कुछ देर के लिए बिल्कुल चुप हो गए थे। उन्होंने इस अनुभव को अपनी जिंदगी के सबसे शानदार और भावुक कर देने वाले पलों में से एक बताया।

न्यूज गैलरी

पिच पर सिक्का रख गेंदबाजी करता था बापू नाडकर्णी, बिना रन दिए लगातार 131 गेंद फेंकने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। क्रिकेट में उन खिलाड़ियों की अहमियत हमेशा से रही है जो अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी के दम पर टीम के पक्ष में मैच पलटने की पूरी ताकत रखते हैं। बापू नादकर्णी एक ऐसे ही खिलाड़ी रहे जिन्होंने टेस्ट फॉर्मेट में भारतीय टीम के लिए गेंद और बल्ले से उस दौर में टीम इंडिया के लिए शानदार प्रदर्शन किया जब भारतीय क्रिकेट टीम एक युवा टीम मानी जाती थी। बापू नाडकर्णी का जन्म 4 अप्रैल 1933 को नासिक में हुआ था। उनका पूरा नाम रमेशचंद्र गंगाराम 'बापू' नाडकर्णी था। नाडकर्णी को क्रिकेट बचपन से पसंद था। वह मूल रूप से एक गेंदबाज थे, लेकिन कड़ी मेहनत की बदौलत अपनी बल्लेबाजी से भी उन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में छाप छोड़ी। कहा जाता है कि जब वह नेट्स में अभ्यास करते थे तो पिच पर एक सिक्का रखते थे, और हर बॉल पर सिक्के को मारने की कोशिश करते थे।बापू नाडकर्णी ने दिसंबर (16 से 21 दिसंबर) 1955 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच दिल्ली में खेला था। न्यूजीलैंड के खिलाफ ही ऑकलैंड में (7 से 12 मार्च तक) 1968 में अपना आखिरी टेस्ट खेला था। 13 साल के करियर में बाएं हाथ से बल्लेबाजी और स्पिन गेंदबाजी करने वाले नाडकर्णी ने भारत के लिए 41 टेस्ट खेले। 67 पारियों में 1 शतक और 7 अर्धशतक की मदद से 1,414 रन और 88 विकेट उनके नाम दर्ज हैं। नाडकर्णी ने 12 जनवरी 1964 को मद्रास में इंग्लैंड के खिलाफ बिना कोई रन दिए लगातार 21.5 ओवर (131 गेंदें) फेंके थे, जो एक रिकॉर्ड है। मुंबई और महाराष्ट्र के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले नाडकर्णी ने 191 प्रथम श्रेणी मैचों में 14 शतक और 46 अर्धशतक की मदद से 8,880 रन बनाने के अलावा 500 विकेट भी लिए थे। 17 जनवरी 2020 को नाडकर्णी का निधन पुणे, महाराष्ट्र में हो गया था। नाडकर्णी महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर के मेंटर रहे थे।गावस्कर ने उनके निधन के बाद कहा था कि उनका पसंदीदा शब्द 'छोड़ो मत' था। इसका अर्थ था कि आप भारत के लिए खेल रहे हैं। हिम्मत रखिए और आगे बढ़िए।

यूआईडीएआई में इंटर्नशिप का सुनहरा मौका, 28 पदों के लिए 15 अप्रैल तक करें आवेदन

नई दिल्ली। आधार कार्ड जारी करने वाली संस्था भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के साथ जुड़ने से अपने शानदार करियर की शुरुआत करने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए एक खास मौका सामने आया है। यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) ने इंटर्न के कुल 28 पदों पर वैकेंसी की आधिकारिक अधिसूचना जारी की है।यूआईडीएआई की ओर से जारी पदों के लिए ऑनलाइन मोड में आवेदन प्रक्रिया 1 अप्रैल से शुरू हो गई है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 15 अप्रैल निर्धारित की गई है। ऐसे में जो योग्य और इच्छुक उम्मीदवार एप्लीकेशन फॉर्म भरने की सोच रहे हैं, उन्हें तय समय सीमा के भीतर अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा करने की सलाह दी जाती है।यूआईडीएआई ने इंटर्न के जिन 28 पदों पर वैकेंसी निकाली है, उनमें बी(टेक)/बीई और एमटेक के 10+4, बैचलर ऑफ डिजाइन (बी-डेस) के 2, मास्टर ऑफ डिजाइन (एम-डेस) के 4, बैचलर ऑफ मैथेमेटिक्स (बी-मैथ्स)/बैचलर ऑफ स्टैटिस्टिक्स (बी-स्टेट) के 4 और मास्टर ऑफ साइंस इन मैथमेटिक्स (एम-मैथ्स)/मास्टर ऑफ स्टैटिस्टिक्स (एम-स्टेट) के 4 पद शामिल हैं। एप्लीकेशन फॉर्म भरने वाले अभ्यर्थियों के पास मान्यता प्राप्त संस्थान या यूनिवर्सिटी से संबंधित पद अनुसार ग्रेजुएशन या पोस्ट-ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए। इसी के साथ कैंडिडेट्स के पास अन्य निर्धारित स्किल का होना भी अनिवार्य है।योग्य अभ्यर्थियों का चयन मेरिट के आधार पर शॉर्टलिस्टिंग, इंटरव्यू/डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के आधार पर किया जाएगा, जिसके बाद चयनित कैंडिडेट्स को यूआईडीएआई इंटर्नशिप नीति के अनुसार प्रति माह स्टाइपेंड दिया जाएगा।आवेदन करने के लिए उम्मीदवार सबसे पहले यूआईडीएआई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। होमपेज पर जाने के बाद संबंधित वैकेंसी के लिए जारी ऑफिशियल नोटिफिकेशन लिंक पर क्लिक करें।

ब्रेंट क्रूड में 8 प्रतिशत की वृद्धि, बाजार में सप्लाई को लेकर बढ़ी चिंता

कच्चे तेल की कीमतें कई वर्षों के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली (ए.)। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में शुक्रवार को तेज उछाल देखा गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर अगले 2-3 हफ्तों में संभावित सैन्य हमले की चेतावनी देने के बाद बाजार में सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ गई है। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 8 प्रतिशत बढ़कर 109.24 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) फ्यूचर्स 111.54 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा था।

सप्ताह के दौरान यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड में पिछले शुक्रवार के मुकाबले 11.94 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि ब्रेंट क्रूड में इसी अवधि में 3.14 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब पांचवें हफ्ते में पहुंच गया है, जिससे वैश्विक बाजार से हर दिन लाखों बैरल तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है।

इसके चलते ऊर्जा कीमतें कई साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) से गुजरने वाली सप्लाई पर निर्भर देशों में ईंधन की कमी भी देखने को मिल रही है। दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल की आपूर्ति इसी मार्ग से होती है।इस हफ्ते दिए गए अपने भाषण में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका आने वाले हफ्तों में ईरान पर 'बेहद कड़ा प्रहार' कर सकता है। हालांकि, उन्होंने इस अहम समुद्री मार्ग को दोबारा खोलने की कोई स्पष्ट योजना नहीं बताई और अन्य देशों से इसे सुचारू करने की जिम्मेदारी लेने को कहा।विश्लेषकों का कहना है कि अगर पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ता है, तो कच्चे तेल की कीमतों, भारतीय रुपए और उभरते बाजारों में विदेशी निवेश पर दबाव बना रह सकता है।विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर स्थिति में सुधार होता है तो कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और करेंसी में स्थिरता आ सकती है, लेकिन तनाव बढ़ने पर बाजार में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति और बढ़ेगी।कीमती धातुओं की बात करें तो कॉमेक्स गोल्ड फ्यूचर्स 0.48 प्रतिशत गिरकर 4,679.70 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था, क्योंकि निवेशक अनिश्चितता के बीच सुरक्षित निवेश विकल्प तलाश रहे हैं।इस बीच, गुड फ्राइडे के कारण घरेलू कमोडिटी बाजार सुबह के सत्र में बंद रहे।

वहीं, पश्चिम एशिया के बढ़ते तनाव और करेंसी में उतार-चढ़ाव के चलते भारतीय शेयर बाजार लगातार छठे हफ्ते गिरावट के साथ बंद हुए, जहां दोनों प्रमुख बेंचमार्कों ङ्क सेंसेक्स और निफ्टी में कमजोरी रही।

मिडिल ईस्ट संकट और घरेलू अव्यवस्थाओं से पाकिस्तान में गहराया बिजली संकट

नई दिल्ली। पाकिस्तान में ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अगले महीने से एलएनजी (एलएनजी) की आपूर्ति लगभग शून्य होने की आशंका है, जिससे कुल बिजली उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा प्रभावित होगा।

कराची स्थित बिजनेस रिकॉर्डर में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, एलएनजी की कमी से कुल बिजली उत्पादन का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा प्रभावित होगा, जबकि कोयले की आपूर्ति पर दबाव के कारण करीब 30 प्रतिशत बिजली उत्पादन पर असर पड़ सकता है।

स्थिति से निपटने के लिए सरकार फर्नेस ऑयल का सहारा लेने पर मजबूर है, लेकिन इससे बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ जाती है। गैस और कोयले के मुकाबले फर्नेस ऑयल से बिजली बनाना महंगा पड़ता है।

रिपोर्ट के अनुसार, सरकार रोजाना 2 से 3 घंटे की लोड शेडिंग, बिजली दरों में बढ़ोतरी और ऊर्जा बचत जैसे कदम उठाने की योजना बना रही है। हालांकि, इन उपायों की सफलता उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी।

विशेषज्ञों का कहना है कि बाजारों को जल्दी बंद करना और अधिक बिजली खपत वाली रोशनी पर प्रतिबंध जैसे सरल उपाय पहले भी असरदार साबित हुए हैं, लेकिन इन्हें मौजूदा रणनीति में प्राथमिकता नहीं दी गई है। इससे बोझ आम जनता और उद्योगों पर ज्यादा पड़ सकता है। रिपोर्ट में घरेलू कुप्रबंधन को भी संकट का बड़ा कारण बताया गया है। पाकिस्तान रेलवे और कोयला आधारित बिजली संयंत्रों के बीच विवाद के चलते 1500 से 1800 मेगावाट बिजली उत्पादन खतरे में है। कोयले के परिवहन में बाधाएं, वैगन लोडिंग में देरी और समन्वय की कमी ने हालात और बिगाड़ दिए हैं। इससे न केवल अतिरिक्त लोड शेडिंग की आशंका बढ़ गई है, बल्कि महंगे ईंधन पर निर्भरता भी बढ़ रही है। वहीं, पाकिस्तान रेलवे को भी माल ढुलाई से होने वाली आय में नुकसान उठाना पड़ सकता है।

एलपीजी संकट की अफवाहों पर न दें ध्यान पेट्रोलियम मंत्रालय ने जारी की नई गाइडलाइन

नई दिल्ल। देश में पेट्रोलियम उत्पादों की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सरकार पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है. नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे घबराकर ईंधन की खरीदारी न करें और एलपीजी सिलेंडरों की अनावश्यक बुकिंग से बचें.

मंत्रालय ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के कारण आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है. इसके बावजूद, देश भर में पेट्रोलियम उत्पादों और रसोई गैस की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं. सरकार ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही भरोसा करने का आग्रह किया है.

एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए मंत्रालय ने विशेष निर्देश जारी किए हैं-

नागरिक गैस सिलेंडर की बुकिंग के लिए केवल डिजिटल माध्यमों (जैसे मोबाइल ऐप, व्हाट्सएप या ऑनलाइन पोर्टल) का उपयोग करें और बहुत जरूरी न होने पर गैस एजेंसियों के चक्कर न काटें.

मांग और आपूर्ति में संतुलन बनाने के लिए, शहरी क्षेत्रों में दो सिलेंडरों के बीच बुकिंग अंतराल को 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है.

आवाम के आगे झुकी शाहबाज सरकार

***रातों-रात 80 रुपये सस्ता हुआ पेट्रोल, 30 दिन तक बस का सफर भी हुआ फ्री**

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आसमान छूती महंगाई और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी के खिलाफ सड़कों पर उतरी आवाम के आगे आखिरकार शाहबाज शरीफ सरकार को झुकना पड़ा है। भारी विरोध प्रदर्शनों और पेट्रोल पंपों पर लगी लंबी कतारों के बाद पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल की कीमतों में 80 रुपये प्रति लीटर की भारी कटौती करने का ऐलान किया है। इस कटौती के बाद पाकिस्तान में पेट्रोल की नई कीमत 378 रुपये प्रति लीटर हो गई है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बताया कि यह राहत सरकार के पेट्रोलियम लेवी (टैक्स) में कटौती करके दी जा रही है।

दिलचस्प बात यह है कि सरकार ने यह फैसला पेट्रोल की कीमतों में 42.7 प्रतिशत का भारी इजाफा करते हुए इसे 485 रुपये प्रति लीटर करने के ठीक एक दिन बाद लिया है। पहले सरकार ने इस बढ़ोतरी का ठीकरा मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष और वैश्विक बाजार में तेल की बढ़ती कीमतों पर फोड़ा था। टेलीविजन पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि पेट्रोल की कीमतों में की गई यह कटौती कम से कम एक महीने तक लागू रहेगी। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा कि जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते, वह चैन से नहीं बैठेंगे। हालांकि, पेट्रोल पर राहत देने वाली सरकार ने डीजल की कीमतों में कोई कटौती नहीं की है। हाल ही में 54.9 प्रतिशत की भारी वृद्धि के बाद पाकिस्तान में डीजल अभी भी 520 रुपये प्रति लीटर के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर बिक रहा है।

सिर्फ 3 गेंदबाज आईपीएल में ले सके हैं एक से ज्यादा हैट्रिक

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन की शुरुआत 28 मार्च से हो गई है। आईपीएल के इतिहास में अब तक गेंदबाजों ने कुल 23 हैट्रिक ली हैं। हालांकि, तीन गेंदबाज ऐसे भी रहे हैं, जिन्होंने इस लीग में एक से ज्यादा बार हैट्रिक लेने का कारनामा किया। युवराज सिंह- आईपीएल में अपनी तूफानी बल्लेबाजी के साथ-साथ युवराज सिंह गेंद से भी काफी प्रभावशाली रहे। साल 2009 में खेले गए सीजन में युवराज की घूमती गेंदों ने बल्लेबाजों को खासा परेशान किया था। पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए युवराज ने आईपीएल 2009 में एक नहीं, बल्कि दो हैट्रिक ली थी। युवराज इंडियन प्रीमियर लीग के एक ही सीजन में दो हैट्रिक लेने वाले इकलौते गेंदबाज भी हैं। 1 मई, 2009 को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए मुकाबले में युवराज ने लगातार तीन गेंदों पर रॉबिन उथप्पा, जैक कैलिस और मार्क बाउचर को आउट किया था।

जीत के बाद भी अभिषेक शर्मा पर गिरी गाज

कोलकाता। टी20 वर्ल्ड कप 2026 और आईपीएल के शुरुआती मैच में खामोश रहने के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा आखिरकार अपने खूंखार अवतार में लौट आए हैं। गुरुवार को ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उन्होंने एक विस्फोटक पारी खेलकर अपनी टीम को शानदार शुरुआत दिलाई और जीत की मजबूत नींव रखी। लेकिन, इस दमदार और मैच जिताऊ प्रदर्शन के बावजूद इस युवा खिलाड़ी को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। मैच खत्म होने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अनुशासनहीनता पर कड़ा प्रहार करते हुए इस स्टार खिलाड़ी की सैलरी में भारी कटौती का ऐलान कर दिया है। दरअसल, ईडन गार्डन्स के मैदान पर अभिषेक शर्मा जितने आक्रामक बल्ले से नजर आए, उनका बर्ताव भी उतना ही उग्र था और मैदान पर उनका यही गुस्सा उन पर भारी पड़ गया।

एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका पर भड़के ललित

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी एक बार फिर चर्चा में हैं। ललित मोदी ने आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मालिक संजीव गोयनका के खिलाफ विवादित टिप्पणी की है और बीसीसीआई से टीम को बैन करने की मांग की है।

ललित मोदी ने एक्स पर लिखा, मैंने आपसे कहा था कि लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मालिक संजीव गोयनका पूरी तरह से लूजर और सबसे बड़ा जोकर है। मैं उसके बर्ताव से सच में शर्मिंदा हूं। मैंने आईपीएल को फैंस और खिलाड़ियों दोनों के लिए बनाया था, न कि हर बार, हर साल ऐसा होने के लिए।

उन्होंने लिखा, अगर मैं अभी भी चेयरमैन और कमिश्नर होता, तो मैं उसे तुरंत बैन कर देता और टीम की ओनरशिप हमेशा के लिए छीन लेता।

देव डी की सिनेमाघरों में वापसी, अनुराग बोले- ये मेरे गुस्से और विद्रोह की उपज

अनुराग कश्यप की बेहतरीन फिल्मों में शुमार देव डी एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट रही है। इस री-रिलीज के मौके पर निर्देशक अनुराग ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादें ताजा की हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने स्वीकार किया कि देव डी महज एक कहानी नहीं, बल्कि उस दौर में उनके भीतर चल रहे गुस्से और सिस्टम के खिलाफ विद्रोह का नतीजा थी। आइए जानें फिल्म दोबारा किस दिन सिनेमाघरों का रुख करेगी।

गैंग्स ऑफ वासेपुर (2012) से पहले देव डी (2009) ही वो फिल्म थी, जिसने अनुराग को बॉलीवुड में एक ताकतवर फिल्ममेकर के रूप में स्थापित किया था। एक कल्ट क्लासिक का दर्जा प्राप्त कर चुकी ये फिल्म अपनी रिलीज के 17 साल बाद अब 24 अप्रैल को दोबारा सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है। अभय देओल, कल्कि कोचलिन और माही गिल अभिनीत ये फिल्म केवल कुछ चुनिंदा सिनेमाघरों में ही रिलीज होगी।

अनुराग ने बताया, जब मैंने देव डी बनाई तो ये मेरे भीतर के विद्रोह से उपजी थी। वो देवदास के पुराने रूमानी संस्करण को तोड़ना चाहते थे। उनका उद्देश्य देवदास की स्त्री-द्वेषी सोच को चुनौती देना था। उन्होंने पारो और चंदा के किरदारों को मौजूदा दौर के हिसाब से गढ़ा, जहां पारो के पास अपनी इच्छा और गुस्सा है, और चंदा त्याग

की मूर्ति नहीं, बल्कि खुद को फिर से गढ़ने वाली एक मजबूत महिला है।अनुराग ने बताया कि वो एक ऐसी कहानी को, जो दुखद रोमांस में डूबी थी, आज के अराजक भारत की वास्तविकता में लाना चाहते थे। फिल्म के अंत को लेकर उन्होंने कहा कि वो इसे कोई सुखंद अंत नहीं देना चाहते थे, बल्कि दर्शकों को असहज करना चाहते थे, ताकि वे माफी और जवाबदेही के बारे में सोचें। अनुराग के अनुसार, अंत में देव कोई बहुत अच्छा इंसान नहीं बनता, बस उसे जीवन की नाजुकता का एहसास होता है। फिल्म की री-रिलीज पर अनुराग उत्सुक हैं कि नई पीढ़ी फिल्म और इसके संगीत पर कैसी प्रतिक्रिया देती है।

देव डी शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के प्रसिद्ध बंगाली उपन्यास देवदास का आधुनिक रूपांतरण था। इस फिल्म में अभय देओल ने देव, माही गिल ने पारो और कल्कि ने चंदा का किरदार निभाया। कल्कि ने इसी फिल्म से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने फिल्म के गाने इमोशनल अत्याचार में बैंड गायक के रूप में मनोरंजक कैमियो किया था।

धुरंधर की सफलता के बाद अब बादशाह की सवारी करेंगी सौम्या टंडन, शुरू की घुड़सवारी

अभिनेत्री सौम्या टंडन इन दिनों स्पाई एक्शन फिल्म धुरंधर- द रिवेंज को लेकर सुर्खियों में छाई हैं। इस बीच, अभिनेत्री ने अपने नए शौक का खुलासा किया और बताया कि उन्होंने उसकी ट्रेनिंग भी शुरू कर दी हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि उन्हें घुड़सवारी का काफी शौक था, जिसकी उन्होंने ट्रेनिंग शुरू कर दी है। फिल्म की सफलता के बाद सौम्या अब अपनी नई रुचि पर फोकस कर रही हैं। घुड़सवारी उनके लिए न सिर्फ नया शौक है बल्कि एक सपने को पूरा करने की दिशा में पहला कदम भी है।

सौम्या ने कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें वे घोड़ों के साथ नजर आ रही हैं। वहीं, कुछ तस्वीरों में वे घुड़सवारी सीखते हुए भी दिख रही हैं।

सौम्या ने लिखा, पहला दिन और पहली घुड़सवारी की क्लास।

अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें बचपन से ही घोड़े बहुत पसंद रहे हैं। उन्होंने लिखा, घोड़े बहुत सुंदर और नाजुक जानवर होते हैं। मैं हमेशा उनसे आकर्षित रही हूं। मैं बचपन में एक बड़े फार्म का सपना देखती थी, जहां खूबसूरत घोड़े और कुत्ते हों। मैं खुद उन घोड़ों पर सवारी करते हुए खुद को देखती थी।सौम्या ने लिखा, पहला दिन थोड़ा मुश्किल रहा, लेकिन मैंने घुड़सवारी सीखना शुरू कर दिया है, तो पहला दिन काफी खतरनाक और थकाऊ था। मेरी पीठ में दर्द हो रहा है, लेकिन इस क्लास में मुझे एक नया दोस्त मिल गया। वह दोस्त है एक सुंदर सफेद घोड़ा, जिसका नाम बादशाह' है।

सौम्या ने मजाकिया अंदाज में बताते हुए लिखा, मैंने बादशाह से बहुत बातें कीं। सच कहूं तो वह बहुत अच्छा सुनने वाला था या शायद उसके पास और कोई चारा नहीं था, लेकिन उसने मेरी सारी बातें ध्यान से सुनीं। मुझे लगता है कि हमारे बीच एक खास कनेक्शन बन गया है। हम अच्छे दोस्त बन गए हैं।अंत में सौम्या ने लिखा, फिर मिलेंगे बादशाह, जल्दी ही। उम्मीद है एक दिन हम साथ में घोड़ी चलाएंगे और तेज दौड़ लगाएंगे।

छत्तीसगढ़ की सीमाएं असुरक्षित, लगातार बढ़ी तस्करी की घटनाएं, बार्डर इलाकों में कहीं सिंडिकेट तो नहीं चल रहा?

बॉर्डर' बना ब्लैक रूट, सिस्टम पूरी तरह म्यूट!

छत्तीसगढ़ के जिम्मेदार अधिकारी राज्य की सीमाओं पर लगातार सख्त चौकसी का दावा करते थकते नहीं हैं। दावा शायद कागजों पर सच भी हो, लेकिन हकीकत यह है कि राज्य की सीमाएं अब तस्करों के लिए खुला बाजार और ब्लैक रूट बन चुकी हैं, जबकि पूरा सिस्टम इस पर चुप्पी साधे बैठा है। धान खरीदी के सीजन में तस्करी का खेल पूरी बेखौफी से चलता है। कुछ तस्कर पकड़े जाते हैं, लेकिन तस्करी के आंकड़े देखकर लगता है कि कई करोड़ रुपये का धान बिना किसी रोक-टोक के आसानी से खप गया होगा। आंकड़े से साफ दिखता है कि छत्तीसगढ़ की सीमाएं तस्करों के लिए लगभग खुली छूट का इलाका बन गई हैं। इस मामले में महासमुंद जिला सबसे बदनाम रहा, जहां राज्य में सबसे ज्यादा तस्करी के मामले पकड़े गए। बलौदाबाजार, बलरामपुर, राजनांदगांव, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी, धमतरी, कवर्धा और बस्तर के रास्ते भी धान तस्करों के पसंदीदा गलियारे बन चुके हैं। छत्तीसगढ़ में धान और किसान का मुद्दा हमेशा से अत्यंत संवेदनशील रहा है। इसी मुद्दे पर सरकारें बनती और गिरती रही हैं। जब कांग्रेस सत्ता में थी, भाजपा ने इसे मुद्दा बनाकर सरकार को घेरा। अब भाजपा सत्ता में है, तो कांग्रेस उसी किसान और धान तस्करी के मुद्दे पर उसे कठघरे में खड़ा कर रही है। फिर भी आंकड़े बेरहम सच्चाई बयान कर रहे हैं — छत्तीसगढ़ की सीमाओं पर अभी भी सुरक्षा की घोर दरकार है। सिस्टम की इस लापरवाही और चुप्पी को अब और सहन नहीं किया जा सकता।

400 प्रकरण दर्ज, 16 जांच चौकियों के बावजूद अवैध कारोबार जारी, जंगल और कच्चे रास्तों से हो रही तस्करी

ओडिशा सीमा से महासमुंद में धान तस्करी का जाल, 1.70 लाख क्विंटल जब्ती के साथ जिला बना प्रदेश में नंबर-1

जयदेव सिंह/महासमुंद

ओडिशा सीमा से लगे महासमुंद जिले में धान तस्करी का नेटवर्क लगातार मजबूत होता जा रहा है। बड़े पैमाने पर ओडिशा का धान सीमा पार कर स्थानीय किसानों के माध्यम से सोसायटियों में खपाया जाता है। शासन द्वारा तय मानकों के तहत खरीफ सीजन में धान खरीदी की व्यवस्था होने के बावजूद तस्कर सिस्टम की कमजोर कड़ी का फायदा उठाकर इस काले कारोबार को अंजाम दे रहे हैं।

हर साल तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए जिले में 16 जांच चौकियां स्थापित की जाती है, लेकिन इसके बावजूद अवैध धान का परिवहन और भंडारण बेधड़क जारी रहता है। आंकड़ों के अनुसार, महासमुंद जिले में इस खरीफ सीजन के दौरान अवैध धान से जुड़े 400 प्रकरण दर्ज किए गए और करीब 1 लाख 70 हजार क्विंटल धान जब्त किया गया। यह आंकड़ा प्रदेश के 33 जिलों की तुलना में सबसे अधिक है।

खरीदी में भी अव्वल, लेकिन तस्करी ने बढ़ाई चुनौती: खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले के 182 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से 10,00,187.16 मीट्रिक टन धान खरीदी की गई, जो प्रदेश में सर्वाधिक है। हालांकि यह पिछले वर्ष 2024-25 की तुलना में 9.43 प्रतिशत कम है। जिले में पंजीकृत 1,60,118 किसानों में से 92.69 प्रतिशत किसानों ने समर्थन मूल्य पर धान बेचा, जो राज्य औसत से अधिक है।

जंगल और कच्चे रास्ते बने तस्करी के मार्ग

धान तस्कर मुख्य सड़कों से बचते हुए जंगल और कच्चे रास्तों का इस्तेमाल कर रहे हैं। कोमाखान थाना क्षेत्र के टेमरी,भालूकोना जंगल, द्वारतरा, केंदूबाहरा, खैरटकला, साल्हेभाठा जैसे इलाकों के जरिए धान जिले में लाकर सीमावर्ती गांवों में किसानों के पास डंप किया जाता है। सिंघोड़ा के रेहटीखोल चेक पोस्ट और सिरपुर मार्ग तस्करी के प्रमुख रास्ते बने हुए हैं। दिसंबर में सिरपुर में एक ही दिन 7 पिकअप वाहन पकड़े जाने से स्थिति की गंभीरता स्पष्ट होती है।

प्रशासन के पास तस्करों की पूरी जानकारी, फिर भी जारी खेल

जिला प्रशासन के पास तस्करों की पूरी कुंडली होने के बावजूद इस पर पूरी तरह रोक नहीं लग पा रही है। बीते खरीफ सीजन में सरायपाली क्षेत्र के 14 तस्करों को नोटिस जारी कर समझाइश दी गई, लेकिन इसके बाद भी तस्करी जारी रही। एक मामले में 345 क्विंटल धान जब्त कर एफआईआर दर्ज की गई।

किसानों की भूमिका अहम, कमीशन का खुला खेल

इस अवैध कारोबार में कुछ किसानों की भी अहम भूमिका है। तस्कर पहले से ही किसानों के रकबे की जानकारी जुटाकर उनसे सौदा तय करते हैं। इसके बाद ओडिशा से धान मंगाकर उन्हीं किसानों के जरिए सोसायटियों में खपाया जाता है। बदले में किसानों को कमीशन दिया जाता है।

पिछले साल से कई गुना ज्यादा कार्रवाई

पिछले वर्ष जहां 184 प्रकरणों में 12,828 क्विंटल धान जब्त हुआ था, वहीं इस साल 400 मामलों में 1.70 लाख क्विंटल धान जब्त किया गया। हालांकि सूत्रों का दावा है कि पकड़ा गया धान कुल तस्करी का मात्र 10 प्रतिशत ही है। महासमुंद जिले में धान खरीदी के साथ-साथ तस्करी का बढ़ता नेटवर्क प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। जांच चौकियों और सख्ती के बावजूद तस्कर नए-नए रास्ते अपनाकर सरकारी व्यवस्था में सेंध लगा रहे हैं। ऐसे में आने वाले खरीफ सीजन में अब और सख्त निगरानी और जमीनी कार्रवाई की जरूरत महसूस की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में जिलेवार धान की जब्ती रिपोर्ट (खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग)

अवधि: 01/11/2025 से 02/02/2026 तक

क्र.सं.	जिला नाम	धान प्रकरण	पीवी जब्ती प्रकरण	कुल मात्रा (क्विंटल में)	मालिक को सुपुर्द (क्विंटल में)	पुलिस/अन्य को सुपुर्द (क्विंटल में)
1	महासमुंद	400	48	170044.57	146257.58	21549.79
2	बिलासपुर	77	6	136681.6	133335	2426.6
3	रायगढ़	163	31	136612.4	67872.4	68474.8
4	जांजगीर-चांपा	110	4	133418.8	133224.8	194
5	सक्ती	110	8	115260.2	65251	765.2
6	धमतरी	121	11	47073.7	47020.1	53.6
7	राजनांदगांव	176	22	35633.6	29561.35	6072.25
8	एमसीबी	127	0	27466.83	1567.44	25899.39
9	सूरजपुर	88	0	23640.1	8159.4	1773.7
10	सारंगढ़-बिलाईगढ़	92	0	23498.71	22037.31	1461.4
11	बलरामपुर	142	14	20851.29	8250.37	7165.72
12	कवर्धा	125	0	13750.6	9034.2	4716.4
13	बेमेतरा	137	2	13420.1	12463.3	956.8
14	जशपुर	134	0	9369.8	4299.35	5070.45
15	बलौदाबाजार	210	0	9057.72	2915.2	6100.02
16	गौरेला-पेंड्रा-मरवाही	86	0	6399.9	2795.7	3549.4
17	बस्तर	52	0	6074.55	4326	1646.15
18	बालोद	65	0	5585.48	0	5585.48
19	दुर्ग	64	2	4872	3123.6	1249
20	रायपुर	63	10	4059	4039	20
21	गरियाबंद	62	1	3650.6	417.6	3233
22	खैरागढ़-छुईखदान-गंडई	68	0	3481.1	2084.6	1396.5
23	मोहला-मानपुर-चौकी	52	0	3367.25	715.8	2341.85
24	सरगुजा	51	0	3189.2	3071.6	0
25	कोरिया	65	1	3158.4	1804.2	1192.2
26	कोरबा	105	0	2996.4	2891.6	104.8
27	मुंगेली	91	0	2542.8	1976	566.8
28	कांकेर	61	0	1888	1410	478
29	बीजापुर	7	0	1842	157	1685
30	कोंडागांव	24	0	1827.23	418.33	1408.9
31	सुकमा	20	0	1027.4	280	747.4
32	दंतेवाड़ा	10	0	445	445	0
33	नारायणपुर	6	0	323.34	323.34	0

बलरामपुर जिले में बिचौलियों का 11,300 क्विंटल धान और 48 वाहन हुए थे जब्त

■ धान की अनुमानित कीमत 3.5 करोड़ रुपये आंकी गई थी

बलरामपुर/नवप्रदेश। उत्तर प्रदेश , झारखंड और मध्यप्रदेश की सीमा से लगे छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में इस वर्ष अभी तक बिचौलियों का 11,300 क्विंटल धान तथा 48 वाहन जब्त किया गया था। सरकारी समर्थन मूल्य के हिसाब से जब्त धान की अनुमानित कीमत लगभग तीन करोड़ 50 लाख रुपए आंकी गई थी।

जब्ती नहीं होने पर यह धान उपार्जन केंद्रों में बिक्री कर दिया जाता, इससे बिचौलिए अतिरिक्त लाभ कमाते और सरकार को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता। बता दें कि झारखंड में 2450 रुपये प्रति क्विंटल तथा उत्तर प्रदेश में 2369 रुपये प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था है, जबकि छत्तीसगढ़ में 3100 रुपये प्रति क्विंटल के दर से सरकार धान की खरीदी करती है। छत्तीसगढ़ में प्रति क्विंटल लगभग 700 रुपये अधिक दर मिलने के कारण उत्तर प्रदेश और झारखंड का धान यहां खपाने का प्रयास किया गया, जिसे प्रशासन की सजगता से रोका गया। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि इतनी सख्ती के बाद भी धान कैसे पहुंच रहा था। यह तो पकड़े गए मामले है, लेकिन कई अंदरूनी रास्ते भी हैं, जिससे धान को छत्तीसगढ़ में खपाया गया है।

■ जांच में 11,300 क्विंटल धान और 48 वाहन जब्त किए गए

■ धान की अनुमानित कीमत लगभग 3.5 करोड़ रुपये बताई गई

रिश्तेदारी से व्यवसायिक लाभ उठाने का प्रयास

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र और झारखंड के गढ़वा जिले के व्यापारियों की रिश्तेदारी बलरामपुर जिले में है। यह रिश्तेदारी भी धान तस्करी में सहायक साबित होती है। उत्तर प्रदेश और झारखंड में कम दाम में धान की खरीदी कर वे लोग बलरामपुर जिले में रहने वाले रिश्तेदारों के नाम पर धान बिक्री करवा देते हैं।

प्रदेश के इन जिलों से जुड़ी दूसरे राज्य की सीमाएं

छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा पर परिवहन विभाग और पुलिस द्वारा वाहनों की जांच के लिए कई महत्वपूर्ण बॉर्डर जांच चौकियां संचालित की जाती हैं। मुख्य जांच चौकियों के नाम इस प्रकार हैं

- **राजनांदगांव जिला (महाराष्ट्र बॉर्डर):** पटेकोहरा, छोटे मानपुर, मानपुर और चिचोला - चिचोला मुख्य महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर स्थित है।
- **कबीरधाम जिला (मध्य प्रदेश बॉर्डर):** चिल्फी - यह अमरकंटक/जबलपुर मार्ग पर स्थित है।
- **महासमुंद जिला (ओडिशा बॉर्डर):** खम्हारपाली और बागबाहरा
- **बिलासपुर जिला:** केवची
- **बलरामपुर जिला (झारखंड/उत्तर प्रदेश बॉर्डर):** धनवार और रामानुजगंज ।
- **कोरिया जिला:** घुरिटोला और चंटी
- **रायगढ़ जिला (ओडिशा बॉर्डर):** रेंगारपाली
- **जशपुर जिला:** शंख और लावाकेरा
- **सुकमा जिला (आंध्र प्रदेश/तेलंगाना बॉर्डर):** कोंटा
- **जगदलपुर/बस्तर जिला:** धनपुंजी
- कोंडागांव जिला से ओडिशा के नवरंगपुर के लिए सड़क

कोंडागांव जिले की ओडिशा सीमा बन गई है तस्करी का हॉटस्पॉट

महफूज अली/कोंडागांव

छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले की सीमा ओडिशा राज्य से लगती है। यह सीमा क्षेत्र पिछले कई दशकों से गांजा तस्करी का प्रमुख रूट बन चुका है। ओडिशा से कोंडागांव होते हुए बस्तर, रायपुर, कवर्धा और चिल्फी की ओर जाने वाले रास्ते तस्करों द्वारा बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किए जा रहे हैं। यहां से गांजा की खेप न सिर्फ छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में, बल्कि मुंबई, रायपुर और अन्य राज्यों तक पहुंचाई जा रही है।

पुलिस की सख्त निगरानी और कई बड़ी कार्रवाइयों के बावजूद तस्कर लगातार इस मार्ग का फायदा उठा रहे हैं। केशकाल थाना पुलिस को मुखबिरों से मिली सूचनाओं के आधार पर कई बार बड़ी सफलता मिली है, लेकिन तस्करों की हिम्मत नहीं टूट रही। हाल ही में केशकाल पुलिस ने एक फिल्मी अंदाज में तस्कर को पकड़ा। बेरियर तोड़कर भाग रहे तस्कर का पुलिस ने जंगल में पीछा किया और उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से डेढ़ क्विंटल गांजा बरामद किया गया।

इसके अलावा कोंडागांव जिले से गुजरकर कवर्धा पहुंचे कई तस्कर भी पकड़े जा चुके हैं। फरसगांव का एक स्थानीय व्यक्ति भी तस्करी के बड़े नेटवर्क में शामिल था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया, जिसके ओडिशा और आंध्र प्रदेश से गांजा लाकर मुंबई तक सप्लाई करने का खुलासा हुआ। इस मामले में उसके बॉलीवुड से भी कथित लिंक सामने आए थे। वह वर्तमान में जेल में बंद है।

वैकल्पि रूट अभी भी बड़ी चुनौती

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए सीमा क्षेत्र में निगरानी और बढ़ाई जाएगी। साथ ही स्थानीय लोगों को जागरूक करने और मुखबिरों के नेटवर्क को और मजबूत करने की योजना है। हालांकि, तस्करों के संगठित नेटवर्क और वैकल्पिक रूटों के कारण चुनौती बनी हुई है।

स्थानीय लोगों की मदद ले रहे तस्कर

पुलिस के अनुसार, ओडिशा से आने वाली गांजा की खेप कोंडागांव जिले के घने जंगलों और ग्रामीण इलाकों का रास्ता अपनाकर आगे बढ़ती है। सीमा पर चौकसी बढ़ाए जाने के बावजूद तस्कर वैकल्पिक रास्तों, रात के अंधेरे और स्थानीय सहयोगियों की मदद से पुलिस की नाकेबंदी को चकमा देने में कामयाब हो रहे हैं। कई मामलों में बड़े-बड़े वाहनों में छिपाकर गांजा ले जाया जाता है।

गांजे की खेती का हुआ था खुलासा

कोंडागांव जिले में हाल ही में एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस को एक खेत में गांजा की खेती का पता चला। छत्तीसगढ़ में अफीम की खेती के साथ-साथ गांजा की खेती भी शुरू होने के संकेत मिले हैं। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है और जिले भर में ऐसी अवैध खेती की तलाश में छानबीन तेज कर दी है। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और जब्त गांजा को नष्ट किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com